MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 14 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-44

रेवंत राइजिंग

शहर-शहर कांग्रेसी लहर

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की नीतियों पर शहरी मतदाताओं ने मुहर लगा दी है। शुक्रवार को घोषित निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस ने लगभग 75 प्रतिशत नगर पालिकाओं और नगर निगमों पर कब्जा जमा लिया है। ज्ञात हो कि बुधवार को कुल सात नगर निगमों और 116 नगर पालिकाओं के लिए मतदान हुआ था। विभागीय जानकारी के अनुसार, कांग्रेस ने 89 नगर पालिकाओं में निर्णायक जीत दर्ज की है, जबकि कई त्रिशंकु नगर पालिकाओं में वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। सात निगमों में से पार्टी ने चारनलगोंडा, रामागुंडम, महबूबनगर और मंचेरियालमें जीत हासिल की है, जबकि कोत्तागुडेम में वह सीपीआई के साथ बराबरी पर रही।

निर्दलियों और पदेन सदस्यों की भूमिका होगी अहम

अंतिम तस्वीर 16 फरवरी को स्पष्ट होगी, जब निर्वाचित पार्षद नगर पालिकाओं में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, तथा निगमों में मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव करेंगे। त्रिशंकु निकायों में सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों (पदेन सदस्यों) की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये परिणाम भविष्य के जीएचएमसी , साइबराबाद और मल्काजगिरी नगर निगम चुनावों के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

जन कल्याणकारी योजनाओं का असर

दिसंबर 2023 में सत्ता संभालने के बाद से रेवंत रेड्डी ने कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया है। वित्तीय सहायता योजनाएं, सब्सिडी वाला आवश्यक सामान और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के वादों ने चुनावी अभियान में मुख्य भूमिका निभाई। कांग्रेस नेताओं ने इस प्रदर्शन का श्रेय दृश्यमान शासन और राज्य सरकार की निरंतर पहुंच को दिया है।

शहरी विकास और भविष्य की रणनीति

शहरी मतदाता आमतौर पर सड़क, जल निकासी, पानी की आपूर्ति और कचरा प्रबंधन जैसे जमीनी सुधारों पर प्रतिक्रिया देते हैं। मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान नगर निकायों में जवाबदेही और विकास के रोडमैप पर जोर दिया था। विश्लेषकों के अनुसार, यह जीत न केवल संगठनात्मक मजबूती को दर्शाती है, बल्कि शहरी मतदाताओं के सत्ताधारी दल के प्रति बढ़ते भरोसे का भी प्रतीक है।

मुख्य बिंदु

जनकल्याण और बुनियादी ढांचा: कांग्रेस की जीत कल्याणकारी योजनाओं और शहरी बुनियादी ढांचा विकास पहलों के क्रियान्वयन के दम पर हुई है।

बेहतर समन्वय: पार्टी नेताओं ने इन चुनावों को राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण बताया था।

जमीनी पकड़: कई नगर पालिकाओं में जीत का अंतर न केवल संगठनात्मक लामबंदी बल्कि सत्ताधारी दल के पीछे शहरी मतदाताओं के ध्रुवीकरण को भी दर्शाता है।

रणनीतिक महत्व: ये परिणाम आगामी जीएचएमसी और अन्य बड़े निगम चुनावों के लिए कांग्रेस के जमीनी नेटवर्क को मजबूती प्रदान करेंगे।

सेवा वितरण का प्रभाव: विश्लेषकों का मानना है कि मतदाता सड़क, जल निकासी और कचरा प्रबंधन जैसी ठोस सेवाओं में सुधार को प्राथमिकता देते हैं।

तेलंगाना नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस-1,537 बीआरएस-781 और भाजपा ने 335 वार्डों पर किया कब्जा

तेलंगाना नगर पालिका चुनावों में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी प्रमुख ताकत के रूप में उभरी है। पार्टी ने 116 नगर पालिकाओं के 2,994 वार्डों में से 1,537 वार्डों पर जीत दर्ज करते हुए लगभग 90 नगर पालिकाओं पर स्पष्ट नियंत्रण स्थापित किया है।

कुल मिलाकर, कांग्रेस लगभग 90 नगर पालिकाओं में एकल सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, जिसने राज्य भर में अपने बढ़ते शहरी प्रभाव की पुष्टि की।

जहां भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने 781 वार्ड जीतकर 13 नगर पालिकाओं पर कब्जा किया, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने 335 वार्ड सुरक्षित किए। अन्य प्रत्याशियों ने 340 सीटों पर विजय प्राप्त की।

कुल 38 नगर पालिकाओं में निर्णायक बहुमत नहीं मिला, जिससे चुनाव-पश्चात गठबंधनों की राह तैयार हो गई है।

राज्य भर में कांग्रेस कार्यालयों में जश्न का माहौल रहा, पार्टी कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटकर इस परिणाम को सत्ताधारी पार्टी के प्रति निर्णायक समर्थन के रूप में वर्णित किया।

कांग्रेस ने कई नगर पालिकाओं में प्रभावशाली जीत दर्ज की, जिसमें धर्मपुरी और कोसगी में क्लीन स्वीप शामिल है।

कांग्रेस के पक्ष में गई प्रमुख नगर पालिकाओं में नंदीकोंडा, चितयाल, भीमगल, मारीपेडा, दोर्णाकल, चंदूर, हलिया, चोप्पदंडी, सुल्तानाबाद, कोल्लापुर और नागरकुरनूल शामिल हैं।

उत्तर तेलंगाना से लेकर दक्षिण तेलंगाना तक पार्टी ने लगातार गति का प्रदर्शन किया। मधिरा, अस्वारोपेटा, वायरा, येल्लान्दु और येदुलापुरम में कांग्रेस प्रत्याशियों ने आरामदायक बहुमत दर्ज किया।

कांग्रेस ने पूर्व मेदक जिले में विशेष रूप से उल्लेखनीय परिणाम दिए। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इस क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन का श्रेय प्रभावी स्थानीय-स्तरीय रणनीति को दिया। इस क्षेत्र में AIMIM केवल एक सीट तक सीमित रह गई।

जगतियाल में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी के समर्थकों, जिन्होंने निर्दलीय के रूप से चुनाव लड़ा, ने बहुमत सीटें जीतीं, जिसने स्थानीय राजनीतिक गतिशीलता को उजागर किया।

लटकी हुई परिषदें और कड़े मुकाबले

कुल 38 नगर पालिकाओं में निर्णायक बहुमत नहीं मिला। नरसापुर में, कांग्रेस और बीआरएस के बीच एक वार्ड में नाटकीय बराबरी के बाद टॉस के माध्यम से निपटारा किया गया, जिसमें बीआरएस विजयी रही। अंतिम गिनती के परिणामस्वरूप नगर पालिका परिषद लटक गई।

नारायणपेट जिले की मकतल नगर पालिका में, भाजपा प्रत्याशी एरुकाला महादेवप्पा की आत्महत्या के बाद अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित वार्ड 6 में मतदान स्थगित कर दिया गया।

राज्य निर्वाचन आयोग से जल्द ही आगे की कार्रवाई का निर्णय लेने की उम्मीद है। मक्थल की 16 वार्डों में से कांग्रेस ने 12 जीतीं, जबकि भाजपा को तीन मिलीं।

महबूबनगर जिले में, वड्डेपल्लम नगर पालिका अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक ने जीतीयह राज्यव्यापी बड़े मुकाबले के बीच एक उल्लेखनीय परिणाम रहा। कांग्रेस ने मंचेरियाल, रामगुंडम और नलगोंडा निगम जीते।

कोत्तागुडेम (60 डिवीजन) में, कांग्रेस और सीपीआई ने प्रत्येक 22 सीटें जीतीं, जबकि बीआरएस को 8, भाजपा को 1, सीपीएम को 1 और अन्य को 6 सीटें मिलीं।

कोत्तागुडेम में स्पष्ट बहुमत नहीं होने के कारण मेयर चुनाव कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने की उम्मीद है। बीआरएस द्वारा सीपीआई को समर्थन देने ने राजनीतिक समीकरण को एक नया आयाम दिया है।

38 लटकी हुई नगर पालिकाएं भविष्य के गठबंधन की ओर इशारा

इन परिणामों ने शहरी स्थानीय निकायों पर कांग्रेस के प्रभाव को मजबूत किया है और उसकी जमीनी संगठनात्मक आधार को और मजबूत बनाया है।

हालांकि, 38 लटकी हुई नगर पालिकाओं की उपस्थिति से संकेत मिलता है कि गठबंधन-निर्माण और रणनीतिक गठजोड़ तेलंगाना में शहरी शासन के अगले चरण को आकार देंगे। निर्णायक जनादेश और क्षेत्र-वार टूटे हुए फैसलों दोनों के उभरने के साथ, नगर पालिका चुनावों ने राज्य के शहरी राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप दिया है, ऐसा राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है।

(विस्तृत परिणाम पृष्ठ 12 पर...)

प्रियंका ने रेवंत को दी बधाई

नयी दिल्ली, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना में नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस की जीत ने अखउउ महासचिव प्रियंका गांधी की प्रशंसा अर्जित की, जिन्होंने दिल्ली में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। यह बैठक रेवंत रेड्डी की राष्ट्रीय राजधानी की दो दिवसीय यात्रा के दौरान हुई। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस द्वारा हासिल की गई बड़ी जीत पर चर्चा की। प्रियंका गांधी ने तेलंगाना में नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस की जीत पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में पार्टी को मिला समर्थन जनता के विश्वास को दर्शाता है। उनका मानना है कि इस जीत ने पार्टी कार्यकर्ताओं को नया उत्साह दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह भविष्य के चुनावों के लिए एक मजबूत आधार है। इस बीच, प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने उनके नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि इसने राज्य में कांग्रेस सरकार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना था कि पार्टी पंक्तियों के साथ समन्वय, चुनाव रणनीति और मजबूत स्थानीय प्रचार अभियान ने इस जीत को संभव बनाया।

बीजेपी शाइनिंग

करीमनगर-निजामाबाद में कमल

करीमनगर/निजामाबाद/आदिलाबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शुक्रवार को घोषित परिणामों में करीमनगर और निजामाबाद दोनों नगर निगमों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, जहां कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चुनावों में बहुकोणीय संघर्ष देखने को मिला।

करीमनगर में, भाजपा ने कुल 66 डिवीजनों में से 30 पर कब्जा किया, जबकि सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने 14 डिवीजन जीते।

करीमनगर नगर निगम (एमसीके) पर लगातार दो कार्यकालों तक शासन करने वाली बीआरएस को अपने गढ़ में बड़ा झटका लगा और वह केवल नौ डिवीजन जीत सकी।

राज्य नेतृत्व की सुविचारित चुनाव रणनीति को श्रेय

दोनों नगर निगमों में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय पार्टी के राज्य नेतृत्व द्वारा तैयार की गई सुविचारित चुनाव रणनीति को दिया गया है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, जो करीमनगर से सांसद हैं, और निजामाबाद सांसद धर्मपुरी अरविंद ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इन दोनों नगरीय निकायों में बिना किसी रोक-टोक के चुनाव प्रचार की अगुवाई की। अपने तीव्र चुनाव प्रचार के दौरान, दोनों नेताओं ने अक्सर सत्ताधारी कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम पर भाजपा को हराने के लिए गुप्त समझौता करने का आरोप लगाया। भाजपा ने निजामाबद एमसी की कुल 60 डिवीजनों में से 28 पर कब्जा किया। वहीं आर्मूर में- 8, बोधन में 3 सीटों पर विजयी रही।

स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित रहा प्रचार

श्री संजय ने स्थानीय नागरिक मुद्दों को छुआ और मतदाताओं को स्थायी समाधान का आश्वासन दिया। श्री अरविंद ने निजामाबाद के निवासियों के साथ सहानुभूति बनाने के लिए मना इंदूर - मना मेयर नारे पर अपना प्रचार केंद्रित किया।भगवा पार्टी ने आदिलाबाद नगर पालिका की 49 डिवीजनों में से 21 जीतकर सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी और मुख्य विपक्षी बीआरएस को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर धकेल दिया।

जहां कांग्रेस ने 11 डिवीजन जीते, वहीं बीआरएस को छह डिवीजन मिले।

शुक्रवार शाम करीमनगर में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, श्री संजय ने कहा कि करीमनगर की जनता ने भाजपा को अपना चुनावी जनादेश देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास एजेंडे पर अपना विश्वास जताया है।

उन्होंने दावा किया, इस जीत से प्रेरित होकर, हम आगामी चुनावों में हैदराबाद, साइबराबाद और मल्काजगिरि नगर निगम जीतने का प्रयास करेंगे।

वैश्विक बदलाव : चीन का इनविजिबल हंटर और सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान बेनकाब

बीजिंग, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

दुनिया अब पारंपरिक युद्ध और हथियारों के दौर से निकलकर भविष्य की स्पेस वार और अत्याधुनिक तकनीक की ओर बढ़ रही है। चीन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसे विनाशकारी हथियार को विकसित करने का दावा किया है, जिसमें बारूद या मिसाइलों का इस्तेमाल नहीं होता। इसे हाई-पावर माइक्रोवेवहथियार या इनविजिबल हंटरकहा जा रहा है। चीनी शोधकर्ताओं का दावा है कि यह प्रणाली अंतरिक्ष में तैनात उपग्रहों, विशेष रूप से एलन मस्क के स्टारलिंक नेटवर्क को पूरी तरह निष्क्रिय या नष्ट करने में सक्षम है।

इस हथियार को स्टारलिंक किलरभी कहा जा रहा है। चीन का मानना है कि ताइवान के साथ किसी भी संभावित संघर्ष की स्थिति में स्टारलिंक सैटेलाइट अमेरिका और उसके सहयोगियों को संचार और निगरानी में निर्णायक बढ़त दिला सकते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध में स्टारलिंक की प्रभावी भूमिका को देखते हुए चीन ने 20 गीगावाट शक्ति वाले इस काम्पैक्ट ड्राइवर को विकसित किया है। यह अदृश्य शिकारी जमीन, समुद्र या हवा कहीं से भी संचालित किया जा सकता है और बिना किसी धमाके के दुश्मन के उपग्रहों को डिलिंक कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक युद्ध के मैदान में अमेरिका की संचार शक्ति को पंगु बनाने की क्षमता रखती है।

एक तरफ तकनीक की दुनिया में चीन की चुनौती बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बार फिर बेनकाब हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति की नवीनतम रिपोर्ट ने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के तार सीधे तौर पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जोड़े हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जैश ने पिछले साल 10 नवंबर को हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में एक चौंकाने वाला खुलासा यह भी हुआ है कि जैश प्रमुख मसूद अजहर ने महिलाओं की एक विशेष शाखा जमात-उल-मोमिनात बनाने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य आतंकी गतिविधियों को समर्थन देना है। रिपोर्ट में विरोधाभासी स्थितियां भी दिखीं, जहाँ एक ओर जैश हमलों की जिम्मेदारी ले रहा है, वहीं दूसरी ओर एक सदस्य देश ने इसे निष्क्रिय बताया, जिसे पाकिस्तान द्वारा फैलाया गया भ्रम माना जा रहा है। रिपोर्ट में 28 जुलाई 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले का भी जिक्र है। इस हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकी ढांचों पर प्रेसिजन स्ट्राइक के जरिए सटीक प्रहार किए थे। भारतीय सेना की इस कार्रवाई में जैश और लश्कर के कई ठिकाने नष्ट हुए और कई बड़े आतंकी मारे गए। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आत्मरक्षा में किसी भी हद तक जाने को तैयार है। 1990 के दशक से अल-कायदा से संबंधों के कारण जैश और लश्कर पर वैश्विक प्रतिबंध लागू हैं, फिर भी नई भर्तियों और शाखाओं की घोषणा यह दर्शाती है कि पड़ोसी देश की सरजमीं पर आतंकी तंत्र अभी भी सक्रिय है। दिल्ली के लाल किले के पास हुआ हमला भारत की संप्रभुता को चुनौती देने का प्रयास था, जिसे अब संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने वैश्विक स्तर पर पुख्ता कर दिया है।

न्यूज़ ब्रीफ

ब्रिक्स और एससीओ सर्वसम्मति से फैसले लेते हैं, नाटो अमेरिका पर निर्भर है

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हाल ही में अमेरिका और पश्चिमी देशों के समूह नाटो के काम

करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। लावरोव ने कहा है कि ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ज्यादातर मामलों में सर्वसम्मति के आधार पर फैसले करते हैं, जबकि नाटो के फैसले अमेरिका पर निर्भर करते हैं। लावरोव ने रूस के एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में कहा कि ज्यादातर मामलों में अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन किया जाता है। जब बात हमारे पश्चिमी साथियों की हो तब नहीं, बल्कि जब उन प्रतिनिधियों की होती है जिन्हें हम वैश्विक बहुमत कहते हैं। ब्रिक्स, एससीओ, और सोवियत के बाद वाले सीएसटीओ, ईएईयू, और सीआईएस जैसे समूहों में आम सहमति ज़्यादातर बनी रहती है। उन्होंने कहा कि यहां आप नाटो की तरह आसानी से फैसले नहीं ले सकते, जहां अमेरिकी कहते हैं चुप रहो और सबको पता है कि यह सब कैसे काम करता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लावरोव ने आगे कहा कि यूरोपीय संघ भी फैसलों पर असर डालता है। यूरोपीय संघ की तरह जहां ब्रसेल्स में बिना चुने हुए नौकरशाह देश की चुनी हुई सरकारों को बताते हैं कि क्या करना है, कैसे बर्ताव करना है, किसके साथ व्यापार करना है और किसके साथ नहीं करना है। हमारे हंगरी के साथियों ने ब्रसेल्स के हाल के गलत कामों पर साफ और समझने लायक टिप्पणी की है। बता दें हंगरी के पीएम विक्टर ओरबान ने दिसंबर 2025 में कहा था कि यूरोपीय संघ यूक्रेनी संघर्ष को लंबा खींचने के लिए व्यवस्थित तरीके से कानून को रौंद रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ में कानून का राज ब्रसेल्स की तानाशाही से बदल गया है।

बढ़ता प्रभाव: 99 फीसदी नौकरियां चट कर जाएगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

लंदन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। स्मार्टफोन

से लेकर स्मार्ट होम डिवाइसेज तक, हम हर जगह एआई संचालित तकनीकों का सहारा ले रहे हैं। लेकिन क्या एआई केवल एक मददगार के रूप में रहेगा या भविष्य में इंसानों की जगह ले लेगा जाने-माने एआई रिसर्चर डा. रोमन याम्पोल्स्की की हालिया चेतावनी ने इस बहस को एक नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है। डा. याम्पोल्स्की का मानना है कि वह समय अब ज्यादा दूर नहीं है जब एआई इंसानों को कार्यक्षेत्र से पूरी तरह रिप्लेस कर देगा। लुइसविले यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और एआई सुरक्षा के विशेषज्ञ डा. याम्पोल्स्की ने दावा किया है कि आने वाले कुछ वर्षों में एआई इंसानों की लगभग 99 फीसदी नौकरियां खत्म कर सकता है। उनके अनुसार, वर्तमान में ऐसा कोई भी इंसानी काम नहीं दिख रहा है जिसे आटोमेट यानी मशीन द्वारा संचालित न किया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि 2045 तक समाज एक ऐसे तकनीकी बिंदु (सिंगुलैरिटी) पर पहुंच सकता है, जहां से पीछे लौटना नामुमकिन होगा। यह बदलाव पिछले औद्योगिक क्रांतियों से बिल्कुल अलग और कहीं अधिक व्यापक होगा।डा. याम्पोल्स्की के मुताबिक, अगले पांच वर्षों के भीतर लगभग हर प्रकार के शारीरिक श्रम (फिजिकल लेबर) को आटोमेट किया जा सकता है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि हम एक ऐसी दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ बेरोजगारी का स्तर वह नहीं होगा जो हमने पहले कभी देखा है। यह 10 प्रतिशत नहीं, बल्कि 99 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। उनका मानना है कि आने वाले समय में केवल वही नौकरियां बचेंगी जहाँ मानवीय भावना या व्यक्तिगत उपस्थिति अनिवार्य होगी।

रूस में भारतीय छात्रों के शोषण के मामले बढ़े: 2025 में 200 मामले रुस से सामने आए

मास्को । रुस की राजधानी मास्को की एक यूनिवर्सिटी के हास्टल में 7 फरवरी को हुई चाकूबारी की घटना में

चार भारतीय छात्र घायल हुए। इस घटना ने रूस में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा और उनकी परेशानियों को फिर से चर्चा में ला दिया है। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में भारतीय छात्रों द्वारा दर्ज की गई शोषण, उत्पीड़न और नस्लीय भेदभाव की शिकायतों में से आधे से ज्यादा मामले रूस से जुड़े हैं। 2025 में 196 देशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों ने कुल 350 शिकायतें दर्ज कराई थी। जिसमें से 200 से अधिक शिकायतें रूस में पढ़ने वाले छात्रों की थीं। पिछले तीन सालों में इन शिकायतों की संख्या लगातार बढ़ी है। 2023 में 68, 2024 में 78 और 2025 में 201 शिकायतें दर्ज हुईं। बात दें कि रूस में पढ़ रहे अधिकांश भारतीय मेडिकल छात्र राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु से आते हैं। दरअसल कम फीस और आसानी से एडमिशन मिलने के कारण रूस लंबे समय से भारतीय छात्रों के लिए पसंदीदा देश बना हुआ है। लेकिन लगातार बढ़ती शिकायतों ने छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कई छात्रों का कहना है कि उन्हें अन्य देशों के छात्रों से अक्सर भेदभाव झेलना पड़ता है।

गाजा जंग में मरने वालों की संख्या 72 हजार के पार, रिपोर्ट में आरोप

इजराइल ने गाजा में गिराए थे प्रतिबंधित वैक्यूम बम

इनसे तापमान 3,500 डिग्री पहुंचा, हजारों इंसान भाप बनकर गायब

वाशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

इजराइल पर गाजा में वैक्यूम बम इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट द रेस्ट आफ द स्टोरी के मुताबिक, ये बम पहले हवा में ईंधन जैसा एक बादल फैलाते हैं और फिर उसमें आग लगा देते हैं। इससे बहुत बड़ा आग का गोला बनता है और आसपास की हवा खिंचकर एक तरह का जीरो (वैक्यूम) पैदा हो जाता है। इन धमाकों से तापमान 3,500 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इन बमों में एल्यूमिनियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो कुछ ही सेकेंड में शरीर को जला देते हैं। मिलिट्री एक्सपट्र्स और चश्मदीदों का भी कहना है कि इजराइल ने वहां ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया, जिन्हें वैक्यूम बम, थर्मल या थर्मोबैरिक बम कहा जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में मारे गए कई लोगों के शव तक नहीं मिले। गाजा की सिविल डिफेंस टीम ने 2,842 ऐसे फिलिस्तीनियों का रिकार्ड दर्ज किया है, जिनके बारे में कहा गया कि दफनाने के लिए उनका कोई हिस्सा तक नहीं बचा। वहीं 3,500 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। सीजफायर के बाद से गाजा में 500 लोगों की मौत इस वक्त गाजा में औपचारिक सीजफायर लागू है और समझौते के 100 दिन पूरे होने के बाद यह दूसरे चरण में पहुंच चुका है, लेकिन तनाव अभी भी बना हुआ है। 10 अक्टूबर 2025 से अब तक 500 से ज्यादा फिलिस्तीनियों के मारे जाने की खबरें आई हैं। एक मां, यासमीन महानी, ने अपनी आपबीती सुनाई। 10 अगस्त 2024 को गाजा सिटी के अल-तबिन स्कूल पर हमले के बाद वह अपने बेटे साद को ढूंढ रही थीं। उन्हें वहां अपने पति तो मिल गए, लेकिन बेटे का कोई निशान नहीं मिला। उन्होंने बताया कि मस्जिद में उन्हें जमीन पर मांस और खून बिखरा मिला, लेकिन दफनाने के लिए बेटे का कोई हिस्सा तक नहीं मिला।

अब पाकिस्तानियों को एआई का सपना दिखाने लगे शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। कंगाल पाकिस्तान भारी कर्ज में डूबा हुआ है। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ पाकिस्तानी नागरिकों को एआई का सपना दिखा रहे है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान 2030 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में 1 बिलियन यूएस डालर का निवेश करेगा, जिससे एआई-इकोसिस्टम बनाया जा सके। 9 से 15 फरवरी तक होने वाले इंडस एआई वीक 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान एआई में दुनिया के साथ जुड़ने के लिए तैयार है और युवाओं को आईटी टेक्नीशियन से एआई एक्सपर्ट बनाने में मदद करने के लिए प्रोग्राम शुरू करेगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान सरकार 2030 तक एआई में 1 बिलियन डालर निवेश करने के लिए तैयार है, जो हमारे देश में एआई इकोसिस्टम बनाने में बहुत मदद करेगा। पीएम शरीफ ने कहा कि एआई करिकुलम न सिर्फ सभी फ़ेडरली कंट्रोल्ड या चलाए जाने वाले स्कूलों में बल्कि पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर इलाके के सभी स्कूलों में शुरू होगा। यह प्लान बलूचिस्तान के दूर-दराज के हिस्सों में लागू किया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि यह निवेश देश के टेक्नोलाजी लैंडस्केप के लिए गेम चेंजर होगा। प्रधानमंत्री ने 2030 तक देश भर के स्टूडेंट्स को एआई में 1,000 पूरी तरह से फंडेड पीएचडी स्कालरशिप देने का भी ऐलान किया, जिसका मकसद पाकिस्तान का वर्ल्ड-क्लास रिसर्च सेंटर पूरी तरह से कैपेसिटी वाला बनाना है। शहबाज ने कहा कि हमारी सरकार का मकसद युवाओं को मज़बूत बनाना है, जो उनके मुताबिक देश की कुल आबादी का 60 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, आखिर में, हम दस लाख नान-आईटी प्रोफ़ेशनल्स को एआई स्किल्स में ट्रेन करने के लिए एक नेशनवाइड प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं, जिससे वे प्रोडक्टिविटी बढ़ा सकें और अपनी रोज़ी-रोटी बेहतर कर सकें। यह डेवलपमेंट तब हुआ है, जब हाल ही में पाकिस्तान के आईटी एक्सपोर्ट में ज़बरदस्त ग्रोथ हुई है। पहली छमाही में, कुल आईटी एक्सपोर्ट 2.24 बिलियन डालर तक पहुंच गया, जिसमें दिसंबर में महीने का आंकड़ा 437 मिलियन डालर तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

चीन में सड़क धंसी, 20 मीटर चौड़ा गड्ढा बना, पाइपलाइन फटने से हादसा

शंघाई , 13 फरवरी (एजेंसियां)।

चीन के प्रमुख महानगर शंघाई में एक व्यस्त सड़क अचानक धंस जाने से हड़कंप मच गया। घटना मिनहांग डिस्ट्रिक्ट स्थित किक्सिन रोड के पास हुई, जहां सड़क की सतह कुछ ही सेकंड में धंसकर 10 से 20 मीटर चौड़े गड्ढे में तब्दील हो गई। पूरा हादसा पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, घटना से पहले इलाके में पानी के रिसाव की शिकायत मिली थी। 11 फरवरी को निर्माण एजेंसियों ने सड़क के नीचे पानी के रिसाव की पहचान की थी और निगरानी की जा रही थी। आशंका जताई जा रही है कि मुख्य पाइपलाइन फटने के कारण जमीन के नीचे मिट्टी कमजोर हो गई, जिससे सड़क अचानक धंस गई। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आसपास की इमारतों में दरारें पड़ने की खबर है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सड़क को तुरंत बंद कर यातायात डायवर्ट कर दिया।

बताया जा रहा है कि घटनास्थल के पास रेलवे लाइन निर्माण का काम चल रहा था। इस परियोजना से जुड़ी कंपनी चाईना रेलवे टनल ब्यूरो ने मौके पर आपात मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। भारी मशीनों की मदद से गड्ढे के किनारों की जांच की जा रही है और जमीन को स्थिर करने की कोशिश की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गड्ढे के भीतर से लगातार पानी निकलता दिखाई दे रहा है, जिससे पाइपलाइन फटने की आशंका और मजबूत हो गई है। विशेषज्ञों की टीम यह पता लगाने में जुटी है कि रिसाव का स्रोत क्या है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। स्थानीय प्रशासन ने आसपास की इमारतों की संरचनात्मक जांच के आदेश दिए हैं और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

चीन महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने डाल रहा दबाव

बीजिंग। चीन में पिछले चार दशकों तक जन्म दर का निर्णय महिलाओं की इच्छा से नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों से तय होता रहा। चीन अब जनसंख्या में तेजी से आई गिरावट के कारण अपने रवैये में बड़ा बदलाव ला रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 1979 में लागू की गई एक-बच्चा नीति का उद्देश्य जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना था, लेकिन अब यही देश महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से प्रेरित और दबाव डालता नजर आ रहा है। जनवरी में जारी आधिकारिक आंकड़े इस बदलाव के पीछे की वजह को स्पष्ट करते हैं। 2025 में चीन में केवल 7.92 मिलियन बच्चों का जन्म हुआ, जो 2024 के 9.54 मिलियन की तुलना में 1.62 मिलियन कम है। यह करीब 17 प्रतिशत की गिरावट है। जन्म दर भी 5.63 प्रति 1,000 व्यक्ति रह गई, जो आधुनिक जनगणना शुरू होने के बाद 1949 से अब तक का सबसे निचला स्तर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट चीन की सामाजिक और आर्थिक संरचना पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग अब भी जनसंख्या को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विषय नहीं मानता, बल्कि इसे आर्थिक योजना का हिस्सा समझता है।

तारे को निगलने के बाद ब्लैक होल से निकल रही रहस्यमय रोशनी

वाशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

अंतरिक्ष में बने ब्लैक होल द्वारा एक तारा को निगलने के बाद रहस्यमय रोशनी निकलना प्रारंभ हुई, वह समय के साथ और तेज होती जा रही है। इस दृश्य को देखकर वैज्ञानिक भी अचंभित है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे सुपरमैसिव ब्लैक होल का अविश्वसनीय दृश्य कैद किया है, जिसने एक तारे को निगलने के बाद ऐसी ऊर्जा छोड़नी शुरू की जो रुकने का नाम ही नहीं ले रही। वैज्ञानिकों ने इस शक्तिशाली जेट को मज़ाकिया अंदाज़ में जेटटी मेकजेटफेस नाम दिया है। यह ब्लैक होल 2018 में पहली बार चर्चा में आया था, जब इसने अपने विशाल गुरुत्वाकर्षण बल से एक तारे को टुकड़ों में बदल दिया था।

आमतौर पर ऐसी घटनाएं कुछ महीनों या एक-दो साल के भीतर मंद पड़ जाती हैं, लेकिन यह ब्लैक होल इसके ठीक उलट लगातार और भी ज्यादा चमकदार और ऊर्जावान होता जा रहा है। आज यह ब्रह्मांड की सबसे चमकीली वस्तुओं में शुमार हो चुका है। यूनिवर्सिटी आफ ओरेगन की एस्ट्रोफिजिसिस्ट यवेटे सेंडेस ने इस घटना को बेहद असामान्य बताया है। उनके अनुसार किसी खगोलीय घटना की ऊर्जा चार साल बाद भी बढ़ती रहे, यह विज्ञान के लिए एक बड़ी पहेली है। शोध के मुताबिक यह ब्लैक होल अब 2019 के मुकाबले लगभग 50 गुना ज्यादा चमक पैदा कर रहा है।

वैज्ञानिकों ने इसकी तुलना स्टार वार्स के काल्पनिक डेथ स्टार से की है, लेकिन वास्तविकता में जेटटी मेकजेटफेस उससे खरबों गुना अधिक शक्तिशाली है। यह विस्फोटक ऊर्जा एक टाइडल डिसरप्शन इवेंट (टीडीई) का नतीजा है। जब कोई तारा किसी सुपरमैसिव ब्लैक होल के अत्यधिक करीब पहुंच जाता है, तो उसका गुरुत्वाकर्षण तारे को स्पैगेटीफिकेशन प्रक्रिया में खींचकर लंबा और पतला कर देता है। तारा टूटता है और उसके अवशेष ब्लैक होल के चारों ओर घूमते हुए एक चमकदार डिस्क बनाते हैं। इसी दौरान तीव्र रेडिएशन और हाई-एनर्जी जेट बाहर की ओर फूटते हैं। एटी2018एचवायझेड नामक इस घटना में बना जेट अब तक का सबसे शक्तिशाली माना जा रहा है। हालांकि इसकी चमक पृथ्वी से 66.5 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक शांत गैलेक्सी से आ रही है, इसलिए किसी खतरे की आशंका नहीं है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जेट की दिशा पृथ्वी की ओर नहीं है। यदि यह सीधे हमारी ओर संकेत करता, तो यह अपनी अपार ऊर्जा के कारण ग्रहों को शुरुआती कुछ प्रकाश वर्ष की दूरी में ही नष्ट कर सकता था।

जेटटी मेकजेटफेस जैसी घटना अत्यंत दुर्लभ है। अब तक देखे गए 100 से अधिक टीडीईएस में केवल 1 प्रतिशत में ही इतना शक्तिशाली और प्रकाश की गति के करीब भागने वाला रिलेटिविस्टिक जेट देखा गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में स्क्वायर किलोमीटर एरे जैसे उन्नत टेलिस्कोप इस प्रकार की रहस्यमय घटनाओं को और बेहतर समझने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। खगोलविदों का अनुमान है कि इस जेट की ताकत अब भी बढ़ रही है और संभव है कि 2027 तक यह ऊर्जा अपने चरम पर पहुंच जाए। इसके बाद इसके धीरे-धीरे कमजोर होने की उम्मीद है। वैज्ञानिक यह भी मानते हैं कि शुरुआत में यह जेट काफी पतला था, लेकिन समय के साथ इसके चौड़ा होने के कारण इसकी चमक पृथ्वी तक अधिक मात्रा में पहुंच रही है।

बांग्लादेश : जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं तारिक रहमान ने, विरासत में मिली है राजनीति

ढाका, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में बड़ा करिश्मा करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान पर सारी दुनिया नजर टिक गई है। तारिक ने अपने जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। राजनीति उन्हें विरासत में मिली है। उनकी इसी साल 25 जनवरी लंदन से सपरिवार घरवापसी हुई। स्वदेश लौटने के मात्र पांच दिन बाद पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी मां खालिदा जिया का निधन हो गया। इसके बाद उन्होंने पार्टी की बागडोर संभाली।

तारिक के पिता जिया-उर-रहमान मुल्क के राष्ट्रपति रह चुके हैं। तारिक 1990 के दशक में सक्रिय हुए। 2001 से 2006 के बीच बीएनपी सरकार के दौरान वे पार्टी के भीतर बेहद प्रभावशाली बन गए। उस समय उन्हें डार्क प्रिंस के नाम से भी पुकारा गया। 2007 में सैन्य समर्थित अंतरिम सरकार के दौरान तारिक रहमान पर भ्रष्टाचार और अन्य मामलों में आरोप लगे।

उन्हें डेढ़ साल जेल में रहना पड़ा। बाद में वे इलाज के लिए लंदन चले गए और वहीं से पार्टी की गतिविधियों को संचालित करते रहे। तारिक को 2018 और 2021 में भ्रष्टाचार, मनी लान्ड्रिंग और 2004 के ग्रेनेड हमले से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया गया। इससे उनके स्वदेश लौटने की राह लगभग बंद हो गई। 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद अदालतों ने उनके खिलाफ कई फैसलों को पलटा। इससे उनकी घरवापसी और राजनीति में सक्रिय होने का रास्ता साफ हुआ। करीब 17 वर्ष बाद उनकी वापसी हुई। 20 नवंबर 1965 में जन्मे तारिक की पत्नी जुबैदा रहमान डाक्टर हैं।

उनका जन्म 18 मई 1972 को सिलहट में हुआ । उन्होंने ढाका मेडिकल कालेज से एमबीबीएस किया और 1995 में सरकारी सेवा में शामिल हुईं। वह 2008 में अध्ययन अवकाश पर लंदन गईं। बाद में उन्हें सरकारी पद से हटा दिया गया। लंदन में उन्होंने इंपीरियल कालेज से चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की। उनका परिवार भी प्रभावशाली रहा है। उनके पिता रियर एडमिरल महबूब अली खान बांग्लादेश नौसेना के प्रमुख रहे और बाद में मंत्री भी बने। उनके चाचा जनरल एमएजी उस्मानी मुक्ति युद्ध के दौरान कमांडर-इन-चीफ थे।

जुबैदा भी कानूनी विवादों से अछूती नहीं रहीं। 2008 में भ्रष्टाचार विरोधी आयोग ने उनके, तारिक और उनकी मां के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था। ढाका की अदालत ने उन्हें सजा सुनाई थी, लेकिन अवामी लीग सरकार के पतन के बाद इस सजा पर रोक लगा दी गई। तारिक रहमान की बेटी जायमा ने लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की और लिंकन यूनिवर्सिटी से बैरिस्टर की डिग्री हासिल की। वह लंदन में प्रैक्टिसिंग बैरिस्टर के तौर पर काम कर चुकी हैं। उन्हें पार्टी की अगली पीढ़ी के चेहरे के रूप में भी देखा जा रहा है।

वंदे मातरम् का विरोध करने वालों को यहां रहने का कोई अधिकार नहीं : योगी

लखनऊ, 13 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान कहा कि 6 करोड़ से अधिक की आबादी को पिछले आठ वर्षों के अंदर डबल इंजन सरकार के द्वारा किए गए सतत प्रयास से बहुआयामी गरीबी की रेखा से ऊपर किया गया है। उन्होंने कहा कि ये नीति आयोग के वे आंकड़े हैं जो उन्होंने पूरे देश भर में सरकार की विकासपरक योजनाओं और कल्याणकारी योजनाओं के परिणामस्वरूप सामने आए हैं। इसका मतलब ये नहीं है कि उनको अन्य योजनाओं से वंचित कर दिया जाए। उनको जो राशन की सुविधा मिल रही है, वह यथावत मिलेगी। उन्हें स्वास्थ्य की सुविधाएं जो मिल रही हैं, वे यथावत मिलती रहेंगी और शासन की अन्य सभी प्रकार की सुविधाएं वैसे ही मिलती रहेंगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में कानून चंद हाथों की जागीर बन गई थी। कर्फ्यू और दंगा आम बात हो गई थी, पर्व आस्था नहीं आशंका के पर्याय बन गए थे, पुलिस का मनोबल टूटा था, न बेटी सुरक्षित थी न व्यापारी।उन्होंने कहा कि आज उपद्रव नहीं उत्सव प्रदेश है। उत्तर प्रदेश में आज भय का वातावरण नहीं, बल्कि लोगों के मन में आस्था का भाव है। कर्फ्यू कल्चर की जगह जीरो टॉलरेंस कल्चर ने ले ली है।समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वंदे मातरम का विरोध करने वालों को भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है। बजट सत्र के दौरान विधानसभा में बोलते हुए उन्होंने सपा और कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने राज्य में विकास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान दोनों में बाधा डाली है।मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वंदे मातरम का विरोध करने वालों को भारतीय धरती पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। कुछ राजनीतिक समूह भारत से खाते-पीते हैं लेकिन वंदे मातरम गाने से इनकार करते हैं।

उन्होंने सपा के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों पर अयोध्या और मथुरा के विकास को रोकने और कांवड़ यात्रा और दीपोत्सव जैसे धार्मिक आयोजनों का विरोध करने का आरोप लगाया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश, आस्था का केंद्र होने के नाते, अब एक ऐसे मॉडल का गवाह बन रहा है जहां विकास और विरासत पुनर्जागरण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य दंगा-प्रधान अर्थव्यवस्था से मंदिर-प्रधान अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हुआ है।प्रयागराज में आयोजित माघ मेले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जहां पूर्व के वर्षों में लगभग 12 करोड़ श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होते थे, वहीं इस वर्ष के माघ मेले में लगभग 21 करोड़ तीर्थयात्रियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह बेहतर कानून व्यवस्था में बढ़ती जन आस्था को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा, बल्कि देश की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और विकास के इंजन के रूप में उभर रहा है।

कानून प्रवर्तन सुधारों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब 12 कार्यरत फोरेंसिक प्रयोगशालाएं हैं, जबकि पहले केवल दो या तीन ही थीं। इसके साथ ही लखनऊ में एक राज्य फोरेंसिक संस्थान की स्थापना भी की गई है। प्रत्येक जिले में साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं और सभी पुलिस थानों में साइबर डेस्क कार्यरत हैं।उन्होंने यह भी बताया कि 60,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई है, पीएसी इकाइयों का पुनर्गठन किया गया है और महिला पीएसी बटालियन का गठन किया गया है, और कई अन्य बटालियनों का गठन प्रक्रियाधीन है।

'अगर मैं प्रवासी हूं तो सोनिया गांधी अंदरूनी हैं या बाहरी?': लहर सिंह सिरोया

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां) । राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा 'माइग्रेंट' (प्रवासी) कहे जाने पर जवाब दिया है और कहा है कि उनके इस बयान से उन्हें बहुत दुख पहुंचा है। उन्होंने सवाल उठाया है कि अगर मैं बाहरी हूं, तो राज्यसभा में खड़गे जी के बगल में बैठने वाली सोनिया गांधी अंदरूनी हैं या बाहरी? लहर सिंह सिरोया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा सदन में माइग्रेंट (प्रवासी) कहे जाने पर जवाब देते हुए पोस्ट लिखा, कल जब मैं केंद्रीय बजट पर बोल रहा था, तब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुझे माइग्रेंट (प्रवासी) कहा। उनका मतलब था कि मैं कर्नाटक का बाहरी हूं। इस बात से मुझे बहुत दुख पहुंचा। उन्होंने लिखा कि मेरा जन्मस्थान राजस्थान है, लेकिन मेरी कर्मभूमि कर्नाटक है। मुझे दोनों राज्यों पर गर्व है, जिनसे मेरी किस्मत जुड़ी है। मैं अक्सर कहता हूं कि मैं राजस्थानी से ज्यादा कन्नडिगा हूं। मैं बचपन में कर्नाटक आया और अपनी पूरी जिंदगी यहीं बिताई है। कर्नाटक के उदार लोगों ने मुझे बहुत प्यार और सम्मान दिया है। लेकिन, क्या राजस्थानी होना कोई अपराध है? मैं पूरी तरह से कर्नाटक में घुल-मिल गया हूं, लेकिन क्या अपनी जड़ों का सम्मान करना गलत है? कर्नाटक और राजस्थान दोनों महान लोगों और महान इतिहास की भूमि हैं।

उन्होंने कहा कि खड़गे जी खुद गुलबर्गा में पैदा हुए थे, जो उस समय निजाम के हैदराबाद का हिस्सा था। उन्होंने पढ़ाई भी हैदराबाद में की। भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद ही वे मैसूर राज्य (कन्नड़ भाषी क्षेत्र) का हिस्सा बने। तो क्या इससे वे भी प्रवासी या बाहरी हो जाते हैं?

लहर सिंह सिरोया ने सवाल उठाया कि अगर मैं बाहरी हूं, तो राज्यसभा में खड़गे जी के बगल में बैठने वाली और जिन्हें वे अपना नेता मानते हैं, सोनिया गांधी अंदरूनी हैं या बाहरी? क्या वे भी प्रवासी हैं? क्या इटली कभी भारत का हिस्सा रहा है? राजस्थान तो हमेशा भारत का हिस्सा रहा है और सोनिया गांधी मेरी जन्मभूमि राजस्थान से राज्यसभा की सदस्य चुनी गई हैं। तो क्या वे राजस्थान में बाहरी हैं, अंदरूनी हैं या प्रवासी?

बता दें कि केंद्रीय बजट पर राज्यसभा में बोलते हुए लहर सिंह सिरोया ने कर्नाटक के विकास और राजनीतिक मुद्दों को भी उठाया था। लहर सिंह सिरोया का कहना है कि इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें प्रवासी कहा था।

असम में 10 सड़क और 16 पुल परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार ने मंजूर की 747 करोड़ रुपए की राशि

असम,13 फरवरी (एजेंसियां) । असम में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य में सड़क और पुल परियोजनाओं के लिए कुल 747.72 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, असम में केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) स्कीम के तहत 10 रोड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए 617.98 करोड़ रुपए मंज़ूर किए गए हैं। इसके अलावा, 'सीआरआईएफ सेतु बंधन स्कीम' के तहत 16 ब्रिज प्रोजेक्ट्स के लिए 129.74 करोड़ रुपए मंज़ूर किए गए हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि इन पहलों से इलाके की कनेक्टिविटी काफी बढ़ेगी, ट्रांसपोर्टेशन की क्षमता बढ़ेगी और यात्रा का समय कम होगा। इनसे लोकल व्यापार भी बढ़ेगा, सामान और लोगों का आना-जाना आसान होगा और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में मदद मिलेगी।गौरतलब है कि पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में 6,950 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना (एनएच-715 के कालियाबोर-नुमालीगढ़ खंड का 4-लेन निर्माण) का भूमि पूजन किया।86 किलोमीटर लंबी काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना पर्यावरण के प्रति सजग एक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना है। इसमें 35 किलोमीटर का एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर होगा, जो काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरेगा, साथ ही 21 किलोमीटर का बाईपास खंड और एनएच-715 के मौजूदा राजमार्ग खंड का 30 किलोमीटर तक विस्तार करके इसे दो लेन से चार लेन का बनाया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य पार्क की समृद्ध जैव विविधता की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाना है।

सदन में राहुल गांधी का व्यवहार संवैधानिक मर्यादाओं और संसद की नियमावली के खिलाफ : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां) । संसद के बजट सत्र की कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित किए जाने के बाद भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का आचरण लोकतांत्रिक परंपराओं, संवैधानिक मर्यादाओं और संसद की नियमावली के खिलाफ है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस का जो व्यवहार रहा है, उससे साफ है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और शुचिता को नहीं मानते। उनका रवैया ऐसा है कि जो मन में आएगा, वही करेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस दिन संसद में हंगामा किया जा रहा था, उसी दिन महाराष्ट्र में कांग्रेस की हालत खराब हो गई और नगर निगम चुनावों में पार्टी साफ हो गई। अच्छा होता कि वे अपनी पार्टी की चिंता करते।

उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में राहुल गांधी ने राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर गैर-जिम्मेदाराना बयान दिए। एक ऐसी किताब का हवाला दिया गया, जो अभी प्रकाशित ही नहीं हुई है। जब प्रकाशक ने साफ कहा कि किताब छपी नहीं है और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी, तब भी राहुल गांधी उसे दिखाते रहे। उन्हें बताना चाहिए कि वह किताब उन्हें कहां से मिली?

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी पहले भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम कर चुके हैं। उन्होंने जॉर्ज सोरोस से जुड़े दस्तावेजों का जिक्र करते हुए कहा कि जिन कागजों की कोई विश्वसनीयता नहीं रही, उनका हवाला देकर देश की छवि खराब की गई।

भाजपा सांसद ने संसद के भीतर हुई घटनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, एक सिख मंत्री को देशद्रोही कहा गया, स्पीकर के लिए अपमानजनक शब्द इस्तेमाल किए गए, और महिला सांसदों ने प्रधानमंत्री की सीट को घेर लिया। मैं खुद वहां बैठा था। अगर स्पीकर ने रोक नहीं लगाया होता तो कोई भी अप्रिय घटना हो सकती थी।

रविशंकर प्रसाद ने इसे 'शाहीन बाग' जैसी स्थिति बताते हुए कहा कि संसद के अंदर इस तरह का व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी मीडिया से भी सवालों का जवाब देने से बचते हैं और पत्रकारों को 'भाजपा वाला' कहकर टाल देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन में झूठ बोलना और लोकतंत्र को कमजोर करना बेहद पीड़ादायक है। भाजपा राहुल गांधी के इस अराजक, अलोकतांत्रिक और राजनीतिक रूप से असभ्य व्यवहार की कड़ी निंदा करती है। राहुल गांधी बिना क्षमता और प्रतिभा के विपक्ष के नेता बने हैं, लेकिन अब उन्हें जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना सीखना चाहिए।

उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के परनाना जवाहरलाल नेहरू, दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी भी संघ के आलोचक थे, लेकिन संघ ने 100 साल पूरे कर लिए हैं और आज वह दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बन चुका है। संघ ने भारत के विकास, चरित्र निर्माण और राष्ट्रवाद में बड़ी भूमिका निभाई है। आप तीन चुनावों से 100 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पा रहे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने राहुल गांधी के कुछ पुराने बयानों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक बार राहुल गांधी ने संविधान पर बोलते हुए कहा था कि 'तपस्या से शरीर में गर्मी आती है।' इस पर उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि हिमालय में साधना कर रहे संत यह सुनकर हैरान रह जाएंगे।

शंकर प्रसाद ने 'वंदे मातरम' के मुद्दे पर राहुल गांधी से सीधा सवाल किया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' को पूरा गाने का नोटिफिकेशन जारी हुआ है। राहुल गांधी, आप बताइए कि पूरा गीत गाया जाए या नहीं? यह वही गीत है जिसने स्वतंत्रता संग्राम के लाखों सेनानियों को प्रेरित किया था। आप कहां खड़े हैं?

जनगणना में स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोपरि : सीएम मोहन यादव

भोपाल,13 फरवरी (एजेंसियां) । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आगामी समय में होने वाली जनगणना को पिछली जनगणना से अलग बताते हुए कहा है कि इसमें स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोपरि रहनी चाहिए। सीएम मोहन यादव ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 'जनगणना – 2027' पर केंद्रित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का शुभारंभ किया। सीएम मोहन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कार्यक्रम से जुड़ी फोटो शेयर करते हुए लिखा, आज भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 'जन-गणना – 2027' पर केंद्रित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक जनगणना होने जा रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इसके क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश, देश के लिए आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा और भारत सरकार की अपेक्षाओं एवं उद्देश्यों की सफल पूर्ति करेगा। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डाटा प्रक्रिया है। इसके आधार पर सरकार की योजनाएं बनती हैं, संसाधनों का वितरण तय होता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाने की रणनीति तैयार होती है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस बार की जनगणना भले ही आंठवीं है, लेकिन सबसे अलग है। कोविड के कठिन काल में स्वाभाविक रूप से जनगणना संभव नहीं थी, लेकिन अब हमें अधिक शुद्धता और पारदर्शिता के साथ यह दायित्व निभाना है। गणनाओं की शुद्धता और बारीकियों के लिए प्रशिक्षण हुआ है, अब प्रतिबद्धता और निष्पक्षता सबसे पहली शर्त है।सीएम मोहन यादव ने जनगणना के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि जनगणना के कई अर्थ निकाले जाएंगे, इसलिए स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोपरि रहनी चाहिए। 1931 के बाद सामाजिक स्तर की इस प्रकार की जनगणना पहली बार हो रही है, हम सब मिलकर एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं। विकास का कारवां भी बढ़े और व्यवस्थाओं का नियंत्रण भी हाथ में रहे।उन्होंने अधिकारियों से मानवीय संवेदनाएं ध्यान में रखकर जनगणना करने पर जोर देते हुए कहा कि किसी का मकान, जमीन या दुकान प्रभावित होती है तो उसके मन का लगाव भी समझना होगा, विकास के साथ संवेदनशीलता अनिवार्य है।उन्होंने त्योहारों के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने को लेकर अधिकारियों से कहा कि जनगणना के दौरान पड़ने वाले महाशिवरात्रि और होली जैसे पर्वों पर प्रशासन हाई अलर्ट पर रहे। आदर्श होली ऐसी हो कि लोगों को कष्ट कम हो और सामाजिक समरसता की भावना प्रकट हो। दक्षता के आधार पर परस्पर सौहार्द के बेहतर उदाहरण प्रस्तुत होने चाहिए। राज्य सरकार वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' मना रही है। 2026 किसान कल्याण वर्ष के रूप में घोषित है। कृषकों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आनी चाहिए। नरवाई जलाने की समस्या को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के आधार पर शून्य तक लाने का प्रयास करें। इसके साथ ही दलहन-तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास करें।

बिहार सरकार को कानून व्यवस्था पर ध्यान देने की जरूरत : तेजप्रताप यादव

पटना,13 फरवरी (एजेंसियां) । बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राष्ट्रीय जनता दल की ओर से बिहार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करने पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि कानून व्यवस्था को ठीक करे। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान तेज प्रताप यादव ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना और सख्त कार्रवाई करना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ठीक रहे।

बिहार के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री सम्राट चौधरी के कामकाज को लेकर जब तेज प्रताप यादव से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि सब जवान हैं। वे जवान हैं। हम भी जवान हैं। सबको आगे बढ़ना चाहिए और क्या कह सकते हैं।

प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने एक्स प्लेटफॉर्म से पोस्ट कर प्रदेश की नीतीश सरकार पर जोरदार हमला किया है।पोस्ट में लिखा कि पटना के दानापुर में 17 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध हालात में लाश एम्स गोलंबर के पास कोचिंग के निकट मिली। परिवार ने दुष्कर्म के बाद चौथी मंजिल से धक्का देकर हत्या करने का आरोप लगाया। लचर सरकार के कारण बिहार में किसी भी आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति या पेशेवर अपराधी में अब कानून और पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है।दूसरे पोस्ट में बिहार से गायब हो रहे बच्चे का जिक्र करते हुए लिखा कि बिहार के बच्चे क्यों गायब हो रहे हैं और कहां जा रहे हैं। बिहार के लगातार अपहरण हो रहे बच्चे, जो किसी घर की सारी खुशियां हैं, उनको एक संख्या मात्र मान लिया गया है।

स्टालिन सरकार महिलाओं को देगी हर साल पांच हजार रुपए, भाजपा ने उठाए सवाल

चेन्नई, 13 फरवरी (एजेंसियां) । तमिलनाडु की राजनीति में महिला अधिकार और आर्थिक सहायता को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राज्य की महिलाओं से बड़ा वादा करते हुए कहा कि उनकी सरकार अधिकारों के बंटवारे से पीछे नहीं हटेगी, चाहे कोई भी रुकावट क्यों न डाले।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि फरवरी, मार्च और अप्रैल महीनों के लिए अग्रिम तौर पर 3,000 रुपए और गर्मियों के विशेष बंटवारे के तहत 2,000 रुपए दिए जा रहे हैं। इस तरह कुल 5,000 रुपए की राशि शुक्रवार को 1.31 करोड़ रुपए की राशि कलैगनार महिला अधिकार योजना की लाभार्थी महिलाओं के खातों में जमा कर दी गई है।

उन्होंने भरोसा जताया कि तमिल महिलाओं के समर्थन से उनकी सरकार दोबारा सत्ता में लौटेगी।

साथ ही उन्होंने द्रविड़ मॉडल 2.0 के तहत 1,000 रुपए की सहायता राशि बढ़ाकर 2,000 रुपए करने का वादा भी किया। स्टालिन ने इसे अपनी बहनों से किया गया व्यक्तिगत वादा बताया।

उन्होंने कहा कि चुनाव का बहाना बनाकर तीन महीनों के लिए अधिकारों के बंटवारे को रोकने की कोशिश की जा रही है, लेकिन उनकी द्रविड़ मॉडल सरकार अपने वादे पर कायम है।

वहीं, भाजपा की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने मुख्यमंत्री के दावों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि केंद्र सरकार इस योजना को रोकने की कोशिश कर रही है।

तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि डीएमके सरकार चुनाव को ध्यान में रखकर योजनाओं की घोषणा करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना की घोषणा के बाद दो साल तक राशि नहीं दी गई और अब चुनाव से पहले एक साथ भुगतान किया जा रहा है।

सौंदराजन ने राज्य सरकार की शराब नीति और टीएएसएमएसी से होने वाली आय पर भी निशाना साधा। उनका दावा है कि सरकार को शराब बिक्री से भारी राजस्व मिलता है, जबकि परिवारों को आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ता है।

उन्होंने केंद्र सरकार की मुद्रा योजना और डिजिटल इंडिया पहल का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं अधिक प्रभावी हैं।

उन्होंने कहा कि सभी महिला उद्यमी और बिजनेस ओनर बनाने के लिए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुद्रा स्कीम लाए, जिससे तमिलनाडु में करीब एक करोड़ लोगों को फायदा हुआ है।

इतना ही नहीं, सड़क किनारे सामान बेचने वालों, खासकर महिलाओं को तुरंत लोन दिया जाता है ताकि वे अपना बिजनेस तुरंत बढ़ा सकें।

डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं, मुंबई में होगी इंटिमेट शादी, कृतिका कामरा ने चुना सिंपल अंदाज

अभिनेत्री कृतिका कामरा और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर की शादी की खबरें जोरों पर हैं। दोनों ने हाल ही में रिश्ते को सार्वजनिक किया था और अब यह कपल अपने नए जीवन की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। जानकारी के मुताबिक, कृतिका और गौरव मार्च महीने में शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। एक करीबी सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि शादी के सभी कार्यक्रम सोच-समझकर प्लान किए गए हैं और इसमें परिवार के लोग ही मौजूद रहेंगे। कृतिका का पूरा परिवार इस खास मौके के लिए दिल्ली से मुंबई आएगा। सूत्रों ने आईएएनएस को बताया, शादी के पहले दो दिन बेहद निजी रखे जाएंगे। इन दिनों में केवल परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। वहीं, शादी के तीसरे दिन एक ग्रैंड रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इंडस्ट्री से जुड़े दोस्त और मेहमान शामिल होंगे।

शादी के आयोजन मुंबई के अलग-अलग इलाकों में किए जाएंगे। पहले दो दिन के कार्यक्रम बांद्रा और आसपास के इलाकों में होंगे, जबकि रिसेप्शन लोअर परेल में आयोजित किया जाएगा।

कपल के एक करीबी ने आईएएनएस को पहले बताया था कि कृतिका और गौरव डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं चाहते। वे एक ऐसी शादी चाहते थे, जो उनकी सोच, उनकी पर्सनैलिटी और उनके रिश्ते को सही मायनों में दर्शाए।

गौरतलब है कि दिसंबर महीने में कृतिका ने अपने रिश्ते को इंस्टाग्राम पर सार्वजनिक किया था। उन्होंने गौरव के साथ ब्रेकफास्ट डेट की कुछ कैंडिड तस्वीरें साझा की थीं।

बात करें अगर कृतिका कामरा के करियर की तो, उन्होंने 2007 में टीवी से अपने अभिनय की शुरुआत की थी और 'कितनी मोहब्बत है' से घर-घर में पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज, फिल्मों और वेब सीरीज में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। वहीं, गौरव कपूर एक जाना-पहचाना चेहरा हैं और क्रिकेट से जुड़े शो के लिए मशहूर हैं।

वर्ल्ड रेडियो डे स्पेशल : जब बॉलीवुड ने रुपहले पर्दे पर दी रेडियो को आवाज़

हर साल 13 फरवरी को वर्ल्ड रेडियो डे मनाया जाता है। रेडियो आज भी ऐसा माध्यम है जो दूरियों को मिटाता है, लोगों को जोड़ता है और भावनाओं को आवाज़ देता है। पॉडकास्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म से बहुत पहले, रेडियो ही बातचीत, संगीत और खबरों का सबसे भरोसेमंद ज़रिया था। रही बात बॉलीवुड में रेडियो की, तो बॉलीवुड ने रेडियो को हमेशा सिर्फ़ एक पेशे के रूप में नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने वाले एक भावनात्मक सहारे के रूप में दिखाया है। सिर्फ यही नहीं, हिंदी फिल्मों ने रेडियो के इस असर को कई यादगार किरदारों के ज़रिये भी दिखाया है। तो आइए वर्ल्ड रेडियो डे पर, एक नज़र डालते हैं उन फिल्मों और कलाकारों पर जिन्होंने रेडियो को पर्दे पर खास बनाया।

प्रीती ज़िंटा – सलाम नमस्ते (2005)

'सलाम नमस्ते' में प्रीति ज़िंटा ने रेडियो जॉकी अम्बर एम्बी मल्होत्रा का किरदार निभाया था। यह किरदार आत्मनिर्भर, बेबाक और मॉडर्न था। उस समय जब एफएम रेडियो युवाओं में लोकप्रिय हो रहा था, एम्बी ने दिखाया कि आरजे सिर्फ़ गाने नहीं बजाते, बल्कि श्रोताओं के दोस्त भी होते हैं।

विद्या बालन – लगे रहो मुन्नाभाई (2006)

'लगे रहो मुन्ना भाई' में विद्या बालन यानी जान्हवी एक रेडियो शो होस्ट थीं, जो अपने शो के ज़रिये गांधीजी के विचार आम लोगों तक पहुँचाती हैं। इस फिल्म ने दिखाया था कि रेडियो कैसे समाज में सकारात्मक सोच और बदलाव ला सकता है।

संजय दत्त – लगे रहो मुन्नाभाई (2006)

इस फिल्म में संजय दत्त का किरदार रेडियो जॉकी नहीं था, लेकिन रेडियो की भूमिका कहानी में बहुत अहम थी। रेडियो के ज़रिये 'गांधीगिरी' लोगों तक पहुँची और यह साबित हुआ कि यह माध्यम किसी की भी सोच को प्रभावित करने की ज़बरदस्त ताक़त रखता है।

ह्रितिक रोशन – गुज़ारिश (2010)

'गुज़ारिश' में ऋतिक रोशन ने ईथन मैस्करेनहास का किरदार निभाया था, जो हादसे के बाद रेडियो जॉकी बन जाता है। उनका लेट-नाइट शो भावनाओं और शायरी से भरा होता है। यह किरदार दिखाता है कि रेडियो आवाज़ के ज़रिये दिलों से कैसे जुड़ता है।

विद्या बालन – तुम्हारी सुलु (2017)

'तुम्हारी सुलु' में विद्या बालन एक साधारण गृहिणी सुलु के रूप में नज़र आती हैं, जो लेट-नाइट रेडियो जॉकी बन जाती है। उनका किरदार रेडियो की सादगी और अपनापन दिखाता है, जहाँ श्रोता खुलकर अपनी बातें साझा करते हैं।

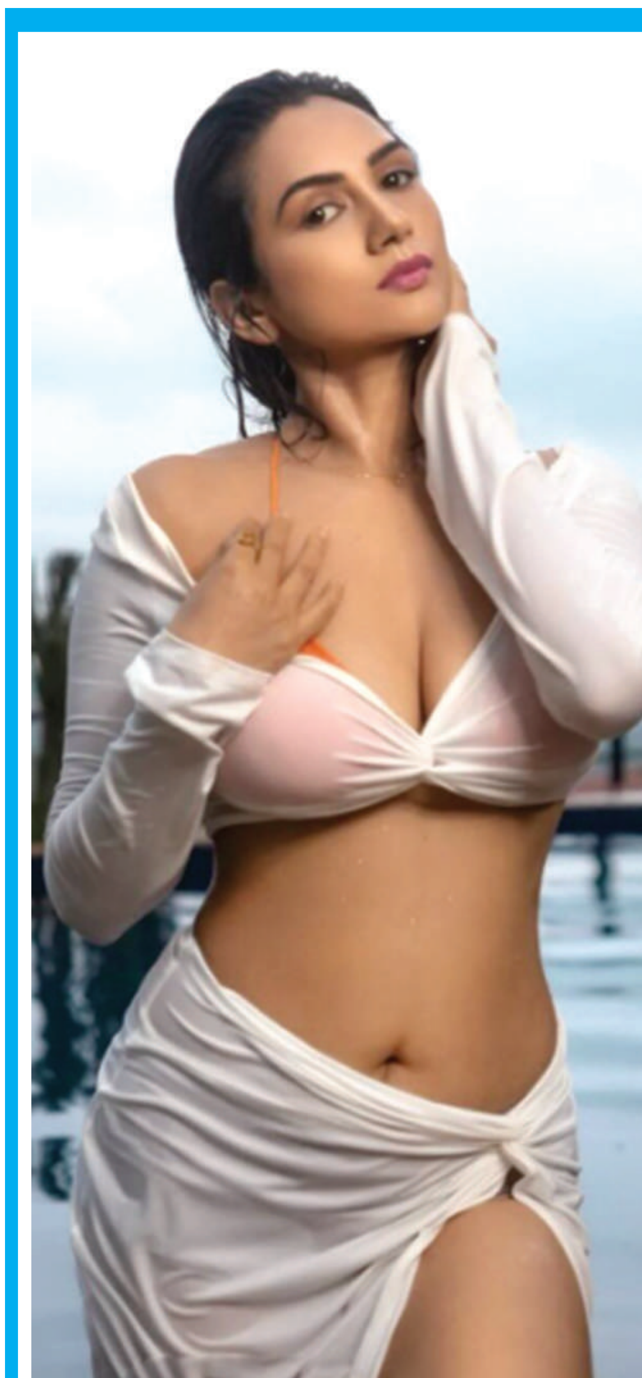

मैंने मेहनत, पैशन और प्यार के साथ निभाया वेब सीरीज दिल धोखा और डिजायर में अपना किरदार : आकांक्षा चमोला

एक्ट्रेस और बिग बॉस 19 के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ओटीटी डेब्यू कर चुकी हैं। स्ट्रिमिंग प्लेटफॉर्म शेमारू मी की वेब सीरीज 'दिल धोखा और डिजायर' में वह खास अंदाज में नजर आईं, जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। आकांक्षा ने बताया कि वह सही समय का इंतजार कर रही थीं। 'दिल धोखा और डिजायर' से डिजिटल डेब्यू कर रहीं आकांक्षा ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जताया है और कहा है कि वह अपने काम के चुनाव को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। आकांक्षा ने बताया, अपनी जर्नी के इस मोड़ पर ओटीटी स्पेस में कदम रखना बहुत खास लग रहा है। मैंने इस वेब सीरीज में बहुत मेहनत, पैशन और प्यार डाला है। उम्मीद है कि दर्शक मालिनी और उनकी जर्नी को उतनी ही प्यार से अपनाएंगे। सीरीज में आकांक्षा मालिनी का किरदार निभा रही हैं, जो कहानी का केंद्र है। मालिनी मजबूत होने के साथ कमजोर भी है, हिम्मत वाली है लेकिन उलझनों में भी फंसी है। आकांक्षा कहती हैं, यह रोल मुझे इमोशनली चैलेंज करता है। मालिनी रियल और कई कमियों वाली है।उन्होंने आगे कहा, मैं सही स्क्रिप्ट और सही रोल का इंतजार कर रही थी और अब लगता है कि इंतजार सही था। मैं अपने काम को लेकर बहुत जागरूक हूं। इस कैरेक्टर ने मुझे क्रिएटिवली उत्साहित किया क्योंकि इसमें अलग-अलग शेड्स हैं। मेरा किरदार प्यार करने वाली, गुस्सैल, कमजोर, कभी-कभी मैनिपुलेटिव भी है। मालिनी आपको पसंद आएगी।

'दिल धोखा और डिजायर' एक दिलचस्प कहानी है, जहां प्यार जुनून में बदल जाता है और महत्वाकांक्षाओं की सभी सीमाओं को तोड़ देती है। यह प्यार, धोखा, आकर्षण, नियंत्रण और बदले के जटिल रिश्तों पर आधारित है। मालिनी का सफर कहानी में इमोशनल गहराई और नयापन जोड़ता है।सीरीज में आकांक्षा के साथ कुंवर अमर और अली हसन मुख्य भूमिकाओं में हैं। आकांक्षा ने हाल ही में छोटे पर्दे पर टीवी शो 'कैसे मुझे तुम मिल गए' से वापसी की है।

मेरे रोमियो... शाहिद कपूर की ओ रोमियो रिलीज के दिन मीरा राजपूत ने लुटाया प्यार

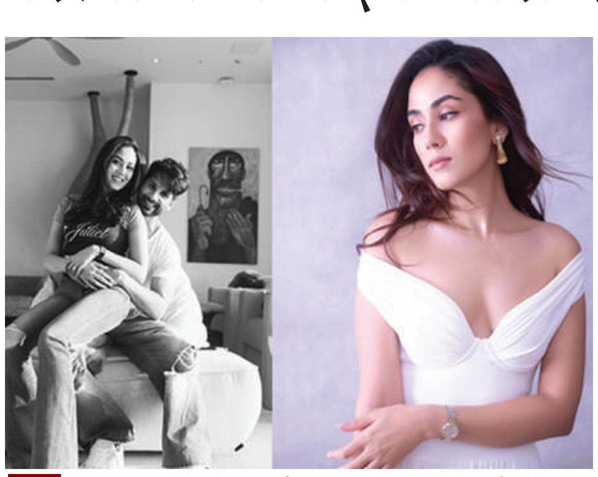

शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की रोमांटिक-एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओ रोमियो' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की कहानी को लेकर पहले विवाद था और मामला कोर्ट तक पहुंच चुका था, लेकिन कहानी को हुसैन उस्तरा से प्रेरित न बताकर कोर्ट ने फिल्म की रिलीज को मंजूरी दी। अब रिलीज के दिन शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर ने अपने असली रोमियो पर प्यार लुटाया है। वैलेंटाइन वीक पर रिलीज हो रही फिल्म में लीड रोल शाहिद कपूर निभा रहे हैं, और रिलीज के दिन मीरा कपूर ने अपने पति के लिए शानदार नोट लिखा है और फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। अपनी और शाहिद की रोमांटिक फोटोज पोस्ट कर मीरा ने लिखा, मेरे रोमियो, जब वो पूछे, मैं हूं कि हूं नहीं?, तो याद रखना, तुम हो और वही हो जो अथक है, अविश्वसनीय प्रतिभा का धनी है, जिसकी आंखें हजारों शब्द बयां करती हैं, और जिसका दिल हमेशा सब कुछ ठीक करने की कोशिश करता है क्योंकि जो तुम्हें थामे हुए है, वही प्रकाश है। अब चमकने का समय है। तुम्हें शानदार कहना भी कम होगा। मुझे तुम पर बहुत गर्व है। पोस्ट से साफ है कि मीरा को शाहिद और फिल्म दोनों से बहुत सारी उम्मीदें हैं क्योंकि साल 2019 में अभिनेता ने फिल्म 'कबीर सिंह' से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था, लेकिन बाद की सभी फिल्में औसत रही थीं। अब 'ओ रोमियो' सिनेमाघरों में अनुभव करने के लिए तैयार है। फिल्म की पहले दिन की एडवांस बुकिंग शानदार हुई है और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म 11 फरवरी तक 1.42 करोड़ का कारोबार कर चुकी है।

इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट की मानें तो भारत में होने वाले 3,449 शो में करीब 16,226 टिकट 11 जनवरी तक बिक चुके हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग लगातार हो रही है। सबसे ज्यादा टिकट्स दिल्ली-एनसीआर में बिक रही हैं। माना जा रहा है कि फिल्म पहले दिन बड़ी ओपनिंग कर सकती है। बात अगर फिल्म की करें तो फिल्म एक रोमांटिक और एक्शन से भरपूर कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें शाहिद कपूर बेहद खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म दर्शकों को 'कबीर सिंह' वाली वाइब दे सकती है।

मां बनने वाली हैं नागिन फेम सुरभि ज्योति सोशल मीडिया पर शेयर की गुड न्यूज

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री सुरभि ज्योति ने कई धारावाहिकों में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री ने बुधवार को जानकारी दी कि वे जल्द ही मां बनने वाली हैं। सुरभि ज्योति ने इंस्टाग्राम पर एक खास तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में सुरभि और उनके पति सुमित सूरी के पैर दिख रहे हैं, लेकिन बीच में एक छोटा-सा बच्चे का जूता रखा हुआ है, जो इस बात का इशारा है कि अभिनेत्री के घर जल्द ही नन्हा सा मेहमान आने वाला है। अभिनेत्री ने बताया कि उनके घर पर नन्हा मेहमान जून में आने वाला है। सुरभि ने लिखा, ऊं। हमारी जिंदगी का सबसे खूबसूरत सफर अब शुरू होने जा रहा है। हमारा नन्हा प्यार इस जून में आने वाला है।

पोस्ट शेयर करने के बाद सुरभि के इंडस्ट्री के दोस्तों और कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेत्री कृष्णा मुखर्जी, श्वेता तिवारी और अरिजीत तनेजा ने लिखा, बधाई हो, तो अभिनेता नकुल मेहता ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।अभिनेत्री मौनी रॉय ने लिखा, दिल से बधाई।

शालिनी पांडे ने बैंडवाले में मरियम बन शायरी को बनाया खामोश बगावत का सुर

महाराज के लिए अवॉर्ड्स में मिली ब्रेकथ्रू परफॉर्मेंस जीत के बाद शालिनी पांडे अपनी कलात्मक यात्रा को और निखारती दिख रही हैं। वे अब ऐसे किरदार चुन रही हैं जिनमें चीखने की नहीं, महसूस करने की ताकत चाहिए। हर नया प्रोजेक्ट जैसे किसी राग में जुड़ता एक ताज़ा सुर लगता है और बैंडवाले में उन्हें अब तक का सबसे सुरीला मोड़ मिला है। डब्बा कार्टेल की खामोश जुझारू छवि से लेकर राहु केतु की अनपेक्षित हास्य सहजता तक, उनकी पसंद साफ बताती है कि वे गहराई और विस्तार की तलाश में हैं। बैंडवाले वह मुकाम बनता है जहां यह तलाश अपना ठिकाना पा लेती है। निर्देशक अक्षत वर्मा और सह-निर्माता स्वानंद किरकिरे व अंकुर तिवारी की यह आठ कड़ियों वाली शृंखला मरियम की कहानी कहती है, जो भारतीय समाज की बेटियों के लिए तय सबसे सुरक्षित जाल से निकलना चाहती है कम उम्र में सम्मानजनक शादी। रतलाम की शांत बंदिशों के बीच बसी यह कहानी एक सच्चाई समझती है छोटे शहरों में सपने धमाके से नहीं फूटते, वे धीरे-धीरे रिसते हैं। मरियम के रूप में शालिनी पूरे संयम के साथ कहानी का भार संभालती हैं। वह कोई आग उगलती बागी नहीं, बल्कि वह आज्ञाकारी बेटी है जिसे महत्वाकांक्षा के लिए माफी मांगना सिखाया गया है। कविता उसका निजी विद्रोह बनती है और गुमनामी उसकी ढाल। उसकी चाहत शोर नहीं मचाती, पर लगातार धड़कती रहती है और यही निरंतरता किरदार को सच्चाई की चुभन देती है।

अधिकतम स्क्रीन टाइम और भावनाओं की परतों से भरे किरदार में शालिनी ऐसा अभिनय देती हैं जो ध्यान मांगता नहीं, खुद-ब-खुद खींच लेता है। घर की सुरक्षा में कतर दिए गए पंखों वाली स्त्री के रूप में वे पूरी तरह विश्वसनीय लगती हैं। आजादी का स्वाद चखने की उसकी तड़प उसे बैंडवाले की सबसे जमीनी और मानवीय उपस्थिति बना देती है। बिना भारी-भरकम संवादों और बिना नाटकीय इशारों के, वे मुख्यधारा के ढर्रे छोड़कर आत्मीय भावनात्मक गहराई को अपनाती हैं और शो की भावनात्मक धुरी बनकर उभरती हैं।

उत्तराषाढ़ा और श्रवण नक्षत्र के दुर्लभ संयोग में मनाई जाएगी महाशिवरात्रि

रात में शिव पूजा करने का महापर्व है महाशिवरात्रि

रविवार, 15 फरवरी को शिव पूजा का महापर्व महाशिवरात्रि है। इस पर्व पर भगवान शिव की पूजा खासतौर पर रात में करने की परंपरा है। महाशिवरात्रि को महारात्रि भी कहा जाता है, क्योंकि इस तिथि पर रात में की जाने वाली पूजा अक्षय पुण्य देने वाली मानी जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शिवपुराण में लिखा है कि पुराने समय में फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की रात भगवान शिव शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे। उस समय ब्रह्मा और विष्णु के बीच विवाद चल रहा था। दोनों देवताओं खुद को श्रेष्ठ बता रहे थे। इस विवाद को शांत कराने के लिए भगवान शिव शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए और इन दोनों देवताओं को अपनी महिमा बताई थी। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाने वाली शिवरात्रि इस बार दो शुभ योगों में 15 फरवरी को सर्वार्थ सिद्धि योग में त्रियोदशी युक्त चतुर्दशी में मनाई जाएगी। महाशिवरात्रि के दिन शिवजी के भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ व्रत रखते हैं और विधि-विधान से शिव-गौरी की पूजा करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ पृथ्वी पर मौजूद सभी शिवलिंग में विराजमान होते हैं, इसलिए महाशिवरात्रि के दिन की गई शिव की उपासना से कई गुना अधिक फल प्राप्त होता है।

14 फरवरी को शाम 4.02 बजे त्रियोदशी शुरू होगी। 15 फरवरी को शाम 5.05 बजे तक त्रियोदशी है। 15 फरवरी को शाम 5.06 बजे चतुर्दशी शुरू होगी, जो 16 फरवरी को शाम 5.35 बजे तक है। इस कारण इस बार 15 फरवरी को त्रियोदशी युक्त चतुर्दशी में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन सुबह 7.08 से शाम 7.48 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। इस दिन विधि विधान के साथ शिव लिंग की पूजा करनी चाहिए। शुभ संयोग और शुभ मुहूर्त में भगवान शिव की आराधना करने से उनके भक्तों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होगी।

सर्वार्थ सिद्धि योग ज्योतिष में एक अत्यंत शुभ योग माना जाता है। जिसका अर्थ है सभी इच्छाओं की पूर्ति करने वाला। यह विशेष वार (दिन) और निश्चित नक्षत्रों के संयोग से बनता है, ऐसी मान्यता है कि कार्य (जैसे व्यापार, वाहन खरीदना, खरीदारी) निश्चित रूप से सफल होता है। यह योग बाधाओं को दूर करता है और मनोवांछित फल देता है।

मार्कण्डेय पुराण में शिवरात्रि को महारात्रि कहा गया

मार्कण्डेय पुराण के श्री दुर्गा सप्तशती में तीन प्रकार की दारुण रात्रियों का उल्लेख है। इन तीन रात्रियों को कालरात्रि, महारात्रि और मोहरात्रि कहा गया है। होली का पर्व कालरात्रि के रूप में मनाया जाता है। जबकि दीपावली और शरद पूर्णिमा को मोहरात्रि का पर्व माना गया है। हालांकि कुछ विद्वान दीपावली को कालरात्रि का पर्व भी मानते हैं। शिवरात्रि को विशेष रूप से महारात्रि का कहा गया है, क्योंकि यह रात्रि साधना और भक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। हिन्दू धर्म में अधिकतर त्योहार सूर्योदय के बाद मनाने की परंपरा है, लेकिन कुछ पर्व हैं, जिन्हें रात में मनाना चाहिए। इनमें होली, दीपावली, शरद पूर्णिमा, जन्माष्टमी, शिवरात्रि और नवरात्रि प्रमुख हैं। इन पर्वों में रात्रि का महत्व है, क्योंकि यह समय साधना, ध्यान और ईश्वर से जुड़ने के लिए श्रेष्ठ माना जाता है।

महाशिवरात्रि तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार इस साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि रविवार 15 फरवरी को शाम 05:04 मिनट से शुरू होगी। यह चतुर्दशी तिथि 16 फरवरी को शाम 5:34 मिनट तक रहेगी। ऐसे में महाशिवरात्रि रविवार 15 फरवरी को मनाई जाएगी। महाशिवरात्रि के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। उत्तराषाढा और श्रवण नक्षत्र का शुभ संयोग बना रहेगा। व्यतीपात योग बनेगा, जो पूरे दिन रहने वाला है। कुंभ राशि में सूर्य, बुध, राहु और शुक्र का संयोग चतुर्ग्रही योग का निर्माण करेंगे।

चार प्रहर की पूजा

महाशिवरात्रि के पर्व काल में धर्म शास्त्रीय मान्यता के अनुसार चार प्रहर की साधना का विशेष महत्व है। प्रत्येक प्रहर में भगवान शिव की उपासना के अलग-अलग प्रकार का वर्णन मिलता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यथा श्रद्धा, यथा प्रहर, यथा स्थिति और यथा उपचार के अनुसार साधना करनी चाहिए। चार प्रहर की साधना से धन, यश, प्रतिष्ठा और समृद्धि प्राप्त होती है। जिनके जीवन में संतान संबंधी बाधा हो रही हो, उन्हें भी यह साधना अवश्य करनी चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

चार प्रहर की पूजा का समय

प्रथम प्रहर पूजा का समय: सायं 06:15 बजे से रात्रि 09:28 बजे तक

द्वितीय प्रहर पूजा का समय: रात्रि 09:29 बजे से मध्यरात्रि 12:41 बजे तक

तृतीय प्रहर पूजा का समय: मध्यरात्रि 12:42 बजे से 16 फरवरी प्रात:03:54 बजे तक

चतुर्थ प्रहर पूजा का समय: 16 फरवरी , प्रात: 03:55 बजे से प्रात: 07:07 बजे तक

पूजा में करें महामृत्युंजय मंत्र का जप

महाशिवरात्रि पर शिव पूजा करते समय में अपनी मनोकामना के अनुसार मंत्र जप करना चाहिए। इस मंत्र के जप से अनजाना भय और चिंता दूर होती है। महामृत्युंजय मंत्र की वजह से शिव जी की विशेष कृपा मिलती है, जिससे जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

महामृत्युंजय मंत्र- ऊँ त्र्यम्बकं यजामहे
सुगन्धिंपुष्टिवर्धनम् उर्वारुकमिव बन्धनान्
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

इन चीजों से करें भगवान शिव का अभिषेक

महाशिवरात्रि पर्व के दिन भगवान शिव की उपासना के समय शिवलिंग पर शहद से अभिषेक करना शुभ होता है। ऐसा करने से श्रद्धालु के कार्य जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो जाती है और भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। शिवरात्रि के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक दही से करने से भी आर्थिक क्षेत्र में आ रही सभी परेशानियां दूर हो जाती है। वहीं गन्ने के रस से भगवान शिव का अभिषेक करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। भगवान शिव का अभिषेक करते समय 108 बार 'ॐ पार्वतीपतये नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में अकाल संकट नहीं आता है।

पूजन विधि

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को पंचामृत से स्नान करा कराएं। केसर के 8 लोटे जल चढ़ाएं। पूरी रात्रि का दीपक जलाएं। चंदन का तिलक लगाएं. बेलपत्र, भांग, धतूरा, गन्ने का रस, तुलसी, जायफल, कमल गट्टे, फल, मिष्ठान, मीठा पान, इत्र व दक्षिणा चढ़ाएं। सबसे बाद में केसर युक्त खीर का भोग लगा कर प्रसाद बांटें।

पौराणिक कथा

शिवपुराण के मुताबिक एक बार ब्रह्मा-विष्णु के बीच विवाद हो गया। झगड़े की वजह ये थी कि दोनों ही देवता खुद को श्रेष्ठ बता रहे थे। जब दोनों देवता दिव्यास्त्रों से युद्ध शुरू करने वाले थे, ठीक उसी समय भगवान शिव लिंग रूप में इनके सामने प्रकट हो गए। शिव जी ने कहा कि आप दोनों में से जो भी इस लिंग का छोर (अंत) खोज लेगा, वही श्रेष्ठ माना जाएगा। ये बात सुनकर एक छोर की ओर ब्रह्मा जी और दूसरे छोर की ओर विष्णु जी चल दिए। बहुत समय तक ब्रह्मा-विष्णु अपने-अपने छोर की ओर आगे बढ़ते रहे, लेकिन उन्हें लिंग का अंत नहीं मिला। उस समय ब्रह्मा जी खुद को श्रेष्ठ घोषित करने के लिए एक योजना बनाई। ब्रह्मा ने एक केतकी का पौधा लिया और उससे झूठ बोलने के लिए कहा कि वह शिव-विष्णु के सामने बोले कि ब्रह्मा जी ने लिंग का अंत खोज लिया है। ब्रह्मा केतकी के पौधे को लेकर शिव जी के पास पहुंचे, विष्णु जी भी वहां आ गए और उन्होंने कहा कि मैं इस लिंग का अंत नहीं खोज सका। ब्रह्मा ने कहा कि मैंने इस लिंग का अंत खोज लिया है, ये बात आप केतकी के पौधे से भी पूछ सकते हैं। केतकी ने भी भगवान के सामने झूठ बोल दिया। ब्रह्मा जी का झूठ सुनते ही शिव जी क्रोधित हो गए। उन्होंने कहा कि आपने झूठ कहा है, इसलिए आज से आपकी कहीं भी पूजा नहीं होगी और केतकी ने आपके झूठ में साथ दिया, इसलिए इसके फूल मेरी पूजा में वर्जित रहेंगे। इसके बाद विष्णु जी सर्वश्रेष्ठ घोषित हो गए। ये घटना फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की ही मानी जाती है, इसलिए इस तिथि पर महाशिवरात्रि पर्व मनाने की परंपरा है।

पुरी के श्री लोकनाथ मंदिर में भक्तों की लंबी कतार, साल में एक बार होते हैं अद्भुत दर्शन

उड़ीसा के पुरी में भगवान शिव के प्राचीन श्री लोकनाथ मंदिर में विजया एकादशी के मौके पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। भक्त भगवान शिव के सबसे पवित्र रूपों में से एक के दर्शन के लिए ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिर के प्रांगण में लंबी लाइनों में लगे हैं। भक्त मंदिर परिसर में बने पवित्र कुंड में स्नान कर रहे हैं। श्री लोकनाथ मंदिर, जगन्नाथ मंदिर के पास बना, सबसे प्राचीन मंदिरों में शामिल है, जहां हर साल की तरह इस साल भी महाशिवरात्रि से दो दिन पहले पंकोद्धारा अनुष्ठान की परंपरा निभाई जा रही है। भक्तों के बीच पंकोद्धारा नीति का बहुत महत्व है क्योंकि माना जाता है कि आज के दिन भक्तों को बाबा के सबसे पवित्र रूप के दर्शन करने का मौका मिलता है।

मंदिर के पुजारी शशांक शेखर महापात्रा ने आईएएनएस से कहा, न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में, सभी शिव मंदिरों में से, यह एकमात्र मंदिर है जहां यह पर्व मनाया जाता है। पंकोद्धारा एकादशी का मतलब है, 'भगवान शिव के पहले दर्शन।' बाकी दिनों बाबा की चरित्र प्रतिमा के दर्शन करने का मौका मिलेगा, लेकिन आज के दिन बाबा के पूर्ण रूप के दर्शन किए जाते हैं।

माना जाता है कि आज एकादशी के दिन बाबा के दर्शन करने से 1 लाख शिवलिंग के दर्शन करने का पुण्य मिलता है और दर्शन सिर्फ शरीर नहीं, आत्मा तक को छू लेते हैं। इसे आत्मशुद्धि का दर्शन भी कहा जाता है। मंदिर की व्यवस्था पर बात करते हुए पुजारी ने बताया कि श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दो लाइनों की व्यवस्था की गई है और पुलिस प्रशासन और मंदिर प्रशासन मिलकर भक्तों को सुलभ दर्शन कराने का प्रयास कर जा रहे हैं। पंकोद्धारा अनुष्ठान से दिन शिवलिंग पर जमे पानी को साफ करने का काम करते हैं और आस-पास जमा फूल और गंदगी को भी हटाते हैं।

बता दें कि श्री लोकनाथ मंदिर उड़ीसा का सबसे प्राचीन मंदिर है, जहां शिवलिंग हमेशा पानी में डूबा रहता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, लोकनाथ शिवलिंग को भगवान राम का रूप माना जाता है और शिवलिंग की स्थापना भी भगवान राम ने की थी। मंदिर में मौजूद तालाब भी आस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि तालाब में स्नान करने से शारीरिक और मानसिक रोगों से मुक्ति मिलती है। महाशिवरात्रि के दिन भी पवित्र कुंड में स्नान करने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं।

महाशिवरात्रि पर बेलपत्र और बेल वृक्ष के उपाय
शिव भक्त पा सकते हैं शिव कृपा से भोग और मोक्ष

महाशिवरात्रि के त्योहार का हिंदू धर्म में खास महत्व है जो इस बार 15 फरवरी, रविवार के दिन मनाई जाएगी। इस दिन भक्त विधि-विधान से शिवजी की पूजा व व्रत करते हैं। पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से भोलेनाथ की पूजा करने के साथ-साथ कुछ उपाय कर लिए जाएं तो इससे शिवजी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। साथ ही, जातक को मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। भगवान शिव को बेलपत्र बेहद प्रिय हैं। ऐसे में महाशिवरात्रि के दिन बेलपत्र और बेल वृक्ष के उपाय करने से जीवन में सुखों की प्राप्ति हो सकती है।

शिवपुराण में बेलपत्र का महत्व

भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए भक्त शिवजी को अनेक प्रकार के पुष्प, फल आदि अर्पित करते हैं। वहीं, मान्यता है कि तीनों लोक में जितने भी पुण्य तीर्थ हैं वे सभी बेलपत्र के मूल भाग में स्थित हैं। शिवपुराण में बेलपत्र का खास महत्व बताया गया है। माना जाता है कि बेलपत्र से के साथ शिवजी की पूजा करने से शिव जी का विशेष आशीर्वाद भक्तों पर बना रहता है। साथ ही, जातक को मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

भगवान शिव की कृपा पाने का उपाय

महाशिवरात्रि के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के पश्चात शिवजी का अभिषेक करना चाहिए। फिर, विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करें और साथ ही उन्हें 108 बेलपत्र अर्पित करें। बेलपत्र अर्पित करने के साथ-साथ 108 बार 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का जाप भी अवश्य करें। ऐसा करने से जातक को शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

इस उपाय से शिवलोक होता है प्राप्त

महाशिवरात्रि के दिन बेलपत्र की जड़ के पास एक दीपक अवश्य जलाना चाहिए। ऐसा करने से साधक को हर प्रकार के सुख की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, इस दिन बेलपत्र की जड़ को पास रखकर शिवभक्तों को भोजन कराने से अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि ऐसा करने से करोड़ों पुण्य के बराबर पुण्य फल प्राप्त हो सकता है। साथ ही, पुष्प, गंध और बेलपत्र के साथ शिवजी की आराधना करने से शिवलोक की प्राप्ति हो सकती है।

घर में सुख-समृद्धि का उपाय

मान्यता है कि घर में बेलपत्र का पौधा लगाना बेहद शुभ होता है। ऐसे में महाशिवरात्रि के दिन आप बेलपत्र का पौधा लाकर अपने घर पर लगा सकते हैं। माना जाता है कि बेलपत्र की शाखाओं में लक्ष्मीजी, पत्तों में मां पार्वती, तने में भोलेनाथ, जड़ों में गिरिजा माता, फल में मां कात्यायनी और फूल में मां गौरी का वास होता है। ऐसे में बेलपत्र का पौधा घर में लगाने से वहां सकारात्मकता, सुख, शांति और आर्थिक समृद्धि बनी रहती है।

महाशिवरात्रि पर राशि अनुसार करें उपाय

महाशिवरात्रि 15 फरवरी 2026 को मनाई जाएगी। माना जाता है कि इस तिथि पर भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए इस दिन को शिव और शक्ति के मिलन के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में शिवरात्रि के दिन महादेव और माता गौरी की पूजा से साधक को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में शिवरात्रि की पूजा में शिवलिंग पर ये चीजें जरूर अर्पित करनी चाहिए। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि 15 फरवरी 2026 को मनाई जाएगी। महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग का गंगाजल से अभिषेक करना बहुत-ही शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ ही सभी दुखों का भी नाश होता है। ऐसा माना गया है कि शिवरात्रि के दिन शिवलिंग का शहद से अभिषेक करने या इसे चढ़ाने से व्यक्ति को धन लाभ हो सकता है। वहीं, यह भी माना जाता है कि शिवरात्रि के विशेष अवसर पर शिवलिंग पर घी अर्पित करने से वंश में वृद्धि हो सकती है।

महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाना बहुत-ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति को ग्रह दोष से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाने से व्यक्ति के रूके हुआ काम भी बनने लगते हैं। बेलपत्र को शिव जी की पूजा में जरूरी माना गया है। ऐसे में यदि आप महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाते हैं, तो इससे व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती है। वहीं, शिव जी को शमी के पत्ते, बेला के फूल, हरसिंगार के फूल चढ़ाने से भी मनोकामनाओं की पूर्ति हो सकती है।

महाशिवरात्रि पर राशि अनुसार करें उपाय

मेष राशि–मेष राशि के जातकों को महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा विधि-विधान से करनी चाहिए। इसके अलावा मेष राशि वालों के लिए भगवान शिव को गंगाजल और गाय का दूध चढ़ाना उनके करियर में फलदायी रहेगा। आपको भगवान शिव को जल्दी प्रसन्न करने के लिए शहद, चीनी और मीठे चावल की खीर जैसे मीठे प्रसाद का भोग लगाना चाहिए।

वृषभ राशि–शुक्र देव द्वारा शासित वृषभ राशि के जातकों को जीवन में संघर्ष दूर करने के लिए महाशिवरात्रि दही और दूध से भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। दही और घी से अभिषेक और पूजा करने से धन संबंधी परेशानियां दूर होती हैं और भगवान शिव को प्रसन्न करने में मदद मिलती है।

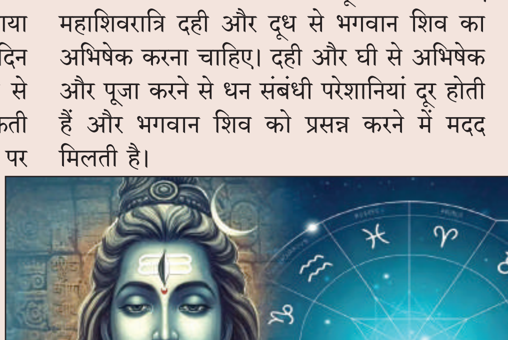

मिथुन राशि–मिथुन राशि के स्वामी बुध देव हैं और इस राशि के जातक को महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को बेल पत्र और लाल रंग के फूल चढ़ाने चाहिए। यह आपके जीवन में चमत्कार करने में मदद करता है। मिथुन राशि के जातकों को शहद से अभिषेक करना चाहिए और शीघ्र फल के लिए गाय को हरी घास खिलाएं।

कर्क राशि–महाशिवरात्रि के दिन कर्क राशि के जातकों को भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए दूध अर्पित करना चाहिए। चूंकि कर्क राशि का स्वामी ग्रह चंद्रमा है और चंद्रमा भगवान शिव के प्रिय हैं इसीलिए उनका आशीर्वाद पाने के लिए सफेद रंग की वस्तुएं अर्पित करें।

सिंह राशि –सिंह राशि का स्वामी ग्रह सूर्य है। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए आपको उन्हें शहद और गुड़ का भोग लगाना चाहिए।

कन्या राशि–कन्या राशि का स्वामी ग्रह बुध है और जीवन में सभी बाधाओं से छुटकारा पाने के लिए भगवान शिव को बेल पत्र और शहद से अभिषेक करना चाहिए।

तुला राशि–तुला राशि वालों को आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को दूध, दही, शहद, देसी घी से अभिषेक करना चाहिए और गन्ने का रस चढ़ाना चाहिए।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि का स्वामी ग्रह मंगल है। इस महाशिवरात्रि पर शिव पूजा में भाग लेकर भगवान शिव से विशेष आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में सफलता पाने के लिए वृश्चिक राशि वालों को महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को लाल फूल चढ़ाने चाहिए, उन्हें भरपूर आशीर्वाद मिलेगा।

धनु राशि–धनु राशि के स्वामी ग्रह गुरु हैं। उन्हें मुख्य रूप से भगवान शिव को चंदन पाउडर और पीले रंग के कपड़े और पीले फूलों के साथ देसी घी से अभिषेक करना चाहिए।

मकर राशि –मकर राशि के स्वामी शनिदेव हैं। मकर राशि के जातकों को महाशिवरात्रि पर पूजा करने से शनिदेव और महादेव दोनों की विशेष कृपा प्राप्त होती है। मकर राशि के जातकों को डर पर काबू पाने और शक्ति प्राप्त करने के लिए महाशिवरात्रि के दिन बेलपत्र, गंगाजल, गाय के दूध आदि का उपयोग करना चाहिए।

कुंभ राशि–शनि देव कुंभ राशि के स्वामी भी हैं। इस राशि के लोगों को भी भगवान शिव और शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कुंभ राशि के जातकों को महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए और व्रत भी रखना चाहिए। भगवान शिव को शहद का भोग लगाएं, और बेर का फल चढ़ाएं। इस उपाय को करने से धन के साथ-साथ आय में भी वृद्धि होगी।

मीन राशि–मीन राशि के जातकों के लिए, जिनके स्वामी बृहस्पति (गुरु) हैं। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी पूजा करने से बादाम, बेल पत्र और पीले फूल का अभिषेक करना है। विशेष रूप से महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों को लंबी आयु, ऐश्वर्य, समृद्धि और धन का आशीर्वाद मिलता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

सहमे माहौल के आर्थिक सौदे

आर्थिक संकट के दबावों के बाहर जो तस्वीर बन रही है, वहां न रेवड़ियां मीठी रहेंगी और न ही बांटने की तासीर बचेगी, फिर भी कुछ सियासी सौदे हैं जो महंगे आश्वासन देते रहेंगे। सहमे से माहौल में हिमाचल का अर्थतंत्र भले ही कयामत का उद्घोष करे, मगर तबाही में भी कर्मचारी इंसाफ की दुहाई मिलेगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अपने साथ भले ही घाटे के बही खाते उठाए दिल्ली जाते हैं, मगर कर्मचारी वर्ग को न्याय की परिपाटी से अलग नहीं करते। आश्वासन यह कि भले ही यूपीएस के फार्मूले में वित्तीय व्यवस्था सुधर जाए, लेकिन कांग्रेस सरकार की वचनबद्धता ओपीएस पर कुर्बान रहेगी। सैलरी और पेंशन के दबाव सरकार झेल लेगी। इस समय हिमाचल अपने आंकड़ों की दुरुस्ती में कांग्रेस सरकार को यह अवसर दे रहा है कि खर्च की बुनियाद पर विपक्ष को सुरक्षित मुद्रा में खड़ा कर दे या तुलनात्मक अध्ययन यह हो जाए कि किसके पांव और किसके साये लंबे होते रहे हैं। जाहिर है फिजूलखर्ची के कई जहाज हिमाचल में उड़ते रहे और उड़ रहे हैं। एक तुलना आरडीजी के माध्यम से भी हो रही है जहां पिछली भाजपा सरकार को पांच साल की अवधि में कुल 54296 करोड़ की सहायता मिली जो वर्तमान में सिमट कर 17563 करोड़ ही रह जाएगी। यह एक बड़ा आर्थिक आघात और नाइंसाफी का सबब है। बावजूद इसके सुक्खू सरकार ने आर्थिक विकल्पों की साधना में पिछले तीन सालों में 26683 करोड़ अतिरिक्त बटोरे, तो यह राह आसान तो नहीं थी। यह दीगर है कि विपक्ष, सत्ता की फिजूलखर्चियों में कई सियासी हस्तियों को मिले उपहार के पद और उनके दायित्व कार्यान्वयन में लाखों की सैलरी व भत्तों का विवरण दे रहा है। यह फैसला चाबुक और चुंबक के बीच है जहां आर्थिक संकट के पांव की बेड़ियां चाबुक को लाठी बना कर चलना चाहती हैं, लेकिन सत्ता का नशा अपने चुंबक की फांस में दायरा बढ़ाना चाहता है। जाहिर है कुछ अध्याय समेटने होंगे और कुछ विषय अपने अधिकारों से हासिल करने होंगे। केंद्र अगर हिमाचल को विशेष रियायत या राज्य को विशेष दर्जा नहीं दे सकता, तो उसके हिस्से के लंबित पैमाने भरने होंगे। बेशक राज्य सरकार फोरेस्ट कवर को तीस प्रतिशत बढ़ा कर फायदे की आक्सीजन बटोरना चाहती है, लेकिन यहां वन संरक्षण अधिनियम की क्षतिपूर्ति का भी सवाल है। शीत मरुस्थल लाहौल-स्पीति की बर्फीली जमीन को वन संपत्ति मानने से हमारा आर्थिक नुकसान समझना होगा। इस मिट्टी को बर्फ संरक्षण का पहाड़ बनाकर योजनाएं मिलें, तो यह राज्य बर्फ के पार्क बनाकर देश को पानी, पर्यावरण व जलवायु संतुलन का आधार सौंप सकता है। दूसरी ओर तीस प्रतिशत वन कवर के बाहर रखकर हमें वन और गैर वन भूमि को एक समान 50 : 50 फीसदी की दर पर रखना होगा। यानी मौजूदा 68 प्रतिशत वन भूमि से अगर तीस प्रतिशत वापस आ जाती है, तो हिमाचल का कारवां अपनी आर्थिक बढ़ोतरी कर सकता है। इसी तरह पानी को केंद्र उत्पाद मान ले, तो हमारी आत्मनिर्भरता का घड़ा भर सकता है। तीसरे, अगर पंजाब पुनर्गठन के 7.19 प्रतिशत अधिकार मिल जाएं, तो न केवल बीबीएमबी के साढ़े पांच हजार करोड़, शानन विद्युत परियोजना, बल्कि सार्वजनिक उपक्रमों में न्यायोचित भागीदारी से हमारा खजाना लबालब हो सकता है। हम देश के राज्यों में उधार की व्यवस्था चलाने में अगर पांचवें स्थान पर हैं, तो संभल कर चलने का मतलब यह है कि घाटे के निगम-बोर्डों को अलविदा कहा जाए। अभी यह घाटा करीब छह हजार करोड़ का है, इसलिए वक्त आ गया है कि हम कुछ सार्वजनिक उपक्रमों को अलविदा कहें, अलाभकारी या अनावश्यक सरकारी होटलों, बस डिपो या व्यापारिक संस्थानों को निजी क्षेत्र को सौंप दें। नवाचार तो यह भी कहता है कि कुछ बड़े अस्पतालों के कम से कम एक खंड को निजी अस्पतालों की शृंखला के हवाले कर दें। कामयाब शिक्षण संस्थानों के जरिए नाकामयाब इमारतों में निजी क्षेत्र से भागीदारी तय कर लें। अगर हमें वेतन भुगतान पर 13837 करोड़ का लोन या पेंशन अदा करने के लिए 10850 करोड़ का ऋण लेना पड़ेगा, तो हमारी कोशिशों के पंख गिरवी रहेंगे। ऐसे में हिमाचल को कड़े आर्थिक सुधारों की दिशा में आम सहमति बनानी होगी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि विपक्ष इस स्थिति में भी राजनीतिक बढ़त का बयान बन जाए।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अपने साथ भले ही घाटे के बही खाते उठाए दिल्ली जाते हैं, मगर कर्मचारी वर्ग को न्याय की परिपाटी से अलग नहीं करते। आश्वासन यह कि भले ही यूपीएस के फार्मूले में वित्तीय व्यवस्था सुधर जाए, लेकिन कांग्रेस सरकार की वचनबद्धता ओपीएस पर कुर्बान रहेगी। सैलरी और पेंशन के दबाव सरकार झेल लेगी। इस समय हिमाचल अपने आंकड़ों की दुरुस्ती में कांग्रेस सरकार को यह अवसर दे रहा है कि खर्च की बुनियाद पर विपक्ष को सुरक्षित मुद्रा में खड़ा कर दे या तुलनात्मक अध्ययन यह हो जाए कि किसके पांव और किसके साये लंबे होते रहे हैं। जाहिर है फिजूलखर्ची के कई जहाज हिमाचल में उड़ते रहे और उड़ रहे हैं। एक तुलना आरडीजी के माध्यम से भी हो रही है जहां पिछली भाजपा सरकार को पांच साल की अवधि में कुल 54296 करोड़ की सहायता मिली जो वर्तमान में सिमट कर 17563 करोड़ ही रह जाएगी। यह एक बड़ा आर्थिक आघात और नाइंसाफी का सबब है। बावजूद इसके सुक्खू सरकार ने आर्थिक विकल्पों की साधना में पिछले तीन सालों में 26683 करोड़ अतिरिक्त बटोरे, तो यह राह आसान तो नहीं थी। यह दीगर है कि विपक्ष, सत्ता की फिजूलखर्चियों में कई सियासी हस्तियों को मिले उपहार के पद और उनके दायित्व कार्यान्वयन में लाखों की सैलरी व भत्तों का विवरण दे रहा है।

लोकसभा के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को यह आग्रह किया कि वह कार्यक्रम के अनुसार सदन में बहस का उत्तर देने न आयें

संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हनन के प्रश्न

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान हंगामा तो पहले भी होता रहा है, पर इस बार जो कुछ हुआ, वह अभूतपूर्व ही था। पहली बात तो यह हुई कि सत्ता पक्ष ने नेता विपक्ष को उनकी बात नहीं कहने दी और दूसरी यह कि किसी 'अनहोनी' की आशंका से लोकसभा के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को यह आग्रह किया कि वह कार्यक्रम के अनुसार सदन में बहस का उत्तर देने न आयें। यह दोनों ही बातें हैरान करने वाली हैं, पर यह भी अपने आप में कम हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष की सलाह मानते हुए सदन में न आने का निर्णय कर लिया। यह घटना जहां एक ओर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के हनन के रूप में याद रखी जायेगी, वहीं इस बात पर भी प्रश्नचिन्ह लगाती है कि हमारी संसद में देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा खतरे में क्यों और कैसे पड़ गयी। प्रधानमंत्री को सदन में न आने देने की सलाह के बारे में बताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने जो कहा, वह निश्चित रूप से चिंता की बात है। उन्होंने 'पुख्ता जानकारी' का हवाला देते हुए कहा था कि उस दिन सदन में प्रधानमंत्री के साथ कुछ भी हो सकता था। इस 'कुछ भी' का ब्योरा उन्होंने यह शब्द लिखे जाने तक नहीं दिया है, पर यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि उनका इशारा प्रधानमंत्री की सुरक्षा की ओर था। यदि ऐसा कुछ है तो देश को यह जानने का अधिकार है कि हमारे प्रधानमंत्री को किससे और कैसा खतरा था। यही नहीं, यह बताना भी अध्यक्ष का कर्तव्य है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। यह सब यदि देश को नहीं बताया जा रहा है तो तरह-तरह की अफवाहें फैल सकती हैं, जो किसी भी दृष्टि से देश के हित में नहीं होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्दी ही देश की जनता को इस बारे में विश्वास में लिया जायेगा। संसद के भीतर प्रधानमंत्री पर इस तरह खतरे का होना जहां हमारी समूची सुरक्षा व्यवस्था को अंगूठा दिखा रहा है, वहीं सवाल संसद की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने वालों के मंतव्य पर भी उठता है। सवाल जनतांत्रिक मूल्यों में हमारी आस्था और विश्वास का है। अक्सर इस तरह की स्थिति विपक्ष के विरोध से उत्पन्न होती है, पर सदस्यों के अभिव्यक्ति के अधिकार को चुनौती इस बार सत्तारूढ़ पक्ष ने भी दी है। जिस तरह नेता विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने से रोकने की कोशिश हुई, उन्हें एक पुस्तक का उद्धरण देने से रोका गया, वह नियमों को आधार बनाकर एक सच्चाई को उजागर होने से रोकने की कोशिश ही कही जायेगी। देश के पूर्व सेनाध्यक्ष की जिस कथित रूप से अप्रकाशित पुस्तक को लेकर सारा विवाद हुआ, वह एक उपहास बनकर रह गया है। पहले भी उस पुस्तक के कुछ अंश पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं और अब तो वह सब कुछ सोशल मीडिया के माध्यम से देश के सामने आ गया है, जिसे सत्तारूढ़ पक्ष उजागर नहीं करना चाहता था! अब सारी दुनिया जान गयी है कि भारत सरकार ने जनरल नरवणे की जिस पुस्तक के अंश को छपने देने की अनुमति अब तक नहीं दी है उसका रिश्ता उस एक घटना से है जिसमें जनरल ने यह लिखा था कि शत्रु देश चीन के बढ़ते कदमों को रोकने के लिए उन्हें सर्वोच्च अधिकारी से आवश्यक अनुमति बार-बार प्रयास करने के बाद भी नहीं मिल पायी थी। सवाल इस घटना की सच्चाई या झूठ का नहीं है, सवाल यह है कि यदि उस दिन लोकसभा में नेता विपक्ष को इस घटना का हवाला देने दिया जाता तो क्या बिगड़ जाता? सारी जानकारी एक खुला रहस्य था, यह बात सदन में दोनों पक्षों को पता थी। प्रधानमंत्री की सुरक्षा वाली बात अपनी जगह है। उसकी तो जांच होनी ही चाहिए और जो भी दोषी है उसे उचित सज़ा भी मिलनी चाहिए। इस संदर्भ में किसी को भी किसी तरह की छूट दिया जाना प्रधानमंत्री की ही नहीं, देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करना होगा। इस समूचे प्रकरण का एक हिस्सा जनतांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों का है। जो शासन-व्यवस्था हमने अपने लिए चुनी है, उसमें संवाद का सर्वाधिक महत्व है। हमारा संविधान हर नागरिक के अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करता है। हर नागरिक का अधिकार है कि वह उचित मर्यादाओं का पालन करते हुए अपनी बात कह सकता है। संसद में, और विधानसभाओं में तो सदस्यों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि सदन में उनकी कही बात को किसी भी तरह से अपराध नहीं माना जायेगा। यह व्यवस्था इसलिए भी ज़रूरी थी कि निर्वाचित सदस्य अपनी बात निर्भयतापूर्वक कह सकें। ऐसे में यदि नेता विपक्ष को कोई बात कहने से रोका जाता है तो इसे जनतांत्रिक मूल्यों-परंपराओं का नकार ही कहा जायेगा। निर्वाचित सदस्यों से यह अपेक्षा अवश्य की जाती है कि वे अपनी मर्यादाओं का पालन करेंगे, पर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी बात सदन में कहने का अवसर और अधिकार मिलना ही चाहिए। वहीं, एक बात यह भी समझने की है कि मतदाता सिर्फ सरकार ही नहीं चुनता, विपक्ष का भी चुनाव करता है। यदि वह एक पक्ष को सरकार चलाने का काम सौंपता है तो दूसरे पक्ष से वह यह अपेक्षा करता है कि वह सत्तारूढ़ पक्ष के काम-काज पर समुचित निगाह रखेगा। सदस्यों को सदन में अपनी बात कहने का अवसर देने का मतलब यही है कि हर सदस्य को अपना दायित्व निभाने का अवसर मिले। महज इसलिए कि किसी की बात से हम असहमत हैं, उसे बात कहने का मौका नहीं देंगे, या उसके बोलने में रुकावट डालेंगे, यह हर दृष्टि से अनुचित और अजनतांत्रिक है। प्रसिद्ध फ्रांसीसी विचारक वाल्तेयर ने इस संदर्भ में बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही थी। उनका कहना था, 'मैं आपके विचार से असहमत हो सकता हूं, पर अपनी बात कहने के आपके अधिकार की रक्षा मैं अपने प्राण देकर भी करूंगा'। वाल्तेयर की यह सोच जनतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वाले हर व्यक्ति के लिए एक चुनौती है। हमें इस चुनौती को स्वीकार करना ही होगा। यदि हम ऐसा नहीं करते तो इसका अर्थ है हम उस व्यवस्था के मूल्यों में विश्वास नहीं करते जो हमने अपने लिए चुनी है। उस दिन सदन में नेता प्रतिपक्ष को वह सब कहने दिया जाना चाहिए था जो वे जनरल नरवणे को उद्धृत करके कहना चाहते थे। यह उनका अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी था। उसी तरह सदन के नेता प्रधानमंत्री का भी अधिकार और कर्तव्य है कि वह प्रतिपक्ष द्वारा उठाये गये सवालों का जवाब देते। लोकसभा में ऐसा नहीं हुआ। होना चाहिए था। राज्यसभा में प्रधानमंत्री अपनी बात कह सकते थे। पर पता नहीं क्यों उन्होंने उन सवालों का जवाब देना ज़रूरी नहीं समझा, जो इस समूचे संदर्भ में उठ रहे हैं। यह सब मतदाता को हल्के में लेने का ही उदाहरण है। निर्वाचित प्रतिनिधियों का दायित्व बनता है कि वह मतदाता के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी राजनीति से ईमानदारी कहीं गायब होती जा रही है।

प्रधानमंत्री को सदन में न आने देने की सलाह के बारे में बताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने जो कहा, वह निश्चित रूप से चिंता की बात है। उन्होंने 'पुख्ता जानकारी' का हवाला देते हुए कहा था कि उस दिन सदन में प्रधानमंत्री के साथ कुछ भी हो सकता था। इस 'कुछ भी' का ब्योरा उन्होंने यह शब्द लिखे जाने तक नहीं दिया है, पर यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि उनका इशारा प्रधानमंत्री की सुरक्षा की ओर था। यदि ऐसा कुछ है तो देश को यह जानने का अधिकार है कि हमारे प्रधानमंत्री को किससे और कैसा खतरा था। यही नहीं, यह बताना भी अध्यक्ष का कर्तव्य है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है। यह सब यदि देश को नहीं बताया जा रहा है तो तरह-तरह की अफवाहें फैल सकती हैं, जो किसी भी दृष्टि से देश के हित में नहीं होगा।

देश दुनिया से

आरडीजी संकट में राजस्व बढ़ाने की चुनौती

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में राजस्व घाटा अनुदान (रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट) को समाप्त किए जाने की घोषणा हिमाचल प्रदेश सरकार के लिए किसी वज्रपात से कम नहीं मानी जा सकती है। जाहिर है वित्त आयोग द्वारा ग्रांट की समाप्ति के चलते राज्य सरकार को वेतन और पेंशन के भुगतान सहित प्रदेश के समग्र विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री सुक्खू ने इसे संघीय ढांचे पर प्रहार बताया है। 01 फरवरी के बाद से ही राज्य में हायतौबा और कोहराम मचा हुआ है। प्रिंट, सोशल मीडिया में खबरों, विश्लेषण सहित कर्मचारियों-पेंशनर्स के व्हाट्सएप समूहों में संदेशों की बाढ़ आई हुई है। सवाल उठता है कि सोलहवें वित्त आयोग द्वारा आरडीजी समाप्त किए जाने के बाद जिस प्रकार के वित्तीय दबावों की बात स्वयं सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने सार्वजनिक मंच से स्वीकार की है, क्या उन्हें इसका पहले से कोई आभास नहीं था? आखिर क्यों जानबूझकर प्रदेश को कर्ज और आर्थिक बदहाली की ओर धकेला गया? क्या इसके लिए पांच पांच साल तक बारी बारी से सत्ता सुख भोगने वाले दोनों ही राजनीतिक दल जिम्मेदार नहीं हैं? प्रेजेंटेशन के मुताबिक राज्य का अपना राजस्व करीब 18 हजार करोड़ रुपए है, जबकि वेतन, पेंशन, ब्याज और कर्ज चुकाने जैसी प्रतिबद्ध देनदारियां लगभग 48 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी हैं। अगले वित्त वर्ष में राज्य 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक कर्ज नहीं ले सकता, जबकि पुराने कर्ज के भुगतान के लिए ही 13 हजार करोड़ रुपए चाहिए। यानी कर्ज लेकर भी कर्ज चुकाने की स्थिति बनी हुई है। पिछले पांच वर्षों में 15वें वित्त आयोग के तहत हिमाचल को लगभग 37199 करोड़ रुपए का आरडीजी मिला था। इसी के सहारे कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, सामाजिक योजनाएं, विकास कार्य और बुनियादी प्रशासनिक ढांचा चलता रहा, लेकिन अब यह सहारा एक झटके से हट गया है। नतीजा यह है कि डीए फ्रीज करने, एरियर रोकने, सब्सिडी खत्म करने, नई भर्तियां रोकने और यहां तक कि सरकारी संस्थानों को बंद या निजी हाथों में सौंपने जैसे सुझाव सामने आ रहे हैं। सच्चाई यह है कि हिमाचल की अर्थव्यवस्था लंबे समय से केंद्र पर निर्भर रही है। सीमित भौगोलिक क्षेत्र, उद्योगों की कमी, पर्यावरणीय प्रतिबंध और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण कभी भी राज्य की आय को गति नहीं मिली। यह भी उतना ही सच है कि जब संकट के संकेत मिलने लग गए थे, तब भी नीति-निर्माण में पर्याप्त सतर्कता नहीं बरती गई। इसमें कोई दोराय नहीं है कि ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) का निर्णय सामाजिक दृष्टि से कर्मचारियों के लिए राहत लेकर आया है। यह इल्जाम लगाना भी गलत होगा कि ओपीएस लागू करने से राज्य को नुकसान हुआ है। जबकि सच्चाई यह है कि कर्मचारियों के एनपीएस खाते में 14 फीसदी की दर से अपना शेयर एनएसडीएल में नहीं डालने से राज्य सरकार ने सात हजार करोड़ रुपए बचाए हैं। इसके अलावा जो कर्मचारी एनपीएस से रिटायर्ड हुए हैं, उनका 14 प्रतिशत का हिस्सा भी सरकारी खाते में गया है। लिहाजा यहां ओपीएस को लेकर प्रोपेगेंडा करना मिथ्या प्रचार के अतिरिक्त कुछ नहीं है। पिछले तीन वर्षों में हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक आपदाओं से सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक रहा है, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार की ओर से कोई विशेष अतिरिक्त पैकेज नहीं मिला। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस पहाड़ी राज्य के साथ सौतेला व्यवहार हुआ है। क्या यह माना जाए कि आरडीजी खत्म करना किसी सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि हिमाचल की जनता के अधिकारों के खिलाफ लिया गया फैसला है? इस पूरे परिदृश्य में सबसे संवेदनशील और पीड़ित वर्ग राज्य के कर्मचारी और पेंशनर हैं। जब समाधान के नाम पर सबसे पहले डीए फ्रीज करने, एरियर भूल जाने और वेतन आयोग के लाभ टालने की बातें होती हैं, तो कर्मचारियों में असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है। प्रेजेंटेशन का हैरान करने वाला पहलू यह भी है कि प्रदेश की आर्थिक सेहत सुधारने के लिए आम लोगों की सब्सिडी और नई भर्तियां बंद करने के साथ साथ कर्मचारियों-पेंशनरों के वित्तीय लाभ रोकने की संस्तुति करने वाला वित्त विभाग मंत्री-विधायकों, निगम-बोर्डों के ओहदेदारों, आईएएस/आईपीएस अधिकारियों और सरकार के सलाहकारों के करोड़ों के खर्च पर चुप्पी साधे बैठा है जबकि पिछले एक साल के दौरान मंत्री-विधायकों के वेतन-भत्तों में 24 फीसदी बढ़ोतरी हो चुकी है। उधर हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश ठाकुर ने वित्त सचिव के प्रेजेंटेशन में कर्मचारियों/पेंशनर्स के वित्तीय लाभों को फ्रीज करने पर सरकार को राजनीतिक रूप से गंभीर परिणाम भुगतने और आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। राज्य को अपने राजस्व स्रोत बढ़ाने के लिए पर्यटन, जलविद्युत, सौर ऊर्जा, बागवानी, औषधीय पौधे और स्थानीय उत्पादों की पूरी कीमत वसूलनी होगी। सुक्खू सरकार को राज्य के प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा, गैर-जरूरी संस्थानों को बंद करने, व्यवस्थागत सुधारों को सिरे चढ़ाने और सरकारी खर्चों में कटौती संबंधी फैसले भी लेने होंगे। मुझे नहीं लगता कि हिमाचल में कोई गरीब है, लिहाजा राशन, बिजली और सामाजिक सुरक्षा पेंशन और सभी प्रकार की सब्सिडी को पूरी तरह खत्म कर दिया जाना चाहिए। यह संकट केवल सरकार बनाम विपक्ष की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह हिमाचल के भविष्य की लड़ाई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह को चाहिए कि वे रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद होने के आलोक में हिमाचल सरकार की ओर से एक श्वेत पत्र जारी कर राज्य की वित्तीय हालत और आगामी अपेक्षित कार्रवाई को राज्य की जनता के समक्ष रखें। राज्य सरकार को तुरंत संतुलित एवं कठोर फैसलों को लेने और दूरदर्शिता दिखाने की आवश्यकता है, ताकि हिमाचल कठिन आर्थिक दौर से निकलकर स्थिरता, खुशहाली और विकास की ओर बढ़े।

पिछले पांच वर्षों में 15वें वित्त आयोग के तहत हिमाचल को लगभग 37199 करोड़ रुपए का आरडीजी मिला था। इसी के सहारे कर्मचारियों के वेतन, पेंशन, सामाजिक योजनाएं, विकास कार्य और बुनियादी प्रशासनिक ढांचा चलता रहा, लेकिन अब यह सहारा एक झटके से हट गया है। नतीजा यह है कि डीए फ्रीज करने, एरियर रोकने, सब्सिडी खत्म करने, नई भर्तियां रोकने और यहां तक कि सरकारी संस्थानों को बंद या निजी हाथों में सौंपने जैसे सुझाव सामने आ रहे हैं। सच्चाई यह है कि हिमाचल की अर्थव्यवस्था लंबे समय से केंद्र पर निर्भर रही है। सीमित भौगोलिक क्षेत्र, उद्योगों की कमी, पर्यावरणीय प्रतिबंध और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण कभी भी राज्य की आय को गति नहीं मिली।

आप का नज़रिया

चमत्कार का विज्ञान

चमत्कार कोई ऐसा तमाशा नहीं है कि अचानक बिजली गिरे, बादल गरजें और लोग कहें – 'लो, हो गया चमत्कार!' अगर ऐसा होता, तो बिजली विभाग सबसे बड़ा संत होता। चमत्कार को हमने बहुत हल्के में समझ लिया है। हमने उसे बाहरी घटना मान लिया है, कभी किसी रोग का अचानक मिट जाना, कभी किसी परिस्थिति का पलट जाना। चमत्कार कोई घटना नहीं है। घटना तो अखबार में छपती है। चमत्कार भीतर घटता है, और भीतर घटा हुआ कभी खबर नहीं बनता, वह रूपांतरण बनता है। समस्या यह है कि मनुष्य ने चमत्कार को हमेशा बाहर खोजा है, क्योंकि बाहर देखना आसान है। भीतर देखना साहस मांगता है। बाहर देखने में आंखें लगती हैं, भीतर देखने में आत्मा। आत्मा से सामना करना मन को डराता है, क्योंकि आत्मा के सामने मन टिक नहीं पाता। मन को अपनी दुकान बंद करनी पड़ती है। मनुष्य जिस क्षण कहता है- 'यह असंभव है', उसी क्षण वह अपने ही अनुभव को जेल में बंद कर देता है। असंभव कुछ भी नहीं है, सिवाय उस चीज के, जिसे हमने पहले ही नकार दिया हो। जीवन की सारी सीमाएं हमारी अपनी धारणाएं हैं। ब्रह्मांड के पास कोई सीमा नहीं है। ब्रह्मांड तो खुला आकाश है, सीमा हम हैं। मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या यह नहीं है कि उसके पास समस्याएं हैं। समस्या यह है कि वह हर समस्या को हथौड़े से पीटने लगता है। और फिर हैरान होता है कि चोट क्यों लग रही है। कुछ समस्याएं हल करने से नहीं, देखने से सुलझती हैं। लेकिन देखने के लिए धैर्य चाहिए, और धैर्य आजकल महंगाई से भी ज्यादा दुर्लभ है। मन बड़ा जालसाज है। वह कहता है- 'सोचो, समझो, योजना बनाओ।' लेकिन वह यह नहीं बताता कि सोचते-सोचते हम जीना भूल रहे हैं। मनुष्य समाधान खोजने में इतना व्यस्त हो गया है कि वह समस्या को जीना ही भूल गया है। जो समस्या को जी लेता है, उसके लिए समाधान अप्रासंगिक हो जाता है। क्योंकि समस्या तब समस्या रहती है, जब हम उससे लड़ते हैं। जिस दिन हम उसे देख लेते हैं, बिना घृणा, बिना डर, उसी दिन वह ढीली पडने लगती है। जीवन कोई युद्ध नहीं है, लेकिन अहंकार जीवन को युद्ध बना देता है, क्योंकि अहंकार हर हाल में जीतना चाहता है। जो जीतना चाहता है, वह अक्सर हार जाता है। कई बार तो उसकी जीत में भी हार होती है, लेकिन जो समस्या को जी लेता है, वह जीत-हार से मुक्त हो जाता है। जब मन दस दिशाओं में दौड़ रहा होता है, तब समाधान पास खड़ा होकर भी कहता है- 'भाई, फुर्सत मिले तो देख लेना।' लेकिन मन कहता है- 'अभी टाइम नहीं है, मैं परेशान हूं।' यही परेशानी आदमी को महान लगती है। हम सोचते हैं कि हम बहुत गंभीर व्यक्ति हैं, हमेशा तनाव में रहते हैं। हमें कौन समझाए कि तनाव कोई योग्यता नहीं है। चमत्कार बाहर की परिस्थितियों के बदलने से नहीं होता। अगर ऐसा होता, तो अमीर सबसे ज्यादा चमत्कारी होते, शक्तिशाली सबसे ज्यादा आनंदित होते। लेकिन सच्चाई उलटी है। जिनके पास सब कुछ है, उनके भीतर सबसे ज्यादा खालीपन है। क्योंकि उन्होंने सब कुछ बाहर इक_ा किया, भीतर कुछ नहीं बचा। चमत्कार भीतर की दृष्टि के बदलने से होता है। दृष्टि बदली नहीं कि संसार बदल गया। एक ही परिस्थिति किसी को नरक लगती है, किसी को पाठशाला। फर्क परिस्थिति में नहीं है, फर्क देखने वाले में है। मन भय में हो तो हर रास्ता बंद लगता है। मन भरोसे में हो तो बंद दरवाजा भी निमंत्रण बन जाता है। हम समझते हैं कि हमारे पास ऊर्जा नहीं बची। यह भी मन का बहाना है। ऊर्जा कभी कम नहीं होती। ऊर्जा केवल बिखरी होती है। हम एक साथ भविष्य में भी हैं, अतीत में भी, और वर्तमान को पकडऩे की कोशिश में भी। हम कहीं भी पूरे नहीं हैं, इसलिए शक्ति टुकड़ों में बंट जाती है। यह ऐसा ही है जैसे सौ दिशाओं में बहती नदी, ऐसे में गहराई कहीं नहीं होगी। जब हमारी चेतना एक दिशा में ठहर जाती है, तो ऊर्जा सघन हो जाती है, और जहां सघनता है, वहीं संभावना है। हम अक्सर ठहराव को आलस्य समझ लेते हैं, मौन को लोग निष्क्रियता समझ लेते हैं, लेकिन मौन सबसे सक्रिय अवस्था है। मौन कोई शब्दों का अभाव नहीं है, मौन अहंकार का अभाव है। मौन तो ध्यान की पहली सीढ़ी है। ध्यान का अर्थ है, जीवन में हस्तक्षेप न करना। बस देखना, सुनना और सिर्फ होना, बस होना। जब तुम सिर्फ 'हो जाते' हैं, तब जीवन बोलने लगता है। यहां हम अक्सर एक बड़ी भूल करते हैं। हम कहते हैं कि हमने बहुत कोशिश की, पर कुछ नहीं हुआ। जबकि सच्चाई यह है कि इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि हमने बहुत कोशिश की। जीवन को धक्का देकर नहीं खोला जा सकता। जीवन दरवाजा नहीं है, वह नदी है। नदी से लड़ेंगे तो डूबोगे। यही समर्पण है, पर हम इससे डरते हैं।

मनुष्य जिस क्षण कहता है– 'यह असंभव है', उसी क्षण वह अपने ही अनुभव को जेल में बंद कर देता है। असंभव कुछ भी नहीं है, सिवाय उस चीज के, जिसे हमने पहले ही नकार दिया हो। जीवन की सारी सीमाएं हमारी अपनी धारणाएं हैं। ब्रह्मांड के पास कोई सीमा नहीं है। ब्रह्मांड तो खुला आकाश है, सीमा हम हैं। मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या यह नहीं है कि उसके पास समस्याएं हैं। समस्या यह है कि वह हर समस्या को हथौड़े से पीटने लगता है। और फिर हैरान होता है कि चोट क्यों लग रही है। कुछ समस्याएं हल करने से नहीं, देखने से सुलझती हैं। लेकिन देखने के लिए धैर्य चाहिए, और धैर्य आजकल महंगाई से भी ज्यादा दुर्लभ है। मन बड़ा जालसाज है। वह कहता है– 'सोचो, समझो, योजना बनाओ।' लेकिन वह यह नहीं बताता कि सोचते–सोचते हम जीना भूल रहे हैं। मनुष्य समाधान खोजने में इतना व्यस्त हो गया है कि वह समस्या को जीना ही भूल गया है।

कुछ अलग

शांति का रहस्य

एक नगर में महात्मा कबीर ठहरे हुए थे। वे साधारण वस्त्र पहनते थे, लेकिन उनके वचन अत्यंत गहरे और प्रभावशाली होते थे। एक दिन एक धनी व्यक्ति कबीर के पास आया और बोला—'महात्मा जी, मेरे पास धन, प्रतिष्ठा और सुविधाएं सब कुछ हैं, फिर भी मन अशांत रहता है। मुझे शांति कैसे मिले?' कबीर मुस्कराए और बोले—'तुम्हारे पास सब कुछ है, पर तुम स्वयं अपने पास नहीं हो।' यह सुनकर वह व्यक्ति चकित रह गया। कबीर ने पास रखी मिट्टी की एक हांडी उठाई और कहा—'इसे सोने से भर दो।' व्यक्ति ने हांडी को सोने से भर दिया। फिर कबीर ने पूछा—'अब इसमें और कुछ समा सकता है क्या?' वह बोला—नहीं। तब कबीर ने कहा—'बस, यही तुम्हारी समस्या है। जब मन अहंकार, लोभ और संग्रह से भरा हो, तो शांति के लिए स्थान कहां बचेगा?' यह सुनकर उस व्यक्ति का सिर झुक गया। उसे समझ आ गया कि अशांति का कारण बाहर नहीं, उसके भीतर है। उसने अपने अहंकार को छोड़ने का संकल्प लिया। कबीर ने अंत में कहा—'जब मन खाली होता है, तभी उसमें सत्य और शांति का वास होता है।'

दृष्टि कोण

आग की घटनाएं रोकने को जलस्रोतों का रखरखाव जरूरी

उत्तराखंड के पहाड़ों में पिछले साल दिसम्बर माह में गढ़वाल मंडल में टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग व चमोली के जंगलों में आग लगने की खबरें आने लगी थीं। उस समय जोशीमठ, बदरीनाथ व केदारनाथ के वन क्षेत्रों में भी आग लगी थी। केदारनाथ सेंक्चुरी व बागेश्वर के ग्लेशियर्स वन क्षेत्र भी प्रभावित हुए थे। जनवरी, 2026 के आखिरी सप्ताह तक जब तक हल्की बारिश और हिमपात नहीं हुआ था, छिटपुट वनाग्नियां लगती रहीं। अब फिर इस माह यानी फरवरी में खासकर कुमाऊं में चीड़ बहुल क्षेत्रों में आग लगने की खबरें आ रही हैं। ऐसे में जब देश में फायर सीजन निचले इलाकों में फरवरी के बाद ही माना जाता है तो मौसम बदलाव के दौर में जाड़ों के माह की दावाग्नियों को गंभीरता से लेना चाहिए। ठंड के दिनों में जंगल की आग की घटना में ग्रामीण रात-रात भर जागकर आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। हिमालयी दुर्गम क्षेत्रों में जाड़ों में पहुंचना ज्यादा मुश्किल हो जाता है। जनवरी, 2016 में कई जगहों पर जंगलों में आग लगी थी। इस तरह से जंगलों में जाड़ों में लगने वाली आगों से निपटने की कोई तैयारी नही थीं। हालांकि, उस समय कई सौ करोड़ रुपयों की राज्य जलवायु बदलाव कार्य योजना लागू थी। वर्ष 2017 में ही उत्तराखंड वन विभाग के शीर्ष अधिकारियों का कहना था कि सभी वन प्रभाग अपनी-अपनी कार्ययोजनायें उत्तराखंड स्टेट क्लाइमेट चेंज एक्शन प्लान के व्यवहारों व पद्धतियों के अनुरूप बनायेंगे। ऐसा हुआ होता तो जाड़ों की वनाग्नियां लगातार बढ़ती न रहतीं। सवाल है कि 2014 के बाद जो स्टेट क्लाइमेट चेंज एक्शन प्लान राज्य में जारी है, और जिसकी नोडल एजेंसी वन विभाग ही है, वह वनाग्नि कम करने में नाकारा क्यों है? मध्य भारत व पूर्वोत्तर के राज्यों में देश की करीब तीन-चौथाई जंगलों में आग लगने की घटनायें होती हैं। जब मध्य फरवरी से ही सामान्य फायर सीजन शुरू हो जाता है, तो जनवरी में वैसे भी फायर लाइन खींचने, नीचे गिरे झाड़-झंखाड़ और पत्तियों को जमा करने के लिए वन कर्मी मौजूद रहते हैं। ऐसे में मानवीय असावधानियों या जानबूझकर आग लगाने पर रोक तब भी लगाई जा सकती है। वर्ष 2016 में उत्तराखंड में व्यापक पैमाने पर जंगलों में आग लगी थी। उस समय नैनीताल हाईकोर्ट के निर्देशानुसार वनाग्नि आपदाओं के प्रबंधन के लिए गांव स्तर पर भी कमेटियां गठित करनी थीं। लेकिन एक याचिका के जरिये हाईकोर्ट के संज्ञान में लाया गया कि 2021 अप्रैल तक भी ग्रामस्तरीय कमेटियां गठित नहीं हुईं। दरअसल देश में उत्तराखंड की पहचान उन राज्यों में होती है, जहां वनाधिकार कानून लागू करने में उदासीनता रही है। मोटर मार्ग भी जलते जंगलों की चपेट में आ जाते हैं। स्कूल जाने के एक-तिहाई रास्ते आग संभावित जंगलों से गुजरते हैं। वहीं स्मॉग से आंख, नाक व फेफड़ों के रोग भी बढ़ जाते हैं। जंगलों की आग का प्रबंधन और रोकथाम राज्यों का विषय है। हर राज्य की दावानलों के प्रबंधन की अपनी कार्ययोजना होती है। वर्ष 2000 में राज्य बनने के बाद उत्तराखंड की लगभग पचास हजार हेक्टेयर भूमि वनाग्नियों की भेंट चढ़ चुकी है। राज्य का 38000 वर्ग किलोमीटर यानी 71 प्रतिशत क्षेत्र जंगल का है। दरअसल, मौसम में बदलाव को भी वैज्ञानिक जंगलों में आग लगने का कारण मानते हैं। मार्च से तो जंगलों में आग लगना स्वाभाविक ही मान लिया जाता है। इस बार जाड़े के माह सूखे ही रहे। वैसे जंगलों की आग या तो बरसात से बुझती है या फिर ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से। कई बार इन प्रयासों में ग्रामीण केवल झुलसते ही नहीं हैं, बल्कि मृत्यु भी हो जाती है। वर्ष 2015 में आग बुझाने के प्रयास में दो महिलाएं मरी थीं।

कांग्रेस धोखा तो आम आदमी पार्टी महाधोखा : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 13 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 55 साल देश पर शासन किया जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महज 11 साल के शासन में देश की तस्वीर बदलने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विपक्ष की भूमिका भी नहीं निभा रही, उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन से सीख लेनी चाहिए, ताकि उन्हें पता लगे कि विपक्ष की क्या भूमिका होती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के राज में देश लगातार भ्रष्टाचार के दल-दल में फंसता चला गया। देश का विकास जिस गति से होना चाहिए था, वह नहीं हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 वर्षों में भारत का नाम दुनिया भर में रोशन करने का काम किया। कांग्रेस शासनकाल में केवल भ्रष्टाचार ही हुए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की विधायक द्वारा लगाए गए सभी आरोप मनगढ़ंत है। आम आदमी पार्टी अपने को छिपाने के लिए ऐसा कर रही है। आम आदमी पार्टी ने पहले दिल्ली की जनता को सबज़-बाग दिखाए और दिल्ली की जनता को धोखा दिया। इसके बाद उन्होंने पंजाब में ऐसे वायदे किए जो आज तक पूरे नहीं किए गए। इसके लिए पंजाब के लोगों में पीड़ा है। पंजाब की जनता ने पहले कांग्रेस पार्टी को वोट दिया लेकिन कांग्रेस ने उन्हें धोखा दिया। इसके बाद आप को वोट दिया लेकिन आप ने उनके साथ महाधोखा किया। आज पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है, किसानों की हालत दयनीय है। पंजाब में बाढ़ आई तो केजरीवाल पंजाब में किसानों को 20 हजार रुपये मुआवजा देने की बात कर रहे थे लेकिन गुजरात गए तो वहां कहा कि पंजाब के किसानों को 50 हजार रुपये मुआवजा दिया। उन्होंने किसानों के साथ धोखा किया। आम आदमी पार्टी की विधायक के सभी आरोप तथ्यहीन है और अपनी कमियों को छिपाने का काम कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी पंजाब में दबाव की राजनीति कर रही है। उन्हें जनता से किए वायदे पूरे करने चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि पंजाब हमारा घर है। पंजाब में उन्हें कोई बुलाता है तो वहां जरूर जाते हैं। पंजाब गुरुओं की धरती है और हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि गुरुओं ने अपने चरणों से हरियाणा की धरती को भी पवित्र किया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के नए दफ्तर सेवा तीर्थ के उद्घाटन से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह एक अच्छा कार्य है। कांग्रेसी तो राज करते थे लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का भाव सेवा करना है। उन्होंने नगर निगम चुनावों को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चुनाव को लेकर उनकी पूरी तैयारी है। हरियाणा के आमजन का उन्हें पूरा आशीर्वाद है।

कांग्रेस ने बुढ़ापा पेंशन में की थी 5 गुना बढ़ोत्तरी भाजपा ने की सिर्फ 2 गुना : भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा सरकार द्वारा बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन काटे जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। हुड्डा ने कहा कि तीसरी बार सत्ता मिलने का नशा भाजपा के सिर इस कदर चढ़ गया है कि वह धड़ल्ले से लाखों गरीबों के राशन कार्ड और बुजुर्गों की पेंशन काट रही है। अकेले अंबाला जिले में करीब 54,000 परिवारों के बीपीएल राशन कार्ड और पेंशन काटे जा चुके हैं। यह बयान हुड्डा ने अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत में दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा विधानसभा चुनाव में वोट लिए और अब 14 लाख से अधिक राशन कार्ड काट दिए हैं, जो देश में सर्वाधिक है। इसी तरह हजारों-लाखों बुजुर्गों की पेंशन पर भी कैंची चलाई जा रही है। हुड्डा ने कहा कि एक तरफ बुजुर्ग अपनी पेंशन दोबारा बनवाने के लिए सरकारी दफ्तरों में जाकर बार-बार गुहार लगा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ अहंकार से चूर सरकार दावा कर रही है कि किसी बुजुर्ग की पेंशन नहीं काटी गई। यह लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बुढ़ापा पेंशन को 300 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये किया था, यानी 5 गुना (400%) की बढ़ोतरी की थी। वहीं भाजपा सरकार ने 11 साल में इसमें सिर्फ 2 गुना (100%) ही बढ़ोतरी की है। जबकि महंगाई तीन-चार गुना बढ़ चुकी है।

इतना ही नहीं, कांग्रेस कार्यकाल में बुजुर्गों की आय निर्धारित करने के लिए फैमिली आईडी जैसे सिस्टम का कोई अड़ंगा नहीं लगाया जाता था, कांग्रेस पार्टी बुढ़ापा पेंशन को बुजुर्गों के सम्मान से जोड़कर बुढ़ापा सम्मान भत्ता देती थी, लेकिन अब सम्मान भत्ते को सरकार की मेहरबानी बना दिया गया है फैमिली आईडी का पूरा नियंत्रण सरकार के हाथ में है। तो रातों-रात किसी की भी आय में बढ़ोतरी दिखाकर बुजुर्गों की पेंशन काट देती है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने किसान से लेकर कर्मचारी, गरीब मजदूर से लेकर गृहिणी, दलित-पिछड़े से लेकर अगड़े, स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर वर्ग के साथ अन्याय किया है। चुनाव से पहले इस सरकार ने लाखों लोगों के राशन कार्ड बनवाए और उनके वोट लिए। लेकिन चुनाव जीतते ही आंख मूंदकर गरीब परिवारों के भी राशन कार्ड व पेंशन काटने का काम शुरू कर दिया। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को आगामी बजट सत्र में पुरजोर तरीके से उठाएगी और किसी भी हाल में इस सरकार को बुजुर्गों का सहारा छीनने नहीं देगी।

पहले विकास में नंबर वन हरियाणा आज क्राइम में नंबर वन पर : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 13 फरवरी (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि पहले हरियाणा विकास में नंबर 1 होता था अब क्राइम में नंबर 1 पर है। उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों को पछाड़ कर हरियाणा देश में क्राइम की नंबर 1 राजधानी बन गया है। हरियाणा की बीजेपी सरकार केवल भाषणबाजी कर रही हैं और तमाशा देख रही जबकि आम जनता में डर का माहौल है। पूरे प्रदेश में लोग अब कहने लगे हैं कि अब तो जिंदा रहने को ही विकास समझें और अपनी रक्षा स्वयं करें। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा आज गंभीर कानून-व्यवस्था संकट से गुजर रहा है। लगातार समाचार पत्रों और क्राइम रिपोर्ट्स में चौंकाने वाले तथ्य उजागर हो रहे हैं कि राज्य में हत्या, रंगदारी, गैंगस्टर नेटवर्क और अन्य संगठित अपराधों की संख्या तेजी से बढ़ी है। उन्होंने हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स की एक ताज़ा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि विदेशों से ऑपरेट कर रहे लगभग 50 से अधिक बड़े गैंगस्टर हरियाणा के नामी-गिरामी लोगों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों से रंगदारी वसूलने सहित संगीन आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से संलिप्त हैं। यह तथ्य अपने आप में दर्शाता है कि राज्य में अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं। ये अपराधी फर्जी दस्तावेज़ों के जरिए पासपोर्ट बनवाकर अमेरिका, कनाडा, यूरोप, खाड़ी देशों आदि से गैंग चला रहे हैं और फोन कॉल, धमकियाँ देना, हत्या जैसी गंभीर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इसके अलावा, अपराधियों का यह नेटवर्क यहाँ कम उम्र के शूटरों, सहयोगियों के जरिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के नौजवान बेरोजगारी से हताशा, हताशा से नशा और नशे से अपराध के चंगुल में फंस रहे हैं। बेरोजगारी अपराध और नशे की जननी है। हरियाणा में गाँव के गाँव नौजवानों से खाली हो चुके हैं। केंद्र सरकार की सामाजिक प्रगति रिपोर्ट बताती है कि हरियाणा देश का सबसे असुरक्षित राज्य है।

हरियाणा में जो युवा कभी उद्यमी बनते थे, आज उन्हें अपराधी बनाया जा रहा है। क्राइम रेट के हिसाब से हरियाणा यूपी, बिहार जैसे बड़े राज्यों से कहीं आगे निकल चुका है। एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में रोज 3 से 4 हत्या, रेप की 5 वारदातें होती है। मर्डर रेट और रेप क्राइम में हरियाणा पूरे देश में दूसरे नंबर पर है। यही रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश में हर रोज अपहरण के 10 मामले सामने आते हैं। भाजपा राज में प्रदेश अपराधियों की शरणस्थली बन गया है। नये-नये गैंग, अंडरएज शूटर तेजी से उभर गये हैं। कब आपके ऊपर गोली चल जाए या फिरौती की कॉल आ जाए कोई भरोसा नहीं। अपराध का ये आलम है कि गुंडे-बदमाश बड़े कारोबारियों, विधायकों तक को धमकियां देकर फिरौती मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बढ़ रहे संगठित अपराध, गैंगस्टर संस्कृति और विदेशी नंबरों से आ रही रंगदारी कॉल के कारण धनाढ्य व्यापारी, प्रॉपर्टी डीलर और बड़े किसानों में दहशत का माहौल है। अब तो लोगों को फोन उठाने से भी डर लगता है। डरने का मुख्य कारण जान से मारने की धमकियां और भारी भरकम फिरौती की मांग है, जिससे राज्य में भय का माहौल बना है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने भी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में कहा है कि हरियाणा देश में सबसे उच्च अपराध दर वाला राज्य बन चुका है। यहाँ महिलाओं के खिलाफ अपराध और हत्या की घटनाएँ लगातार दर्ज की जा रही हैं।

जनविरोधी नीतियों से आहत हरियाणा, जवाबदेही से बचती मौजूदा सरकार : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 13 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने मौजूदा भाजपा सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि-प्रधान देश है, जिसमें हरियाणा का योगदान अतुलनीय रहा है। राज्य का कृषि क्षेत्र न केवल राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि जीडीपी वृद्धि में भी निर्णायक सहयोग देता है। लेकिन अफसोस की बात है कि केंद्र और राज्य की वर्तमान सरकारों की नीतियां लगातार किसानों और हरियाणा वासियों के हितों के विपरीत साबित हो रही हैं। हाल ही में भारत-अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील ने हरियाणा के किसानों पर सीधा प्रहार किया है। इस डील के तहत अमेरिकी कृषि उत्पादों को शून्य टैरिफ पर भारतीय बाजार में प्रवेश की अनुमति मिलने से देशी किसानों की फसलों-जैसे मक्का, ज्वार, कपास और अन्य की कीमतें धराशायी हो सकती हैं।यह डील किसानों के खिलाफ एक खुला षड्यंत्र है, जो उनकी आजीविका को छीनने का काम कर रहा है। किसान संगठनों ने पहले ही इसका विरोध शुरू कर दिया है और कांग्रेस पार्टी हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। हम इस अन्यायपूर्ण समझौते का पुरजोर विरोध करते हैं और किसानों के हकों की रक्षा के लिए हर संभव संघर्ष करेंगे। इसी तरह, बुजुर्गों की ओल्ड एज सम्मान भत्ता योजना में किए गए बदलाव बुजुर्गों के सम्मान और गरिमा पर सीधा आघात हैं। सरकार ने पेंशन की पात्रता को बच्चों की आय से जोड़कर एक तुगलकी फरमान जारी किया है, जो सरासर अन्याय है। बुढ़ापा पेंशन का उद्देश्य बुजुर्गों को स्वाभिमान के साथ जीने का अवसर देना था, न कि उन्हें अपमानित करना। यह नीति गरीब और मध्यम वर्ग के बुजुर्गों से उनका हक छीन रही है। बुजुर्गों में इस फैसले से गहरा रोष व्याप्त है।

एचपीएससी की भर्तियों में हरियाणा के शिक्षित युवाओं के साथ घोर अन्याय हो रहा है। राज्य में प्रतिभाशाली और योग्य युवा भरमार हैं, फिर भी एचपीएससी द्वारा की जा रही भर्तियों में बाहर के राज्यों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जा रही है।

हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला : 58 साल पुरानी शादी नहीं टूटेगी, अदालत बोली

मामूली अनबन क्रूरता नहीं, तलाक से पूरा परिवार होगा आहत

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने 75 वर्ष की आयु पार कर चुके एक बुजुर्ग दंपति के तलाक की अपील को खारिज करते हुए उनकी 58 साल पुरानी शादी को बरकरार रखने का आदेश दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस अनिल कुमार उपमन की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि जीवन के इस पड़ाव पर तलाक की मंजूरी देना न केवल पत्नी, बल्कि पूरे परिवार के सम्मान और गरिमा के लिए घातक होगा। सहनशीलता का स्तर बढ़ना चाहिए अदालत ने पति की अपील को खारिज करते हुए कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। दंपति की शादी 1967 में हुई थी और उन्होंने 2013 तक (लगभग 46 साल) बिना किसी शिकायत के साथ जीवन बिताया।

कोर्ट ने कहा कि इतने लंबे समय साथ रहने के बाद मानसिक सहनशीलता और समझ का स्तर बढ़ना चाहिए, न कि कम होना चाहिए। वैवाहिक जीवन में होने वाले मामूली झगड़ों या अनबन को 'क्रूरता' का आधार मानकर तलाक नहीं दिया जा सकता।

इस उम्र में तलाक से समाज में परिवार के हर सदस्य की प्रतिष्ठा खतरे में पड़ सकती है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया कि यदि परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति को लेकर कोई विवाद या मतभेद है, तो उसे एक बुजुर्ग दंपति की शादी तोड़ने के लिए पर्याप्त आधार नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी नोट किया कि हालांकि पुलिस ने पत्नी की एफआईआर पर एफआर लगा दी थी, लेकिन पति के कमरे में अन्य महिला की मौजूदगी की घटना को पूरी तरह असत्य नहीं पाया गया था।

अदालत ने माना कि वैवाहिक जीवन के शुरुआती चरणों में जो बातें परेशान करती हैं, वे बुढ़ापे में परिपक्वता और समझदारी के साथ गौण हो जानी चाहिए। फैमिली कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए हाईकोर्ट ने पति की तलाक की याचिका को पूरी तरह खारिज कर दिया।

सहकारिता मंत्री ने किया राज्य के प्रथम 'नेफेड बाजार' का उद्घाटन

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में नेशनल एग्रीकल्चर को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लि. (नेफेड) द्वारा शुरू किये गए रिटेल आउटलेट 'नेफेड बाजार' का फीता काटकर उद्घाटन किया। 'किसान से किचन तक' की संकल्पना पर आधारित इस 'नेफेड बाजार' के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध होंगे। दक ने इस अवसर पर कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं है बल्कि विश्वास, सहभागिता और सामूहिक विकास का माध्यम है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को सशक्त बनाने के लिए निरन्तर प्रयासरत है।

राज्य के इस प्रथम 'नेफेड बाजार' का शुभारम्भ किसानों की समृद्धि एवं उपभोक्ताओं की सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 1958 से किसानों की सहकारी संस्था के रूप में नेफेड किसानों को उचित मूल्य और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

ग्राम उत्थान शिविरों की समीक्षा बैठक

31 लाख से अधिक ग्रामीणों तक पहुंची योजनाओं की सौगात

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को पृथ्वीराज ऑडिटोरियम, कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रगतिशील किसानों के साथ संवाद एवं ग्राम उत्थान शिविरों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में कृषि नवाचार, ग्रामीण विकास और बजट प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्य सचिव ने बताया कि वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 69 हजार करोड़ रुपये समेकित निधि से व्यय किए जाएंगे। यह गत वर्ष की तुलना में 7.59 प्रतिशत अधिक है। राज्य की जीडीपी में कृषि बजट की हिस्सेदारी 5.55 प्रतिशत है, जो सरकार की कृषि एवं ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर ग्राम-2026 को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के 2 हजार 770 गिरदावर सर्किलों में ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में 31 लाख 57 हजार से अधिक ग्रामीणों ने भाग लेकर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्राप्त किया। शिविरों में विभिन्न योजनाओं के आवेदन-पत्र तैयार करवाए गए तथा पूर्व में दिए गए आवेदनों की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव ने डच रोज की खेती, खीरा, रंगीन शिमला मिर्च, संरक्षित खेती, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, मोती पालन एवं एकीकृत खेती मॉडल अपनाने वाले प्रगतिशील किसानों से संवाद किया। किसानों की सफलता की कहानियों ने उपस्थित जनों को प्रेरित किया और मुख्य सचिव ने नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति कवायद में जुटा माइंस विभाग : टी. रविकान्त

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य के माइंस विभाग से जुड़ी 11 बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्वयन की रणनीति बनाने में विभाग जुट गया है। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने विभाग को बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में एक्टिव मोड पर लाते हुए 2026-27 की बजट घोषणाओं के संबंध में विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रस्ताव व कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। यह पहला मौका है जब आत्म निर्भर भारत अभियान के अनुरुप राज्य में आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस-मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करते हुए क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिजों का एक्सप्लोरेशन, जियो फिजिकल सर्वे एवं ड्रिलिंग कार्य और जीएसआई के सहयोग से स्टेट ऑफ आर्ट-खनिज कोर लाइब्रेरी की स्थापना की जाएगी।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बजट घोषणा के बाद निदेशक माइंस श्री महावीर प्रसाद मीणा, संयुक्त सचिव अरविन्द सारस्वत व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि बजट घोषणाओं के अनुरुप योजनाओं के प्रारुप, नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन और घोषणाओं के अनुरुप क्रियान्वयन आदेश प्रारुप तैयार करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है।

सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के निर्यात में बड़ी छलांग

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के निर्यात सेक्टर का निरंतर विकास हो रहा है तथा कुल निर्यात में भी वृद्धि हुई है। डीजीसीआई भारत सरकार द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में ही राजस्थान से 50 हजार 900 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ है। राज्य से वर्ष 2024-25 में कुल 97 हजार 171 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ। जो वर्ष 2023-24 के कुल निर्यात 83 हजार 704 करोड़ रुपये की तुलना में 13 हजार 467 करोड़ रुपये अधिक है।

गत दो वर्षों में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों और ठोस निर्णयों से प्रदेश के निर्यातकों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। जिससे प्रदेश के उत्पादों की वैश्विक छवि मजबूत बन रही है और स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन भी हो रहा है। राजस्थान की पांच प्रमुख निर्यातक वस्तुओं में इंजीनियरिंग वस्तुएं, रत्न एवं आभूषण, धातु, वस्त्र तथा हस्तशिल्प प्रमुख है। जिनका राज्य के निर्यात में 67 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।आर्थिक समीक्षा 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान से कपड़ा निर्यात वर्ष 2024-25 में 9 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जबकि वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 8 हजार 819 करोड़ रुपये था। वहीं, रत्न एवं आभूषण सेक्टर का वर्ष 2024-25 में 17 हजार 567 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात था। यह आंकड़ा वर्ष 2023-24 में 11 हजार 183 करोड़ रुपये रहा। अभियांत्रिकी सेक्टर से वर्ष 2024-25 में 19 हजार 849 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात किया गया। जबकि वर्ष 2023-24 में इस सेक्टर से 16 हजार 592 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ।

इसी प्रकार, धातु सेक्टर में लौह एवं अलौह श्रेणी से वर्ष 2024-25 में 10 हजार 24 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात किया गया। वर्ष 2023-24 में इस सेक्टर की दोनों श्रेणियों से कुल 9 हजार 857 करोड़ रुपये का ही निर्यात हुआ। हस्तशिल्प वस्तुओं का वर्ष 2024-25 में 8 हजार 444 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ। यह निर्यात आंकड़ा वर्ष 2023-24 में 7 हजार 986 करोड़ रुपये था।

बजट 2026-27 में प्रदेश में मसाला उत्पादन तथा निर्यात को बढ़ावा देने की दृष्टि से आगामी वर्ष राष्ट्रीय स्तर के 'कॉन्क्लेव ऑन स्पाइसेज' का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, कृषि जिन्सों के प्रोसेसिंग, व्यवसाय एवं निर्यात को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से प्रदेश के चयनित जिलों में 2 हजार कृषकों, प्रोसेसर्स, व्यापारियों व निर्यातकों को प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा। गत दो वर्षों से अधिक समय में प्रदेश में कृषि एवं खाद्य उत्पाद निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

राजाराम काकानी सहकार विद्या मंदिर में आध्यात्मिक ज्ञान समारोह सम्पन्न

धर्माबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शिक्षा के साथ-साथ, छात्रों के जीवन में आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक ज्ञान की मज़बूत नींव होना ज़रूरी है। परम पूज्य सद्गुरु गहिनीनाथ महाराज औसेकर ने कहा, शिक्षा का आखिरी लक्ष्य सिर्फ़ नंबर लाना या डिग्री लेना नहीं होना चाहिए।

राजाराम काकानी सहकार विद्या मंदिर में आयोजित आध्यात्मिक ज्ञान समारोह में, उन्होंने अपने प्रभावशाली भाषण से छात्रों, अभिभावकों और वारकरी भाइयों को प्रभावित किया। अपने प्रवचन में, उन्होंने समझाया कि व्यक्तित्व का सही निर्माण नैतिक मूल्यों, अनुशासन, सेवा भावना और अच्छे आचरण को अपनाने से ही होता है। संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी है, यह कहते हुए उन्होंने छात्रों से संतों के विचारों और मूल्यों पर आधारित जीवन जीने की अपील की।

साथ ही, उन्होंने आरकेएसवीएम विद्यालय के काम की खास तौर पर तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि स्कूल सिर्फ़ पढ़ाई का ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि छात्रों को संस्कार और भारतीय मूल्य भी सिखाता। गौशाला सेवा को करुणा और संस्कार का जीता जागता उदाहरण बताते हुए, उन्होंने कहा कि यहां शिक्षा और संस्कार का सुंदर संगम देखा जा सकता है।

इस अवसर पर श्री विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर समिति के कार्यकारी अधिकारी राजेंद्रजी शेलके ने छात्रों को अनुशासन, कड़ी मेहनत और ईमानदारी का महत्व सिखाया। उन्होंने कहा कि यदि आप एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करते हैं और लगातार प्रयास करते हैं तो सफलता निश्चित है।

स्कूल के प्रबंध निदेशक सुबोधजी काकाणी ने स्कूल की पावन उपस्थिति के लिए परम पूज्य गहिनीनाथ महाराज का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्कूल छात्रों को शिक्षा और संस्कृति का संयोजन प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।

कक्षा चौथी के छात्र तानाजी वडगवे और उनके समूह द्वारा प्रस्तुत कीर्तन ने दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी आत्मविश्वास और भावनात्मक प्रस्तुति के कारण, स्कूल हॉल भक्ति से भर गया। कुछ पलों के लिए सब हरिनाम के जाप में डूब गए। दर्शकों ने ज़ोरदार तालियों से स्टूडेंट्स की तारीफ़ की।

स्टूडेंट्स के भक्ति कीर्तन और स्पिरिचुअल डांस परफॉर्मेंस से माहौल और भी अच्छा हो गया। संत परंपरा की विरासत को संभालते हुए, वारकरी भाइयों को तुकाराम की कहानी दी गई। एक किताब तोहफ़े में दी गई। भक्ति और रीति-रिवाजों का संगम देखने लायक था, पूरा समारोह यादगार रहा। आखिर में, आए हुए लोगों को प्रसाद बांटा गया।

किनवट रेलवे स्टेशन के विकास के लिए भाजपा युवा मोर्चा ने की मांग

किनवट, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेलवे स्टेशन किनवट को लेकर विभिन्न मांगों का ज्ञापन भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष स्वागत आयनेनीवार ने रेलवे के डिवीजनल रेल मैनेजर (डीआरएम) को प्रस्तुत किया है। ज्ञापन में किनवट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 के पूर्व में अप्रोच रोड और वाहन पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है।

आयनेनीवार ने बताया कि किनवट रेलवे स्टेशन के पूर्व दिशा में एसवीएम कालनी, मांडवा, बेलोरी, पिपलगाव, झेंडीगुडा, घोगरवाड़ी, नागझरी, हटकरखोरी समेत अन्य गांवों से आने-जाने वाले यात्रियों को अप्रोच रोड और वाहन पार्किंग की सुविधाओं की कमी के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस स्टेशन का मुख्य प्रवेशद्वार विपरीत दिशा में होने के कारण नागरिकों को लंबा चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं, छात्रों और मरीजों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में शिवाजी नगर रेलवे अंडरब्रीज के निर्माण कार्य पर भी चिंता व्यक्त की गई है। आरोप लगाया गया है कि अंडरब्रीज का काम घटिया गुणवत्ता का है और यह अधूरा है। अंडरब्रीज के निर्माण से उड़ने वाली धूल ने स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डाला है। इस पर आयनेनीवार ने कहा कि धूल को नियंत्रित करने के लिए तत्काल डामरीकरण या सीमेंट कंक्रीट का कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि जब तक ये कार्य पूरे नहीं होते, संबंधित ठेकेदार का भुगतान रोक दिया जाए। रेलवे प्रशासन से यह मांग की गई है कि वे इन मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करें। इस ज्ञापन के दौरान केतन किनवटकर और अभिजित बोनगीरवार भी उपस्थित थे।

अवैध रेत परिवहन: दो ट्रैक्टर और एक बुलेरो वाहन जब्त

मदानूर, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डोंगली और पोथांगल मंडलों के बीच मंजिरा नदी में रेत माफिया का धंधा जारी है। दिन-रात अवैध रूप से रेत की तस्करी हो रही है। रेत चोरों को पकड़ने के लिए डोंगली मंडल के राजस्व निरीक्षक साई बाबा और कई गांवों के ग्राम पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से निरीक्षण अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप दो ट्रैक्टर और एक बुलेरो वाहन जब्त किया गया।

डोंगली राजस्व निरीक्षक साई बाबा के अनुसार, शुक्रवार तड़के करीब 6 बजे बांसवाड़ा की सब-कलेक्टर किरणमयी के आदेश पर पोथांगल मंडल के कोडिचिरा गांव के बाहरी इलाके में स्थित मंजिरा नदी से रेत से लदे दो ट्रैक्टर और एक बुलेरो वाहन जब्त किया गया।जांच के दौरान इन वाहनों के पास कोई परमिट नहीं पाया गया, जिसके चलते इन्हें जब्त किया गया। साई बाबा ने कहा कि इन वाहनों को सुरक्षित रखने के लिए डोंगली तहसीलदार कार्यालय मैदान में रखा गया है।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिना अनुमति के अवैध रूप से रेत का परिवहन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस निरीक्षण में ग्राम पंचायत नरसैया, बालाय्या और राजस्व कर्मचारी भी उपस्थित थे।उन्होंने आगे बताया कि अगर कोई रेत तस्करी करते हुए नजर आए, तो उन्हें पुलिस स्टेशन या तहसील कार्यालय के अधिकारियों को फोन करके सूचना देने के लिए कहा गया। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

जगतियाल की नगरपालिका चुनावों में कांग्रेस और भाजपा की सफलता

जगतियाल, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। धर्मपुरी के पुरे अड़लूरि लक्ष्मण की मेहनत सफल रही है। जगतियाल जिले की पांच नगरपालिका में हाल ही में हुए चुनावों में कांग्रेस ने 15 उम्मीदवारों के साथ सफलता प्राप्त की, जबकि अन्य सभी पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने नगरपालिका के अध्यक्ष पद पर भी अपनी जीत हासिल की है।रैकल नगरपालिका में 12 वार्ड हैं, जहाँ भारतीय जनता पार्टी के 5 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। इसके अलावा, 3 उम्मीदवार बीआरएस के तथा 3 कांग्रेस के सफल हुए, जबकि 1 स्वतंत्र उम्मीदवार ने भी जीत हासिल की। इससे भाजपा के नगरपालिका अध्यक्ष पद पर काबिज होने की संभावना बढ़ गई है।

कोरुटला नगरपालिका में 33 वार्ड हैं, जिसमें कांग्रेस ने 18, बीआरएस ने 8 और भाजपा ने 6 वार्ड जीते हैं। यहां एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने भी जीत दर्ज की है। खास बात यह है कि एमआईएम के 12 उम्मीदवार मैदान में उतरे, लेकिन किसी को भी सफलता नहीं मिली।

जगतियाल जिले की सभी 50 वार्डों में कांग्रेस ने 23, बीआरएस ने 4, भाजपा ने 6, एमआईएम ने 2, जबकि 15 स्वतंत्र उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है।

मेटपल्ली नगरपालिका में 26 वार्ड हैं, जहाँ भाजपा के 10 उम्मीदवारों ने जीती, जबकि कांग्रेस और बीआरएस के 6-6 तथा 4 स्वतंत्र उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। इस प्रकार, भाजपा ने यहां भी अधिक वार्डों से सफलता प्राप्त की है, जिससे उनके अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने की संभावना बढ़ गई है।अब यह देखना है कि आगे कौन-सी पार्टी अपने अध्यक्ष को नियुक्त करने में सफल होती है और राजनीतिक समीकरण कैसे बदलते हैं।

मतगणना के दिन भाजपा उम्मीदवार का निधन

मंचेरियल, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लक्षेट्टीपेट नगर पालिका के वार्ड संख्या 10 से चुनाव लड़ रहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार का शुक्रवार को मतगणना के दिन बीमारी के कारण निधन हो गया।

पारिवारिक सूत्रों और स्थानीय निवासियों के अनुसार, 65 वर्षीय बत्तिनी एलम्मा ने शुक्रवार सुबह तड़के अंतिम सांस ली।

उनके आकस्मिक निधन के बाद संबंधित वार्ड के चुनाव परिणामों को लेकर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। अब यह देखना शेष है कि क्या इस वार्ड में नए सिरे से चुनाव कराए जाएंगे या किसी अन्य उम्मीदवार को निर्वाचित घोषित किया जाएगा।

मतदाता इस स्थिति को लेकर काफी असमंजस में हैं। विशेष रूप से यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि मतगणना के बाद एलम्मा विजयी घोषित होती हैं, तो निर्वाचन प्रक्रिया के अगले चरण क्या होंगे। प्रशासन की ओर से अभी इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देशों की प्रतीक्षा की जा रही है।

लक्षेट्टीपेट नगर पालिका के कुल 22 वार्डों के लिए चुनावी मैदान में बीआरएस (BRS), कांग्रेस और भाजपा सहित अन्य पंजीकृत दलों के कुल 111 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें दो निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल हैं।

एलम्मा के निधन की खबर फैलते ही उनके समर्थकों और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। फिलहाल निर्वाचन अधिकारी कानूनी विशेषज्ञों से राय ले रहे हैं कि चुनावी नियमों के तहत इस स्थिति में मतगणना जारी रखी जाए या वार्ड के चुनाव को रद्द माना जाए।

जागतियाल जिले की नगरपालिका चुनावों में कांग्रेस और भाजपा की सफलता

जागतियाल, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। धर्मपुरी के पुरे अड़लूरि लक्ष्मण की मेहनत सफल रही है। जागतियाल जिले की पांच नगरपालिका में हाल ही में हुए चुनावों में कांग्रेस ने 15 उम्मीदवारों के साथ सफलता प्राप्त की, जबकि अन्य सभी पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने नगरपालिका के अध्यक्ष पद पर भी अपनी जीत हासिल की है।

रैकल नगरपालिका के नतीजे

रैकल नगरपालिका में 12 वार्ड हैं, जहाँ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 5 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। इसके अलावा, 3 उम्मीदवार बीआरएस के तथा 3 कांग्रेस के सफल हुए, जबकि 1 स्वतंत्र उम्मीदवार ने भी जीत हासिल की। इससे भाजपा के नगरपालिका अध्यक्ष पद पर काबिज होने की संभावना बढ़ गई है।

कोरतला नगरपालिका के परिणाम

कोरतला नगरपालिका में 33 वार्ड हैं, जिसमें कांग्रेस ने 18, बीआरएस ने 8 और भाजपा ने 6 वार्ड जीते हैं। यहां एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने भी जीत दर्ज की है। खास बात यह है कि एमआईएम के 12 उम्मीदवार मैदान में उतरे, लेकिन किसी को भी सफलता नहीं मिली।

जागतियाल जिले की सभी 50 वार्डों में कांग्रेस ने 23, बीआरएस ने 4, भाजपा ने 6, एमआईएम ने 2, जबकि 15 स्वतंत्र उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है।

मेटपल्ली नगरपालिका में 26 वार्ड हैं, जहाँ भाजपा के 10 उम्मीदवारों ने जीती, जबकि कांग्रेस और बीआरएस के 6-6 तथा 4 स्वतंत्र उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। इस प्रकार, भाजपा ने यहां भी अधिक वार्डों से सफलता प्राप्त की है, जिससे उनके अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने की संभावना बढ़ गई है।

अब यह देखना है कि आगे कौन-सी पार्टी अपने अध्यक्ष को नियुक्त करने में सफल होती है और राजनीतिक समीकरण कैसे बदलते हैं।

दयाल धानोरा में भालू के हमले में मृत किसान के परिवार से विधायक की सांत्वना भेंट

किनवट, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

किनवट तहसील के दयाल धानोरा में दो दिन पूर्व भालू के हमले में मृत किसान दत्ता बलीराम जाधव के परिजनों से आज विधायक भीमराव केराम ने सांत्वना भेंट की।

इस अवसर पर विधायक केराम ने जाधव परिवार के दुःख को कम करने का प्रयास किया।

उन्होंने परिजनों से संवाद किया तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार चाय-पानी कराया। साथ ही, विधायक केराम की उपस्थिति में शासन के नियमों के अनुसार मृत किसान के वारिस को तत्काल दस लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया, जिससे परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके।

घटना के बाद से क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ था। वन विभाग द्वारा भालुओं को पकड़ने के बाद किसानों में व्याप्त डर कुछ हद तक कम हुआ है।

इस मौके पर पूर्व नगराध्यक्ष आनंद मच्छेवार, भाजपा तहसील अध्यक्ष सूर्यकांत आरंडकर, पूर्व तहसील अध्यक्ष बालाजी आलेवार, प्रादेशिक वन विभाग के अधिकारी उमेश ढगे, और अन्य कई ग्रामवासी उपस्थित थे।

खेतों की सुरक्षा तथा किसानों की भलाई के लिए इस प्रकार के प्रयास बने रहने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

आसिफाबाद नगर पालिका में त्रिशंकु परिणाम

आसिफाबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद नगर पालिका चुनाव के परिणाम त्रिशंकु के रहे हैं। कुल 20 वार्डों में बीआरएस ने 9, कांग्रेस ने 7 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 4 वार्ड जीते हैं, जिससे वे किंगमेकर बन गए हैं।हालांकि नगर पालिकाओं के इस चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, बीआरएस 9 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस ने 7 सीटें जीतीं, जबकि चार स्वतंत्र उम्मीदवारों ने सफलता प्राप्त की है। अब ये निर्दलीय उम्मीदवार नगरपालिका सीट को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।नतीजे आते ही एक निर्दलीय प्रत्याशी को गुप्त स्थान पर ले जाने की खबरें आई हैं। स्थानीय लोग आरोप लगा रहे हैं कि यह घटना मअपहरणफ के समान है, और पार्टियां निर्दलीय उम्मीदवारों को अपनी ओर खींचने के प्रयास में बाधाएं पैदा कर रही हैं। चुनाव परिणाम हाल ही में आए हैं और ऐसे में बीआरएस विधायक के पास पदेन वोट होते हुए भी प्रमुख दलों में निर्दलीय उम्मीदवारों की तलाश शुरू हो गई है।हालांकि क्षेत्र में सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की भारी तैनाती की गई है, राजनीतिक दबाव और प्रत्याशियों के गायब होने की घटनाएं चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आसिफाबाद की राजनीति तापमान में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है, जबकि शेष तीन निर्दलीय उम्मीदवार भी संभावित खेमेबाजी में शामिल हो सकते हैं।अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। राजनीतिक हलचल के बीच, आसिफाबाद नगर निगम की सीट सुरक्षित करने के लिए प्रमुख पार्टियां अपनी रणनीतियों में काम कर रही हैं।

जिला निवासी का बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतना सराहनीय : हरिता

आसिफाबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर के. हरिता ने कहा कि आदिलाबाद, करीमनगर, वारंगल, खम्मम के चार जिलों में आयोजित सिंगरेनी क्लासिक बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतना अत्यंत सराहनीय है।

जिला कल्याण अधिकारी रमादेवी, खेल अधिकारी मीना रेड्डी और रविंदर के साथ मिलकर शुक्रवार को एकीकृत जिला समाहरणालय भवन परिसर के कलेक्टर कक्ष में प्रतियोगिता में 65 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने पर श्री बेलमपल्ली को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उन्हें चैंपियन ऑफ द चैंपियन मौखिक खिताब व स्वर्ण पदक जीतने का प्रमाण पत्र भी सौंपा गया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि सिंगरेनी स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जिले और जनजाति कल्याण विभाग का नाम रोशन करना गौरव की बात है। उन्होंने प्रतियोगी को प्रेरित करते हुए भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई।

इस प्रकार की उपलब्धियां न केवल व्यक्तिगत सम्मान का प्रतीक हैं, बल्कि इससे जिले की पहचान भी बढ़ती है।

2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहते हैं रोहित

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। **भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में टीम को जीत दिलाना है। रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम पिछली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भी हार के कारण खिताब हासिल नहीं हासिल कर पायी थी।**

इसके बाद उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्राफी 2025 का खिताब जीता पर विश्व कप 2023 का खिताब न जीत पाने की निराशा उनके दिल से निकल नहीं पा रही है। इसी कारण रोहित अब एकदिवसीय प्रारुप में ही खेल रहे है और किसी भी हालत में इस खिताब को जीतकर ही संन्यास लेना चाहते हैं। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कहा, वह केवल विश्व कप 2027 खेलना नहीं चाहते हैं बल्कि जीतना भी चाहते हैं।

उन्होंने कहा, मैं 50-ओवर का विश्व कप देखते-देखते हुए बड़ा हुआ हूं। उस समय कोई टी20 विश्व कप नहीं था, कोई आईपीएल नहीं था और एकदिवसीय विश्वकप ही क्रिकेट का सबसे ऊंचा खिताबी मुकाबला था, जो हर चार साल में होता था।

इसलिए इससे हासिल करने का सपना सभी का होता था। उस एक ट्राफी का इतना ज्यादा बोझ था। मैं सच में वह ट्राफी हासिल करना चाहता हूं, इसलिए मैं कड़ी मेहनत करने और उसे पाने के लिए अपनी पूरी ताकत और क्षमता का उपयोग करना चाहता हूं। मैं अपने देश के लिए ये विश्व कप जीतना चाहता हूं।

रोहित ने टी20 और टेस्ट से पहले ही संन्यास ले लिया है जिससे की उनकी फिटनेस 2027 विश्व कप तब बनी रहे। पिछले 6 महीने में रोहित ने अपनी फिटनेस पर काम किया और अपना वजन भी घटाया है। उनकी बल्लेबाजी में भी बदलाव आया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भले ही वह सफल नहीं रहे पर आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। जिस प्रकार से वह फिटनेस और फार्म को बरकरार रखने का प्रयास कर रहे हैं। उससे अंदाजा होता है कि वह विश्वकप को लेकर कितने गंभीर और समर्पित हैं। 2027 विश्वकप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रुप से खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सैमसन सबसे अधिक उम्र में टी20 विश्वकप में डेब्यू करने वाले भारतीय बने

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन नामीबिया के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में रन बनाने में तो असफल रहे पर मैच में उतरने के साथ ही उन्होंने सबसे अधिक उम्र में टी20 विश्वकप डेब्यू का रिकार्ड जरुर अपने नाम कर लिया। सैमसन ने अपना ये पहला मैच 31 साल 93 दिन की उम्र में खेला और इसी के साथ ही वह भारत की ओर से सबसे अधिक उम्र में टी20 विश्व कप में खेलने वाले दूसरे सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। सबसे अधिक उम्र में डेब्यू का रिकार्ड स्पिनर अमित मिश्रा के नाम है, उन्होंने साल 2014 में पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में 31 साल 117 दिन की उम्र में अपना पहला मैच खेला था। वहीं सूर्यकुमार यादव ने 31 साल 40 दिन में अपना पहला मैच खेला था जबकि पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने 31 साल 2 दिन की उम्र में अपना पहला मैच खेला। लक्ष्मीपति बालाजी ने 30 साल 358 दिन की उम्र में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना पहला टी20 खेला था।

15 फरवरी को बीसीसीआई अधिकारियों से मिलेंगे बीसीबी प्रमुख

ढ़ाका। मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर किये जाने के बाद से ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ दूरियां बढ़ी हैं। इसी कारण बीसीबी ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टी20 विश्वकप के लिए भी अपनी टीम भारत भेजने से इंकार कर दिया था पर अब उसकी ये अकड़ कमजोर पड़ती दिखी रही है। इसी कारण बीसीबी अब बीसीसीआई से अपने संबंध पहले की तरह करना चाहता है। इसी को देखते हुए बीसीबी प्रमुख अमीनुल इस्लाम अब कोलंबो में 15 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान बीसीसीआई अधिकारियों के साथ मुलाकात करने वाले हैं। बीसीबी ने इससे पहले पाकिस्तान को विश्वकप कप का ये मैच खेलने के लिए भी तैयार करने में अपनी भूमिका निभाई थी। इसका लाभ भी बांग्लादेश को मिला। इसी कारण उसपर आईसीसी ने कोई प्रतिबंध नहीं लगाया। इसके अलावा 2028 से 2031 के बीच एक आईसीसी इवेंट की भी मेजबानी उसे मिली है। इस्लाम ने स्थानीय मीडिया से कहा, आईसीसी के एशिया से बड़े भागीदार देशों में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान हैं और वे चाहते हैं कि सभी सभी पांच एशियाई देशों के प्रतिनिधि 15 फरवरी को एक साथ मैदान में रहें। उन्होंने आगे कहा, इससे आपसी मतभेद दूर होंगे। अमीनुल ने कहा कि वे एक एमओयू तैयार कर सकते हैं, जिससे लाहौर में हुई मीटिंग में लिए गए फैसलों को भविष्य में नजरअंदाज न किया जा सके। साथ ही ने कहा, हम एक करार भी करेंगे। जिससे किसी को कोई संशया न रहे। इससे पहले एशियाई क्रिकेट परिषद की बैठक में भी ऐसा ही एमओयू हुआ था।

नामीबिया के खिलाफ मैच में हार्दिक ने फिर अपने को साबित किया

नई दिल्ली। भारतीय टीम की नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में जीत के पीछे

आलराउंडर हार्दिक पंड्या की अहम भूमिका रही। हार्दिक ने इस मैच में बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने नंबर-5 पर उतरकर तेजी से 52 रन बनाये। इस पारी में उन्होंने चार चौके और चार छक्के लगाए। वहीं गेंदबाजी के दौरान 21 रन देकर दो विकेट लिए और साबित किया किया वह अब भी भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर हैं। भारतीय टीम ने ये मैच 93 रनों से जीता था जिससे वह चार अंक लेकर ग्रुप-ए से अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। पंड्या को उनके आलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड मिला है। इस मैच में सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने भी अर्धशतक लगाया जबकि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने तीन विकेट लिए। भारत को इस मुकाबले में में रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत मिली है। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2012 में इंग्लैंड को 90 रनों से हराया था। वहीं साल 2014 में आस्ट्रेलिया को 73 रन से जबकि साल 2022 में जिम्बाब्वे को 71 रनों से हराया था। भारतीय टीम का मुकाबला अब 15 फरवरी को पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी जीतकर सुपर-8 में जगह बनाना रहेगा।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया

कोलंबो, 13 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर हो चुका है। जिम्बाब्वे ने इस संस्करण के 19वें मुकाबले में 2021 की टी20 विश्वकप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया है। यह मुकाबला कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी 19.3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह जिम्बाब्वे टीम की ऑस्ट्रेलिया पर टी20 में दूसरी जीत है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने 2007 टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था। दोनों के बीच अब तक चार बार आमना-सामना हुआ है। इसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई टीम और दो बार जिम्बाब्वे की टीम जीती है। सिकंदर रजा की टीम का टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है। यानी अब तक कंगारू जिम्बाब्वे की टीम को इस टूर्नामेंट में हरा नहीं पाए हैं।

ग्रुप-बी में दिलचस्प हुई जंग

साथ ही ग्रुप-बी में भी सुपर-8 में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया पर सुपर-8 की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे। एक हार उनकी उम्मीदों पर

पानी फेर सकता है। फिलहाल ग्रुप-बी में श्रीलंका दो मैचों में दो जीत और चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। वहीं, जिम्बाब्वे के भी दो मैचों के बाद चार अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो मैचों के बाद दो अंक हैं। टीम तीसरे स्थान पर है। आयरलैंड और ओमान का खाता नहीं खुला है और टीम क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को अगला मैच श्रीलंका से खेलना है और अगर हारे तो बाहर हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को अब मनाना है कि जिम्बाब्वे या श्रीलंका एक-एक मैच हारे और कंगारू अपने बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतें।जिम्बाब्वे को पहला झटका आठवें ओवर में 61 के स्कोर पर लगा। मार्कस स्टोइनिस ने तादिवानाशे मरुमानी को जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराया। उन्होंने 21 गेंद में सात चौके की मदद से 35 रन बनाए।जिम्बाब्वे को दूसरा झटका रेयान बर्ल के रूप में लगा। वह 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। बर्ल ने 30 गेंद में चार चौके की मदद से 35 रन बनाए। बर्ल को कैमरन ग्रीन ने पवेलियन भेजा।ब्रायन बेनेट 56 गेंद में सात चौके की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, कप्तान सिकंदर रजा ने भी 13 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 25 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 24 गेंद में नाबाद 38 रन की साझेदारी की।जोश इंग्लिस आठ रन बनाकर आउट हुए, जबकि कैमरन ग्रीन और टिम डेविड खाता नहीं खोल सके। ब्लेसिंग मुजरबानी ने इंग्लिस और डेविड को आउट किया।वहीं, ब्रैड इवेंस ने ग्रीन को पवेलियन भेजा। कप्तान ट्रेविस हेड को ब्रैड इवेंस ने बोल्ड किया। वह 15 गेंद में तीन चौके की मदद से 17 रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया ने 29 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे।इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल ने मैट रेनशॉ के साथ पांचवें विकेट के लिए 59 गेंद में 77 रन की साझेदारी निभाई। मैक्सवेल 32 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 31 रन बना सके।मैक्सवेल को बर्ल ने बोल्ड किया। इसके बाद मार्कस स्टोइनिस मसाकादजा का शिकार बने। वह चार गें में छह रन बना सके।बेन ड्वारशुइस को ब्रैड इवांस ने कैच आउट कराया। बाउंड्री लाइन पर टोनी ने क्या गजब का कैच लपका। उन्होंने हवा में डाइव लगाकर कैच लपका। ड्वारशुइस छह रन बना सके।

इसके बाद मुजरबानी ने मैट रेनशॉ को बर्ल के हाथों कैच कराया। वह 44 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 65 रन बनाकर आउट हुए। मुजरबानी ने इसके बाद एडम जैम्पा को क्लीन बोल्ड किया। वह दो रन बना सके। कुहनेमैन के रन आउट होते ही जिम्बाब्वे ने इतिहास रच दिया।जिम्बाब्वे की ओर से मुजरबानी ने चार और इवांस ने तीन विकेट झटके। मसाकदजा और बर्ल को एक-एक विकेट मिला।

मिचेल मार्श अब तक फिट नहीं हो सके हैं और वह नहीं खेल रहे थे। उनकी जगह ट्रेविस हेड ही ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाल रहे थे। दोनों टीमों ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की थी।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

यूएई ने कनाडा को रौंदा

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 में यूएई का खाता खुल गया है। कनाडा के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में टीम को आखिरी चार ओवर में जीत के लिए 56 रन चाहिए थे। 16 ओवर के बाद टीम का रन रेट 6 से भी कम का था। टीम ने सिर्फ 95 रन बनाए थे।

लेकिन आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर ही यूएई ने मुकाबले को जीत लिया। आर्यांश शर्मा और सोहैब खान यूएई की जीत के हीरो रहे। दोनों ने सिर्फ 42 गेंद पर 84 रनों की साझेदारी की। स्कोर बराबर होने के बाद छक्का मारने की कोशिश में सोहैब आउट हो गए। उन्होंने 29 गेंद पर 4 चौके र 4 छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। आर्यांश ने 53 गेंद पर 74 रनों की पारी खेली।

यूएई को इस मैच में 5 विकेट से जीत मिली। इससे पहले कनाडा ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 150 रन बनाए। यूएई की इस टूर्नामेंट में यह दो मैचों में पहली जीत है। वहीं कनाडा ने अभी तक खेले दोनों मैचों में हार झेलनी पड़ी है।

कनाडा की शुरुआत खराब रही। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा 11 और युवराज सामरा 5 रन बनाकर आउट हो गए। पावरप्ले के खत्म होते से पहले ही निकोलस किर्टन भी आउट हो गए। 6 ओवर के बाद टीम का स्कोर 39 रन पर तीन विकेट था।

यहां से हर्ष ठकर और नवनीत धालीवाल ने पारी को संभाल दिया। दोनों के बीच 58 रनों की साझेदारी हुई। नवनीत अनलकी रहे और 34 रन बनाकर रन आउट हो गए। उनका बैट जमीन में फंस गया था। हर्ष ने अपनी फिफ्टी पूरी की लेकिन 50 के स्कोर पर ही आउट हो गए।

श्रेयस मोव्वा ने 21 गेंद पर 21 रन बनाए। जुनैद सिद्दीकी ने आखिरी ओवर में दो विकेट लेकर अपने 5 विकेट पूरे किए। हालांकि डिलोन हेलिंगर ने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर कनाडा को 150 रनों तक पहुंचा दिया। जुनैद ने 35 रन देकर 5 विकेट झटके।

कतर ओपन टेनिस

दोहा में कनाडा की विक्टोरिया मबोको कतर ओपन टेनिस में खेलती हुई।

अमेरिका का खाता खुला, नीदरलैंड को एकतरफा मुकाबले में दी मात

चेन्नई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान से हार झेलने के बाद अमेरिका की टीम का खाता खुल गया है। टी20 विश्व कप 2026 के 21वें मैच में नीदरलैंड के खिलाफ चेपक के मैदान पर अमेरिका को 93 रनों से जीत मिली। ग्रुप ए के इस मुकाबले में पहले खेलते हुए अमेरिका ने 6 विकेट पर 196 रन बनाए। नीदरलैंड की बैटिंग पूरी तरह फेल रही और टीम की पारी 16वें ओवर में 103 रनों पर सिमट गई।

टॉस हारने के बाद खेलने उतरे अमेरिका की टीम को कप्तान मोनांक पटेल और शायन जहांगीर की जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई।

दोनों खिलाड़ियों ने 2.5 ओवरों में 27 रन की साझेदारी की। शायन 14 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान मोनांक ने साईतेजा मुक्कमल्ला के साथ दूसरे विकेट के लिए 37 गेंदों में

55 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया था। मोनांक 22 गेंदों में 1 छक्के और 3 चौकों के साथ 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

साईतेजा ने शुभम रंजने के साथ चौथे विकेट के लिए 35 गेंदों में 54 रन की साझेदारी की।

21 साल के साईतेजा 51 गेंदों में 4 छक्कों और 5 चौकों के साथ 79 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शुभमन ने 24 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ नाबाद 48 रन बनाए।

कतर ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर: स्वियातेक और रायबकिना बाहर

दोहा, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

कतर ओपन 2026 में गुरुवार को बड़े उलटफेर देखने को मिले, जब विश्व नंबर दो इगा स्वियातेक और आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना रायबकिना क्वार्टरफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। टाप सीड स्वियातेक को ग्रीस की मारिया सक्कारी ने 2-6, 6-4, 7-5 से हराया, जबकि 10वीं वरीयता प्राप्त कनाडा की विक्टोरिया एमबोको ने रायबकिना को 7-5, 4-6, 6-4 से मात दी। मारिया सक्कारी ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए मुकाबले में वापसी की। पहले सेट में पिछड़ने के बाद उन्होंने दूसरे और तीसरे सेट में बेहतरीन खेल दिखाया। निर्णायक सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहां स्वियातेक ने एक मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन अंतत: सक्कारी ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। सक्कारी ने कहा, काफी समय बाद मुझे इतनी बड़ी जीत मिली है। जब रैंकिंग गिरती है तो आत्मविश्वास डगमगा जाता है, लेकिन यह मानसिक प्रक्रिया का

हिस्सा है। अब सक्कारी सेमीफाइनल में 14वीं वरीयता प्राप्त कारोलिना मुचोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने रूस की अन्ना कालिंस्काया को 6-3, 6-4 से हराया। स्वियातेक ने 2022, 2023 और 2024 में यह डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता था, लेकिन इस बार उनका सफर क्वार्टरफाइनल में ही थम गया। पहले सेट में दो बार सर्विस ब्रेक कर उन्होंने मजबूत शुरुआत की थी, लेकिन सक्कारी ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पीएसएल में इस बार नजर नहीं आयेंगे अफगान खिलाड़ी

कराची। पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) में इस बार अफगानिस्तान के खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। अफगान खिलाड़ियों ने पाक लीग में खेलने से इंकार करते हुए अपने नाम वापस ले लिये हैं। पीएलएल टीम के प्रमोट ने कहा है कि अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान, सेद्दीकुल्लाह अटल, मुहम्मद नबी, वकार सलामखेल, फजल हक फारूकी जैसे खिलाड़ियों ने लाहौर में हुई नीलामी के लिए पंजीकरण कराया था पर बाद में नाम वापस ले लिया। पेशावर जालमी के अफगानिस्तान के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज को सीधे साइन करने पर हुए विरोध को देखते हुए अफगान खिलाड़ियों ने नाम वापस लिए हैं। वहीं पीएसएल के मुख्य कार्यकारी सलमान नसीर ने कहा है कि अफगानिस्तान के कुछ खिलाड़ी पीएसएल में खेलना चाहते थे पर किसी फ्रैंचाइजी ने उन्हें नहीं खरीदा। नसीर ने कहा, निलामी में कुछ अफगानिस्तान के खिलाड़ी थे पर वे नहीं बिके। नसीर ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध खराब होने का प्रभाव नीलामी पर भी दिखा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खराब संबंधों के कारण जालमी ने जब गुरबाज को को खरीदा तो काफी उग्र प्रतिक्रिया हुई। इसलिए दूसरे खिलाड़ियों ने भी इससे बचने नाम वापस ले लिया होगा। पिछले कुछ समय में दोनो देशों के बीच तनाव रहा है जिसके बाद पाक ने अफगानिस्तान पर हवाई हमला भी किया था।

वीडा ने ईवी यूबेक्स के डिजाइन का कराया पेटेंट

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत में दो पहिया ईवी निर्माता कंपनी वीडा ने अपनी नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल यूबेक्स के डिजाइन का सफलतापूर्वक पेटेंट करा लिया है। हालांकि पेटेंट में दिखाई गई डिजाइन कान्सेप्ट वर्ज़न से अलग नज़र आती है और इसमें कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

इस इलेक्ट्रिक बाइक को सबसे पहले ईआईसीएमए 2025 में कान्सेप्ट माडल के रूप में पेश किया गया था। इलेक्ट्रिक बाजार में हीरो की पकड़ धीरे-धीरे मजबूत हो रही है और कंपनी देश की टाप-6 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर ब्रांड्स में शामिल हो चुकी है।

पेटेंट में जो डिजाइन सामने आई है, वह पहले वाले सुपरमोटो-स्टाइल कान्सेप्ट की बजाय अधिक स्ट्रीटफाइटर जैसी लगती है। सामने की ओर मौजूद नुकीले फेंडर को बदलकर एक सिंपल फेंडर दिया गया है और कान्सेप्ट में मौजूद हैंडगार्ड अब गायब हैं। बाइक का साइड प्रोफाइल भी काफी बदला हुआ है। इसमें मोटे फ्यूल-टैंक जैसे सेक्शन और लंबी सिंगल-पीस सीट के साथ पारंपरिक स्ट्रीटफाइटर लुक अपनाया गया है। इसके अलावा, कान्सेप्ट में दिखाए गए इनवर्टेड फोर्क की जगह इस पेटेंट डिजाइन में टेलीस्कोपिक फोर्क का उपयोग किया गया है, जो इसे प्रैक्टिकल और किफायती उत्पादन-उन्मुख डिजाइन बनाता है। यूबेक्स कान्सेप्ट एक माड्यूलर प्लेटफार्म पर आधारित था, जिसका उपयोग कई अलग-अलग माडल तैयार करने के लिए किया जा सकता था। अब पेटेंट डिजाइन को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि वीडा इस माडल को कम्यूटर इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में उतारने की तैयारी कर रही है। लान्च के बाद यह इलेक्ट्रिक बाइक ओएलए रोडस्टेर एक्स प्लस, अल्ट्रावायलेट एफ 77, कोमाकी रेंजर, रेवोल्ट आरवी400 और ओबेन रोर ईझेड जैसे माडलों को सीधी टक्कर देगी। नए पेटेंट के सामने आने के साथ ही इस बाइक के प्रति बाजार में उत्सुकता और बढ़ गई है। माना जा रहा है कि इस बाइक का प्रोडक्शन-स्पेक वर्ज़न लगभग तैयार है और इसे हीरो वर्ल्ड 2026 इवेंट में शोकेस किया जा सकता है, जो संभवत: फरवरी के आखिर या मार्च में आयोजित होगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में एआई की नई उड़ान, 16-20 फरवरी को ग्लोबल समिट, नई दिल्ली के भारत मंडपम में जुटेगी दुनिया

नई दिल्ली। 16 से 20 फरवरी के बीच नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पेक्ट समिट 2026 का आयोजन होगा। यह सम्मेलन इंडिया एआई मिशन और मिनिस्ट्री आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इंफारमेशन टेक्नोलाजी के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इसमें सरकारें, वैश्विक टेक कंपनियां, स्टार्टअप, शोधकर्ता और सामाजिक संस्थाएं एक मंच पर आएंगी। उद्देश्य केवल नीतिगत चर्चा नहीं, बल्कि यह दिखाना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जमीनी स्तर पर कैसे बदलाव ला रहा है। सम्मेलन में उन समाधानों पर जोर रहेगा जो पहले से लागू हैं और बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जा सकते हैं। खेती के लिए स्मार्ट सलाह, दूरस्थ मेडिकल जांच, भारतीय भाषाओं में अनुवाद, वित्तीय धोखाधड़ी की पहचान और न्यायिक प्रक्रियाओं में॰ द्व के उपयोग जैसे उदाहरण पेश किए जाएंगे। आयोजकों का कहना है कि ये सिर्फ पायलट प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि स्केलेबल माडल हैं जो ग्रामीण और सीमित संसाधन वाले इलाकों में भी कारगर साबित हो रहे हैं। एआई के विस्तार के साथ डेटा सुरक्षा और भरोसे का मुद्दा भी अहम होगा। विशेषज्ञ साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत बनाने और भविष्य में उभरती क्वांटम तकनीक से निपटने की रणनीतियों पर विचार साझा करेंगे। समिट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और जलवायु क्षेत्रों में एआई चुनौतियां आयोजित होंगी। विजेता टीमों को फंडिंग, मेंटरशिप और पायलट प्रोजेक्ट के अवसर मिलेंगे। यह आयोजन भारत को एआई टैलेंट सप्लायर से आगे बढ़ाकर वैश्विक एआई प्रोडक्ट और डिप्लायमेंट हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

नए साल में कई नए डिवाइस पेश करने वाली है एप्पल

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी एप्पल साल 2026 में अपने प्रोडक्ट लाइनअप में कई नए डिवाइस पेश करने वाली है। इन डिवाइसों में बजट-फ्रेंडली आईफोन 17ई, नए आईपेड माडल और मेकबुक सीरीज शामिल हैं। आईफोन 17ई, 2025 में लान्च हुए आईफोन 16ई का अपग्रेड वर्जन होगा, जिसमें ए19 चिपसेट, बेहतर कैमरा और मेगसेफ चार्जिंग जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। आईफोन 17ई में 48एमपी का रियर कैमरा और 18एमपी का फ्रंट कैमरा शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा फोन में डायनामिक इसलेंड फीचर भी देखने को मिल सकता है। एप्पल ने बजट-फ्रेंडली आईफोन ई सीरीज को लगातार अपडेट करते हुए इसे ज्यादा पावरफुल और यूजर-फ्रेंडली बनाने की योजना बनाई है। फोन के साथ-साथ एप्पल आईपेड लाइनअप को भी रिफ्रेश करने जा रहा है। इसमें 12वीं जनरेशन का आईपेड और आईपेड एयर माडल शामिल हैं। नए आईपेड में तेज प्रोसेसर, बेहतर डिस्प्ले और एप्पल इंटेलीजेंस सपोर्ट की उम्मीद है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ओलेड डिस्प्ले भी मिल सकता है, जिससे टैबलेट पर वीडियो और गेमिंग अनुभव और भी शानदार होगा। मेकबुक सीरीज में भी नए अपडेट्स आने वाले हैं। एप्पल मेकबुक एयर और मेकबुक प्रो में एम5 प्रोसेसर का इस्तेमाल किया जाएगा, जो मशीनों को अधिक तेज, एफिशिएंट और पावरफुल बनाएगा। यह खासतौर पर प्रोफेशनल क्रिएटर्स, कोडर्स और बिजनेस यूजर्स के लिए फायदेमंद होगा। एप्पल के इस नए लान्च के साथ साल की शुरुआत ही टेक बाजार में हलचल मचाने वाली है।

कर्ज वसूली एजेंटों पर आरबीआई सख्त जबरन और धमकी पर रोक का प्रस्ताव

नई दिल्ल। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और उनके रिकवरी एजेंटों द्वारा उधारकर्ताओं के साथ जबरन या अपमानजनक व्यवहार रोकने के लिए नए मसौदा दिशानिर्देश पेश किए हैं। ये नियम उधारकर्ताओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करेंगे। प्रस्तावित नियम 1 जुलाई, 2026 से लागू होंगे और इस पर फीडबैक 4 मार्च, 2026 तक दिया जा सकता है। मसौदा दिशानिर्देश में स्पष्ट किया गया है कि उधारकर्ताओं के साथ धमकी, अपमान, बार-बार या गुमनाम काल, अनुचित संदेश या सार्वजनिक अपमान करना निषिद्ध होगा। इसके अलावा उधारकर्ता की देनदारियों की अदायगी में अनुचित दबाव डालना भी रोक होगा। बैंकों को वसूली से संबंधित शिकायतों के निपटान के लिए समर्पित तंत्र बनाना होगा। सभी काल की संख्या, समय और रिकार्डिंग का हिसाब रखा जाएगा। काल और दौरे केवल सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच किए जा सकते हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार दूसरे दिन जोरदार गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी चिताओं की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 108.71 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,832.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 473.04 अंक यानी 2.05 प्रतिशत टूट कर 22,593.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 49,477.93 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,402.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 24,852.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,340.56 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी कमजोरी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। ताइवान स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण ताइवान वेस्टेड एक्सचेंज में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। एशियाई बाजार में अकेला कोस्पी इंडेक्स फिलहाल 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,536.86 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 204 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,647 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.70 प्रतिशत टूट कर 4,105.04 अंक के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने के मामले में लीबिया पहले स्थान पर

मुंबई। दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाले देशों की लिस्ट में बड़े चौंकाने वाले तथ्य हैं। इन देशों में पेट्रोल की कीमत भारतीय नजरिए से न सिर्फ बहुत कम है, बल्कि कई में तो पेट्रोल की कीमत भारत में बिकने वाले एक कप चाय से भी सस्ती है। लीबिया दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाला देश है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत मात्र 2.15 रुपये है। यानी कए कप चाय की कीमत में करीब 5 लीटर पेट्रोल यहां मिल रहा है। भारत के अधिकतर शहरों में एक कप चाय की कीमत 10 से 15 रुपये के बीच है। इस लिस्ट में ईरान दूसरे स्थान पर है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत केवल 2.59 रुपये है। जबकि, सबसे महंगा तेल हांगकांग में 340.53 रुपये लीटर है। यह जानकारी ग्लोबलपेट्रोलप्राइसेज डाट काम के हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों पर आधारित है। लीबिया में पेट्राल 2.15 रुपए, ईरान 2.59 रुपए, वेनेजुएला 3.17 रुपए, अंगोला 29.63 रुपए, कुवैत 30.98 रुपए, अल्जीरिया 32.89 रुपए, तुर्कमेनिस्तान 38.78 रुपए, मिस्र 40.65 रुपए, कजाकिस्तान 45.06 रुपए और कतर में 46.02 रुपए प्रति लीटर है। अगर भारत की बात करें तो शुक्रवार को आयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दी हैं। पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलवा नहीं हुआ है। देश में सबसे सस्ता पेट्रोल आज भी पोर्ट ब्लेयर में 82.46 रुपए प्रति लीटर और डीजल 78.05 रुपए प्रति लीटर है। भारत में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाले शहर इस प्रकार हैं- पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: 82.46 प्रति लीटर, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश: 90.87 प्रति लीटर, सिलवासा, दादरा और नगर हवेली: 92.37 प्रति लीटर, दमन, दमन और दीव: 92.55 प्रति लीटर, हरिद्वार, उत्तराखंड: 92.78 प्रति लीटर, रुद्रपुर, उत्तराखंड: 92.94 प्रति लीटर, उना, हिमाचल प्रदेश: 93.27 प्रति लीटर, देहरादून, उत्तराखंड: 93.35 प्रति लीटर, नैनीताल, उत्तराखंड: 93.41 प्रति लीटर। सबसे सस्ता डीजल बेचने वाले शहर हैं- पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: 78.05 प्रति लीटर, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश: 80.38 प्रति लीटर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर: 81.32 प्रति लीटर, संबा, जम्मू और कश्मीर: 81.58 प्रति लीटर, कठुआ, जम्मू और कश्मीर: 81.97 प्रति लीटर, उधमपुर, जम्मू और कश्मीर: 82.15 प्रति लीटर, चंडीगढ़: 82.44 प्रति लीटर, और राजौरी, जम्मू और कश्मीर: 82.64 रुपए प्रति लीटर।

भारत में नया सेमसंग गैलेक्सी एफ 70ई 5जी लान्च

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत में सेमसंग कंपनी ने नया सेमसंग गैलेक्सी एफ 70ई 5जी लान्च कर दिया है। सेमसंग गैलेक्सी एफ 70ई 5जी दो वेरिएंट्स में उपलब्ध है। 4जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज माडल की कीमत 12,999 रुपये है, जबकि 6जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट 14,999 रुपये में मिलेगा। यह स्मार्टफोन खासतौर पर उन यूजर्स के लिए बनाया गया है, जो लंबी बैटरी लाइफ, स्मूद परफार्मेंस और क्लीन साफ्टवेयर अनुभव चाहते हैं।

5जी कनेक्टिविटी और बड़ी बैटरी के साथ यह फोन डेली यूज़ के लिए बैलेंस्ड विकल्प साबित हो सकता है। यह स्मार्टफोन 17 फरवरी से फलीपकार्ट और सेमसंग के आफिशियल आनलाइन स्टोर पर सेल के लिए उपलब्ध होगा। इसके अलावा, लान्च आफर में 1,000 रुपये का अतिरिक्त डिस्काउंट भी मिलेगा। फोन को लाइमलाइट ग्रीन और स्पाटलाइट ब्ल्यू कलर आप्शंस में पेश किया गया है। स्पेसिफिकेशन की बात करें तो सेमसंग गैलेक्सी एफ 70ई 5जी में 6.7 इंच का एचडी प्लस एलसीडी डिस्प्ले है, जिसका रेजाल्यूशन 720गुणा1600 पिक्सल है और यह 120 एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। स्क्रीन की ब्राइटनेस 800 निट्स तक जाती है, जिससे आउटडोर विजिबिलिटी बेहतर रहती है। साफ्टवेयर की बात करें तो यह फोन एंड्राएड 16 आधारित वन यूआई 8 पर चलता है और सेमसंग ने इसके लिए छह साल तक ओएस और सिक्योरिटी अपडेट्स का वादा किया है। कैमरा सेटअप में डुअल रियर कैमरा दिया गया है, जिसमें 50एमपी का प्राइमरी कैमरा और 2एमपी डेप्थ सेंसर शामिल है। सेल्फी और वीडियो कालिंग के लिए 8एमपी का फ्रंट कैमरा है। सेमसंग गैलेक्सी एफ 70ई 5जी बजट यूज़र्स को लंबी बैटरी, 5जी कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफार्मेंस का अच्छा मिश्रण देता है।

पीएम सूर्य घर योजना ने दो साल में हासिल किए नए मुकाम

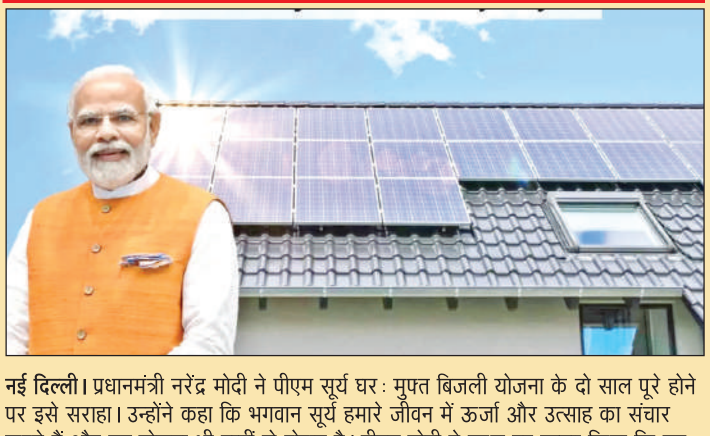

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के दो साल पूरे होने पर इसे सराहा। उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य हमारे जीवन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं और यह योजना भी उन्हीं से रोशन है। पीएम मोदी ने एक्स पर साझा किया कि यह देशवासियों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। इसके साथ उन्होंने संस्कृत श्लोक भी साझा किया, जिसका अर्थ है कि निरंतर क्रियाशील व्यक्ति ही सफलता प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर: निशुल्क बिजली योजना की शुरुआत 14 फरवरी 2024 को की गई थी। इसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2026-27 तक एक करोड़ घरों में रूफटाप सोलर सिस्टम लगाना है, जिसके लिए 75,021 करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया गया है। यह पहल दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू रूफटाप सोलर योजना मानी जा रही है। जनवरी 2026 तक योजना के तहत 29 लाख से अधिक परिवारों को लाभ पहुंच चुका है। पोर्टल के अनुसार अब तक 60,87,665 आवेदन प्राप्त हुए और 23,60,365 आरटीएस सिस्टम लगाए गए हैं। इसके जरिए 29,37,640 परिवारों को बिजली मिल रही है। सरकार ने अब तक 16,920.15 करोड़ की सब्सिडी जारी की है। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सौर ऊर्जा का प्रसार कर रही है। इससे घरों में स्वच्छ, नि:शुल्क बिजली उपलब्ध हो रही है और भारत के ऊर्जा परिदृश्य को नया आकार दिया जा रहा है।

सुपरकार फेरारी 849 टेस्टारोसा जल्द होगी लान्च

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार में फेरारी अपनी एक्सक्लूसिव सुपरकार फेरारी 849 टेस्टारोसा को जल्द लान्च करने जा रही है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 10.37 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मार्च 2026 तक इसके भारत आने की उम्मीद है। यह माडल फेरारी एसएफ 90 स्ट्राडाले की जगह लेगा और भारतीय बाजार में लेम्बोरगिनी रेव्यूल्टो को सीधे चुनौती देगा।

इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसका नाम है दशकों बाद फेरारी ने अपना आइकानिक टेस्टारोसा बैज वापस लाकर अपने रेसिंग इतिहास को फिर जीवित कर दिया है। परफार्मेंस की बात करें तो फेरारी 849 टेस्टारोसा किसी भी सुपरकार उत्साही के लिए सपने जैसी मशीन है। इसमें 4.0 लीटर ट्विन-टर्बो वी 8 इंजन के साथ प्लग-इन हाइब्रिड सिस्टम मिलता है। इंजन और तीन इलेक्ट्रिक मोटर्स मिलकर लगभग 1,050 बीएचपी की ताकत पैदा करते हैं। यह पावर 8-स्पीड ड्यूल-क्लच गियरबाक्स के जरिए सभी पहियों तक भेजी जाती है। कंपनी का दावा है कि यह कार सिर्फ 2 सेकंड से थोड़ा अधिक समय में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है। 200 किमी/घंटा की स्पीड तक पहुंचने में यह करीब 6 सेकंड लेती है और इसकी टाप स्पीड 330 किमी/घंटा से ज्यादा है। खास बात यह भी है कि इलेक्ट्रिक मोड में यह कार लगभग 25 किमी तक चलाई जा सकती है। कार का इंटीरियर पूरी तरह ड्राइवर-केंद्रित है। इसमें सेंट्रल टचस्क्रीन नहीं दी गई है। ड्राइवर के सामने 16-इंच डिजिटल डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन दी गई है। स्टीयरिंग पर फिजिकल कंट्रोल मौजूद हैं और गियर सेलेक्टर को क्लासिक फेरारी मैनुअल गियरबाक्स स्टाइल में तैयार किया गया है। लुक्स की बात करें तो फेरारी 849 टेस्टारोसा सड़क पर बेहद आक्रामक और आकर्षक दिखती है। इसका लो और चौड़ा स्टांस, तीखे एयरोडायनामिक डिजाइन और बड़े एयर इनटेक्स इसे बेहद प्रीमियम स्पोर्टी अपील देते हैं। फ्रंट में एल-शेप एलईडी हेडलैंप्स और बीच की ब्लैक स्ट्रिप क्लासिक फेरारी डिजाइन की झलक दिखाते हैं। साइड प्रोफाइल में फ्लाइंग बट्रेस और बड़े इनटेक्स इसे और भी डायनामिक बनाते हैं, जबकि पीछे स्लिम टेललाइट्स, ऊपर की ओर लगा एग्जास्ट और बड़ा डिफ्यूज़र इसे रेस ट्रैक जैसा लुक देते हैं।

भारत से ट्रेड डील अमेरिका के कोयला निर्यात को नई ऊंचाई पर ले जाएगी

वाशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड डील का जिक्र करते हुए इसे ऐतिहासिक डील बताया है। उन्होंने कहा कि यह डील अमेरिका के कोयला निर्यात को नई ऊंचाई पर ले जाएगी। ट्रंप ने इस समझौते को वैश्विक ऊर्जा बाजार में अमेरिका की बढ़ती ताकत का प्रतीक बताया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस समय दुनिया का नंबर एक ऊर्जा उत्पादक देश बन चुका है और अब तेजी से एक बड़े ऊर्जा निर्यातक के रूप में उभर रहा है। अब देखना यह होगा कि ट्रंप का यह दावा आने वाले दिनों में कितना सही साबित होता है।

राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में अमेरिका ने भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते किए हैं, जिनका मकसद अमेरिकी कोयले के निर्यात को बड़े पैमाने पर बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हमारा कोयला दुनिया में सबसे बेहतरीन गुणवत्ता का माना जाता है। इसी गुणवत्ता के आधार पर हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना रहे हैं। ट्रंप ने संकेत दिया कि भारत के साथ हुई यह व्यवस्था केवल एक साधारण व्यापार सौदा नहीं, बल्कि अमेरिका की व्यापक ऊर्जा रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिकी कोयले को प्रीमियम उत्पाद के रूप में स्थापित किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि अमेरिका अब केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है। ट्रंप के मुताबिक इन नए समझौतों से अमेरिकी खनन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और ऊर्जा क्षेत्र में अमेरिका की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

हालांकि ट्रंप ने समझौते की सटीक शर्तों या मात्रा का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने इसे अमेरिका के ऊर्जा निर्यात विस्तार की दिशा में बड़ा ब्रेकथ्रू बताया। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत के साथ कोयला आयात बढ़ता है, तो यह वैश्विक ऊर्जा बाजार में नई प्रतिस्पर्धा को जन्म दे सकता है, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है। ट्रंप के बयान से साफ है कि उनकी सरकार अमेरिकी ऊर्जा संसाधनों, खासकर कोयले, को अंतरराष्ट्रीय बाजार में आक्रामक रूप से आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। वैश्विक स्थितियां लगातार बदल रही हैं, ऐसे में वाकई यह देखने वाली बात होगी कि ट्रंप का दावा कहां तक टिक पाता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 14 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

NAFCUB और तेलंगाना UCBs महासंघ द्वारा

शहरी सहकारी बैंकों के अध्यक्षों और निदेशकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नई दिल्ली स्थित नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसाइटीज (एनएएफसीयूबी) ने हैदराबाद स्थित तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन और कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल बैंकिंग (सीएबी) आरबीआई, पुणे तथा आरबीआई (क्षेत्रीय कार्यालय) हैदराबाद के सहयोग से 12 और 13 फरवरी 2026 को शहरी सहकारी बैंकों के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट (बीओएम) के सदस्यों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सह कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हैदराबाद के आबिड्स स्थित होटल रॉयलटन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारी शहरी बैंकिंग क्षेत्र में शासन प्रथाओं और पेशेवरता को बढ़ाना और मजबूत करना है।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ उद्घाटन

इस कार्यक्रम की शोभा आरबीआई हैदराबाद के क्षेत्रीय निदेशक चिन्मय कुमार और के. सुरेंद्र मोहन (आईएएस), सहायक आयुक्त सहकारिता और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, हैदराबार ने बढ़ाई। इस अवसर पर नैफकब के निदेशक और तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन लिमिटेड, हैदराबाद के अध्यक्ष वेमिरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी, नैफकब के निदेशक और तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन लिमिटेड, हैदराबाद के कार्यकारी अध्यक्ष जी. मदन गोपाल स्वामी, और दि अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष और तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स फेडरेशन लिमिटेड, हैदराबाद के उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार कीडिया ने कार्यक्रम के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

40 से अधिक यीसीबीएस के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

इस कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य की 40 से अधिक शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के अध्यक्ष और निदेशक उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान कैब पुणे के डीजीएम और एमओएफ अभिषेक कुमार ने शासन पहलुओं के बारे में जानकारी दी, आरबीआई हैदराबाद के डीजीएम, डीओएस प्रभुति समाल ने आरबीआई की अपेक्षाओं और अनुपालन पहलुओं के बारे में विस्तार से समझाया, और सिंडिकेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त) तिरुपतैया ने साइबर सुरक्षा पहलुओं पर प्रकाश डाला।

अग्रसेन को-ऑपरेटिव बैंक का प्रतिनिधित्व

दि अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड का प्रतिनिधित्व इस कार्यक्रम में उसके अध्यक्ष प्रमोद कुमार कीडिया, उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल, निदेशक सीए पंकज कुमार अग्रवाल, निदेशक श्रीमती अपूर्वा अग्रवाल, निदेशक गोपाल चंद अग्रवाल, निदेशक महेश कुमार अग्रवाल, बीओएम के सदस्य दिनेश शर्मा, सीए विनय कुमार गोयल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी.वी. राव और जीजीएमआनंद अग्रवाल ने किया।

महादेव हनुमान मंदिर में महारुद्र अभिषेक का आयोजन कल

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर दि. 15 फरवरी, रविवार को चूड़ी बाज़ार, हैदराबाद स्थित श्री महादेव हनुमान मंदिर में भव्य महारुद्र अभिषेक पूजा का आयोजन किया जा रहा है।इस विशेष रुद्र अभिषेक के लिए नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर से पवित्र रुद्राक्ष तथा वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर से एक रुपये का पवित्र सिक्का एवं पवित्र विभूति मंगाई गई है।इन दिव्य और पवित्र वस्तुओं से श्री महादेव हनुमान मंदिर के शिवलिंग पर विधिवत महारुद्र अभिषेक किया जाएगा, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्तिमय माहौल व्याप्त रहेगा।

पूजा संपन्न होने के उपरांत रुद्राक्ष, पवित्र सिक्का एवं विभूति श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद स्वरूप वितरित किए जाएंगे।मंदिर समिति की ओर से हैदराबाद के समस्त श्रद्धालु भक्तों से विनम्र निवेदन किया गया है कि वे महाशिवरात्रि पूजा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं तथा भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करें।

भाग्यशाली हूं कि सेवा का अवसर मिला : कृष्ण पाल

हैदराबाद,13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और आत्मीयता का प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। जरूरतमंदों को श्रद्धा और सम्मान के साथ अन्न वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कृष्ण पाल ने कहा कि वे स्वयं को अत्यंत भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने का अवसर मिला। उन्होंने कहा,

मैं राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल जी का चालक हूं, लेकिन इस ग्रुप ने मुझे केवल एक चालक नहीं समझा, बल्कि परिवार का सदस्य माना। यही इस संस्था की सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने आगे कहा कि सेवा का अधिकार किसी पद, प्रतिष्ठा या आर्थिक स्थिति से नहीं जुड़ा होता, बल्कि यह हृदय की पवित्रता और करुणा से जुड़ा होता है। सेवा के इस पावन कार्य में छोटा-बड़ा कोई नहीं होता, सभी समान हैं। मुझे जो सम्मान और अपनापन यहां मिला है, वह मेरे लिए किसी बड़े पुरस्कार से कम नहीं,।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, ई.जगन (चंपापेट), अनिल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, राजेश सर (योगा), अरुण विजयवर्गी, लता गोयल, मीना अग्रवाल, नीलम विजयवर्गी एवं रेनू शर्मा आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने सेवा को ही सच्ची साधना बताते हुए समाज में सहयोग, करुणा और समर्पण की भावना को और अधिक सशक्त करने का संकल्प लिया। पूरा वातावरण भक्ति और सेवा भाव से ओत-प्रोत दिखाई दिया।

श्री श्याम मंदिर सेवा समिति ने सहयोगी श्याम प्रेमी संस्थाओं का किया सम्मान

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, काचीगुडा द्वारा 8 फरवरी को भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार से श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा तक निकाली गई 'द्वितीय श्री श्याम रथ शोभा यात्रा' के अंतर्गत नगरद्वय की विभिन्न श्याम प्रेमी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

सम्मान समारोह श्याम मंदिर, काचीगुडा परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के मंत्री एवं रथ शोभा यात्रा के चेयरमैन इन्द्रकरण अग्रवाल, सह-मंत्री रामदेव अग्रवाल तथा पुरुषोत्तमदास गोयल की उपस्थिति रही। मंदिर के पुजारी रामशरण महाराज ने संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।'द्वितीय श्री श्याम रथ शोभा यात्रा' की सफलता में नगरद्वय की अनेक श्याम प्रेमी संस्थाओं का सक्रिय सहयोग रहा। जिन संस्थाओं को सम्मानित किया गया उनमें श्री श्याम सत्संग समिति, जय श्री श्याम-श्याम मेरे श्याम समिति, मासिक श्याम निशान समिति, खाटू श्याम मित्र मंडल, ॐ जय श्री श्याम समिति, श्री श्याम भक्त मंडल (मलकपेट), श्याम के बावरे, श्याम सेवा परिवार, श्याम मित्र मंडल (अत्तापुर), हम तो बाबा के भरोसे चलते हैं, श्याम के सेवादार, हम लाड़ले सांवरिया के, लाड़ले श्याम जी के तथा श्याम भरोसे सेवा समिति शामिल रहीं।

इसके अतिरिक्त जीवन भाटी एवं नरसिंग जायसवाल द्वारा प्रदान किए गए सहयोग की भी विशेष सराहना की गई।

इस अवसर पर समिति के मंत्री एवं रथ शोभा यात्रा चेयरमैन इन्द्रकरण अग्रवाल ने 'द्वितीय श्री श्याम रथ शोभा यात्रा' की अपार सफलता हेतु प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों, विज्ञापनदाताओं, सहोयगी प्रभुदयाल पंच परिवार टीबा बसईवाले, भजन गायकों, नगरद्वय की श्याम प्रेमी संस्थाओं तथा श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया।

उन्होंने यात्रा के प्रचार-प्रसार में समाचार पत्रों द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना करते हुए प्रशासन, विशेषकर पुलिस विभाग द्वारा प्रदान किए गए सहयोग के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

समारोह के अंत में सभी सम्मानित प्रतिनिधियों ने समिति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग देने का आश्वासन दिया।

राजेंद्रनगर के जीएचएमसी सर्किलों के हैदराबाद निगम में विलय का विरोध, हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीजेएस राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी पटोला कार्तिक रेड्डी ने राज्य सरकार द्वारा राजेंद्रनगर नियोजन क्षेत्र के जीएचएमसी सर्किलों को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (हैदराबाद नगर निगम) में विलय किए जाने के निर्णय का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से राजेंद्रनगर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचेगी तथा स्थानीय जनता और जनप्रतिनिधियों की राय लिए बिना एकतरफा फैसला लिया गया है।कार्तिक रेड्डी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम का गठन किया जा रहा है और राजेंद्रनगर क्षेत्र के अस्तित्व से समझौता किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजेंद्रनगर के जीएचएमसी सर्किलों को हैदराबाद नगर निगम में नहीं, बल्कि साइबराबाद निगम में विलय किया जाना चाहिए और इसे किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।उन्होंने विधायक प्रकाश गौड़ पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि क्या उन्होंने सत्ताधारी दल में अपने निर्वाचन क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए प्रवेश किया है या क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के फैसलों के कारण स्थानीय लोगों का अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है।कार्तिक रेड्डी ने मुख्यमंत्री से मांग की कि राजेंद्रनगर सर्किलों को साइबराबाद में विलय करने की ठोस योजना बनाई जाए और वर्तमान निर्णय को तत्काल वापस लिया जाए।कार्तिक रेड्डी ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने अपना निर्णय वापस नहीं लिया तो वे इस मामले में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने कहा कि वे शीघ्र ही उच्च न्यायालय में याचिका दायर करेंगे और अपने क्षेत्र के लिए न्याय मिलने तक कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे।गुरुवार को अट्टापुर में पूर्व सह-विकल्प सदस्य कोलन सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा की गई। बैठक में पटोला कार्तिक रेड्डी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने रंगारेड्डी जिले के कई जीएचएमसी सर्किलों के हैदराबाद नगर निगम में विलय की कड़ी निंदा की।बैठक में अल्पसंख्यक राज्य नेता अब्दुल मुखिद चंदा, अट्टापुर डिवीजन बीआरएस अध्यक्ष वनम श्रीराम रेड्डी, राजेंद्रनगर डिवीजन अध्यक्ष पोरेड्डी धर्मा रेड्डी, हैदरगुडा डिवीजन अध्यक्ष चेट्टीगारी नरेंद्र राव, मैलारदेवपल्ली डिवीजन अध्यक्ष एस. वेंकटेश सहित मुकर्रम खान, जहीरुद्दीन, नोमुला रामू यादव, बंदा राजेश यादव, जालिगम चित्तारी, बिंगी श्रीनिवास, पी. जीवन दास, सदाला वेंकट रेड्डी, बद्दाम श्रीकांत रेड्डी, मदेला प्रेम गौड़, वीरलापल्ली नवीन कुमार, अप्पारेड्डी मुकेश, रावुला जांगैया, पुप्पाला लक्ष्मण, कोमपल्ली जगदीश, सूर्यम, श्री वर्धन रेड्डी, नरेंद्र रेड्डी, लक्ष्मीराज, सरिता, गुम्मडी कुमार सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

बजरंग सेना तेलंगाना ने वीर सावरकर चौक पर किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बजरंग सेना तेलंगाना प्रदेश द्वारा वैलेंटाइन डे (वेलेंटाइन दिवस) समारोह पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर वीर सावरकर चौक पर एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। संगठन के सदस्यों ने भारतीय समाज पर बढ़ते पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव को लेकर कड़ा विरोध जताया।

प्रदर्शन के दौरान, कार्यकर्ताओं ने वैलेंटाइन डे के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और विरोध के प्रतीक स्वरूप ग्रीटिंग काड्र्स जलाए।

संगठन का तर्क है कि इस तरह के उत्सव भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विपरीत हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपील की है कि इन गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

इस अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण राव ने कहा कि वे भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं। विरोध प्रदर्शन में उपाध्यक्ष प्रभु बिरादर, राघव, संयुक्त सचिव आरती, ग्रेटर हैदराबाद अध्यक्ष मनोज मोगलगिद्दी, नरेश छोटू, सुनील, श्रीनिवास, रवि कुमार, कोंडा रेड्डी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पश्चिमी सभ्यता के विरोध में किया गया यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अंत में उपस्थित सदस्यों ने भारतीय परंपराओं को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराया।

निकाय चुनावों के परिणामों का विस्तृत ब्यौरा

S.No	Name of the District	Name of the Municipality/Corporation	No. of Wards	BJP	CPM	INC	AIMIM	BRS	TDP	YSRCP	AAP	BSP	Other Registered Parties with TSEC	Independents	Total Results declared
2	Adilabad	Adilabad	49	21	0	11	6	6	0	0	0	0	0	5	49
3	Komaram Bheem Asifabad	Asifabad	20	0	0	7	0	9	0	0	0	0	0	4	20
4	Komaram Bheem Asifabad	Kaghaznagar	30	5	0	9	1	11	0	0	0	0	0	4	30
5	Mancherial	Bellampally	34	1	0	14	0	14	0	0	0	0	0	5	34
6	Mancherial	Chennur	18	2	0	11	0	4	0	0	0	0	0	1	18
7	Mancherial	Kyathanpally	22	0	0	7	0	10	0	0	0	0	4	1	22
8	Mancherial	Laxettipet	15	1	0	11	0	3	0	0	0	0	0	0	15
9	Mancherial	Mancherial MC	60	5	0	44	0	8	0	0	0	0	3	0	60
10	Nirmal	BHAINSA	26	6	0	1	12	0	0	0	0	0	0	7	26
11	Nirmal	Khanapur	12	4	0	3	0	4	0	0	0	0	0	1	12
12	Nirmal	Nirmal	42	13	0	24	3	2	0	0	0	0	0	0	42
13	Nizamabad	Armoor	36	8	0	19	1	5	0	0	0	0	0	3	36
14	Nizamabad	Bheemgal	12	0	0	8	0	4	0	0	0	0	0	0	12
15	Nizamabad	Bodhan	38	3	0	17	12	5	0	0	0	0	0	1	38
16	Nizamabad	Nizamabad MC	60	28	0	17	14	1	0	0	0	0	0	0	60
17	Jagtial	Dharmapuri	15	0	0	15	0	0	0	0	0	0	0	0	15
18	Jagtial	Jagtiyal	50	6	0	23	2	4	0	0	0	0	0	15	50
19	Jagtial	Korutla	33	6	0	18	0	8	0	0	0	0	0	1	33
20	Jagtial	Metpalli	26	10	0	6	0	6	0	0	0	0	0	4	26
21	Jagtial	Raikal	12	5	0	3	0	3	0	0	0	0	0	1	12
22	Peddapalli	Manthani	13	0	0	11	0	1	0	0	0	0	1	0	13
23	Peddapalli	Peddapalli	36	1	0	27	0	1	0	0	0	0	5	2	36
24	Peddapalli	Ramagundam MC	60	1	0	38	0	13	0	0	0	0	7	1	60
25	Peddapalli	Sulthanabad	15	1	0	12	0	1	0	0	0	0	1	0	15
26	Jayashankar Bhupalpally	Bhupalapally	30	2	0	16	0	10	0	0	0	0	1	1	30
27	BHADRADRI KOTHGUDEM	Aswaraopeta	22	1	0	17	0	2	0	0	0	0	0	2	22
28	BHADRADRI KOTHGUDEM	Kothagudem MC	60	1	1	22	0	8	0	0	0	0	22	6	60
29	BHADRADRI KOTHGUDEM	Yellandu	24	0	0	19	0	3	0	0	0	0	0	2	24
30	Mahabubabad	Dornakal	15	0	0	11	0	4	0	0	0	0	0	0	15
31	Mahabubabad	Kesamudram	16	0	0	8	0	8	0	0	0	0	0	0	16
32	Mahabubabad	Mahabubabad	36	1	3	13	0	11	0	0	0	0	3	5	36
33	Mahabubabad	Maripeda	15	0	0	9	0	5	0	0	0	0	0	1	15
34	Mahabubabad	Thorrur	16	0	0	7	0	9	0	0	0	0	0	0	16
35	Warangal	Narsampet	30	1	1	21	0	6	0	0	0	0	0	1	30
36	Warangal	Wardhannapet	12	0	0	5	0	6	0	0	0	0	0	1	12
37	Hanumakonda	Parakal	22	3	0	13	0	6	0	0	0	0	0	0	22
38	Karimnagar	Choppandandi	14	3	0	10	0	1	0	0	0	0	0	0	14
39	Karimnagar	Huzurabad	30	5	0	16	0	8	0	0	0	0	0	1	30
40	Karimnagar	Jammikunta	30	4	0	10	0	12	0	0	0	0	1	3	30
41	Karimnagar	Karimnagar MC	66	30	0	14	3	9	0	0	0	0	2	8	66
42	Rajanna Sircilla	Sircilla	39	5	0	6	0	27	0	0	0	0	0	1	39
43	Rajanna Sircilla	Vemulawada	28	8	0	13	0	5	0	0	0	0	0	2	28
44	Kamareddy	Banswada	19	3	0	11	1	3	0	0	0	0	0	1	19
45	Kamareddy	Bichkunda	12	0	0	10	0	2	0	0	0	0	0	0	12
46	Kamareddy	Kamareddy	49	16	0	19	0	11	0	0	0	0	0	3	49
47	Kamareddy	Yellareddy	12	0	0	10	0	1	0	0	0	0	0	1	12
48	Sangareddy	Andole-Jogipet	20	0	0	16	0	3	0	0	0	0	0	1	20
49	Sangareddy	Gaddapotharam	18	0	0	3	0	14	0	0	0	0	0	1	18
50	Sangareddy	Gummadidala	22	2	0	4	0	15	0	0	0	0	0	1	22
51	Sangareddy	Indresham	18	2	0	6	0	9	0	0	0	0	0	1	18
52	Sangareddy	Isnapur	26	0	0	10	0	12	0	0	0	0	0	4	26
53	Sangareddy	Jinnaram	20	4	0	6	0	8	0	0	0	0	0	2	20
54	Sangareddy	Kohir	16	1	0	8	1	5	0	0	0	0	0	1	16
55	Sangareddy	Narayankhed	15	1	0	11	0	3	0	0	0	0	0	0	15
56	Sangareddy	Sadasivapet	26	1	0	16	0	8	0	0	0	0	0	1	26
57	Sangareddy	Sangareddy	38	2	0	22	1	10	0	0	0	0	0	3	38
58	Sangareddy	Zaheerabad	37	3	0	14	2	15	0	0	0	0	0	3	37
59	Medak	Medak	32	2	0	14	0	15	0	0	0	1	0	0	32
60	Medak	Narsapur	15	4	0	6	0	5	0	0	0	0	0	0	15
61	Medak	Ramyampet	12	1	0	8	0	3	0	0	0	0	0	0	12
62	Medak	Thoopran	16	3	0	4	0	9	0	0	0	0	0	0	16
63	Siddipet	Cherial	12	0	0	5	0	7	0	0	0	0	0	0	12
64	Siddipet	Dubbaka	20	2	0	4	0	11	0	0	0	0	1	2	20
65	Siddipet	Gajwel	20	1	0	7	0	11	0	0	0	0	0	1	20
66	Siddipet	Husnabad	20	0	0	16	0	4	0	0	0	0	0	0	20
67	Jangaon	Jangaon	30	0	1	12	0	13	0	0	0	0	0	4	30
68	Jangaon	Station Ghanpur	18	0	0	13	0	5	0	0	0	0	0	0	18
69	Yadadri Bhongiri	Alair	12	2	0	7	0	3	0	0	0	0	0	0	12
70	Yadadri Bhongiri	Bhongir	35	4	0	22	0	4	0	0	0	0	0	5	35
71	Yadadri Bhongiri	Choutuppal	20	3	1	13	0	3	0	0	0	0	0	0	20
72	Yadadri Bhongiri	Mothkur	12	0	0	8	0	3	0	0	0	0	0	1	12
73	Yadadri Bhongiri	Pochampally	13	1	0	6	0	5	0	0	0	0	0	1	13
74	Yadadri Bhongiri	Yadagirigutta	12	2	0	8	0	1	0	0	0	0	1	0	12
75	Medchal-Malkajgiri	Aliyabad	20	3	0	8	0	7	0	0	0	1	0	1	20
76	Medchal-Malkajgiri	Muduchinthlapally	24	1	0	9	0	14	0	0	0	0	0	0	24
77	Medchal-Malkajgiri	Yellampet	24	4	0	8	0	12	0	0	0	0	0	0	24
78	Rangareddy	Amangal	15	6	0	1	0	8	0	0	0	0	0	0	15
79	Rangareddy	Chevella	18	3	0	11	0	4	0	0	0	0	0	0	18
80	Rangareddy	Ibrahimpatnam	24	2	0	8	0	13	0	0	0	0	0	1	24
81	Rangareddy	Moinabad	26	4	0	10	0	7	0	0	0	0	0	5	26
82	Rangareddy	Shadnagar	28	1	0	15	0	11	0	0	0	0	0	1	28
83	Rangareddy	Shankarpally	15	0	0	9	0	4	0	0	0	0	0	2	15
84	Vikarabad	Kodangal	12	0	0	10	1	1	0	0	0	0	0	0	12
85	Vikarabad	Parigi	18	0	0	8	0	8	0	0	0	0	0	2	18
86	Vikarabad	Tandur	36	3	0	19	1	12	0	0	0	0	0	1	36
87	Vikarabad	Vikarabad	34	4	0	17	1	11	0	0	0	0	0	1	34
88	Mahabubnagar	Bhoothpur	10	2	0	7	0	1	0	0	0	0	0	0	10
89	Mahabubnagar	Devarkadara	12	1	0	6	0	4	0	0	0	0	0	1	12
90	Mahabubnagar	Mahabubnagar MC	60	7	0	29	3	15	0	0	0	0	0	4	58
91	Jogulamba Gadwal	Alampur	10	0	0	5	0	5	0	0	0	0	0	0	10
92	Jogulamba Gadwal	Gadwal	37	7	0	16	1	11	0	0	0	0	0	2	37
93	Jogulamba Gadwal	Ieeja	20	0	0	7	0	13	0	0	0	0	0	0	20
94	Jogulamba Gadwal	Waddepalle	10	0	0	1	0	1	0	0	0	0	8	0	10
95	Wanaparthy	Amarchinta	10	3	1	3	0	3	0	0	0	0	0	0	10
96	Wanaparthy	Atmakur	10	3	0	6	0	1	0	0	0	0	0	0	10
97	Wanaparthy	Kothakota	15	1	0	10	0	3	0	0	0	0	0	1	15
98	Wanaparthy	Pebbair	12	0	0	7	0	5	0	0	0	0	0	0	12
99	Wanaparthy	Wanaparthy	33	2	1	20	0	8	0	0	0	0	0	2	33
100	Nagarkurnool	Kalwakurthy	22	5	0	13	0	3	0	0	0	0	0	1	22
101	Nagarkurnool	Kollapur	19	0	0	16	0	3	0	0	0	0	0	0	19
102	Nagarkurnool	Nagarkurnool	24	0	0	18	0	6	0	0	0	0	0	0	24
103	Nalgonda	Chandur	10	0	0	6	0	3	0	0	0	0	1	0	10
104	Nalgonda	Chityal	12	0	0	9	0	2	0	0	0	0	0	1	12
105	Nalgonda	Devarakonda	20	1	0	11	0	6	0	0	0	0	0	2	20
106	Nalgonda	Haliya	12	0	0	11	0	1	0	0	0	0	0	0	12
107	Nalgonda	Miryalguda	48	1	0	31	0	14	0	0	0	0	1	1	48
108	Nalgonda	Nalgonda MC	48	4	0	27	2	9	0	0	0	0	4	2	48
109	Nalgonda	Nandikonda	12	0	0	11	0	1	0	0	0	0	0	0	12
110	Suryapet	Huzurnagar	28	0	1	19	0	4	0	0	0	0	1	3	28
111	Suryapet	Kodada	35	0	0	26	0	3	0	0	0	0	0	6	35
112	Suryapet	Neredcherla	15	0	0	9	0	5	0	0	0	0	1	0	15
113	Suryapet	Suryapet	48	1	0	31	0	11	0	0	0	0	0	5	48
114	Suryapet	Tirumalagiri	15	0	0	5	0	10	0	0	0	0	0	0	15
115	Khammam	Edulapuram	32	0	2	24	0	2	0	0	0	0	3	1	32
116	Khammam	Kalluru Municipality	20	0	0	12	0	7	0	0	0	0	0	1	20
117	Khammam	Madhira	22	0	0	18	0	1	0	0	0	0	0	3	22
118	Khammam	Sathupalli	23	0	0	17	0	6	0	0	0	0	0	0	23
119	Khammam	Wyra	20	0	1	12	0	5	0	0	0	0	1	1	20
120	Mulugu	Mulugu	20	1	0	12	0	5	0	0	0	0	0	2	20
121	Narayanpet	Kosgi	16	0	0	16	0	0	0	0	0	0	0	0	16
122	Narayanpet	Maddur	16	0	0	9	0	6	0	0	0	0	0	1	16
123	Narayanpet	Makthal	16	3	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0	15
124	Narayanpet	Narayanpet	24	11	0	7	2	2	0	0	0	0	1	1	24
		Total	2996	335	13	1537	70	781	0	0	0	2	73	183	2994

निष्पक्ष सेवा ही सच्ची साधना है : जयप्रकाश सारडा

हैदराबाद,13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राधे-राधे समूह हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान केन्द्र, इंडो-अमेरिकी कैंसर अस्पताल के समक्ष स्थित केबीआर में श्रद्धा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ अन्नदान किया गया। वातावरण सेवा भाव से ओ-तप्रोत था और जरूरतमंदों के चेहरों पर संतोष की झलक स्पष्ट दिखाई दे रही थी।

इस अवसर पर अपने प्रेरक विचार व्यक्त करते हुए जयप्रकाश सारडा ने कहा कि निष्पक्ष सेवा ही सच्ची साधना है। सेवा तभी पूर्ण मानी जाती है जब उसमें न किसी प्रकार का अहंकार हो, न किसी प्रकार की अपेक्षा। राधे-राधे समूह जिस निष्ठा और निरंतरता के साथ अन्नदान कर रहा है, वह समाज के लिए एक जीवंत आदर्श है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान को शास्त्रों में सर्वोच्च दान बताया गया है, क्योंकि इससे सीधे किसी की भूख शांत होती है और उसके जीवन में आशा का दीप प्रज्वलित होता है। सेवा का यह पावन कार्य केवल पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि हृदयों को जोड़ने का सेतु भी है।

इस पुण्य अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, उमाकांत अग्रवाल एवं उर्मिला अग्रवाल सहित राधे-राधे समूह के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।राधे-राधे समूह का यह सतत प्रयास समाज में करुणा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को सुदृढ़ कर रहा है तथा मानवता की ज्योति को निरंतर प्रज्वलित रखे हुए है।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन कल

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा रविवार, 15 फरवरी 2026 को सायं 07:11 मिनट से श्री राम दरबार (पंचायती बाडा) स्थित शिवालय में भव्य महाशिवरात्रि महोत्सव आयोजित किया जाएगा। यह उत्सव भक्तों के लिए भगवान शिव के दर्शन और पूजन का विशेष अवसर होगा।कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 07:11 मिनट से रुद्राभिषेक से होगा। इसके बाद 08:11 मिनट से भगवान विजय शंकर महाराज का आलोकिक श्रृंगार किया जाएगा। नगर एवं समाज के प्रमुख भजन गायकों द्वारा शिवलहरी भजनों का मधुर कीर्तन होगा, जिसका भक्तगण लाभ उठाएंगे। रात्रि 12:11 मिनट से महाआरती के तत्पश्चात फलाहारी प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। इसी संदर्भ में शुक्रवार को आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में रामदेव नागला, रामदेव व्यास, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा व लक्ष्मीनारायण व्यास उपस्थित थे। समाज के सभी धर्मप्रेमी एवं स्वजातीय बंधुओं से अनुरोध है कि निर्धारित समय पर पधारकर भगवान शिव का रुद्राभिषेक करवाएं तथा आलोकिक श्रृंगार के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करें। यह महोत्सव भक्ति, श्रृद्धा और एकता का प्रतीक होगा।

श्री कच्छी मित्र मंडल के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं महावीर अस्पताल के ट्रस्टी सुशीलभाई कापडिया के 60वें जन्मदिवस पर उनका अभिनंदन करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार।

बुजुर्ग मजदूर की मौत

तुंगतुर्थी,13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
तुंगतुर्थी मंडल के कोठागुडेम गांव में शुक्रवार सुबह एक दुखद घटना घटी, जब रोज़गार गारंटी योजना के तहत काम कर रहे एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक पगीदोजू रंगैया (66 वर्ष), जो गांव के स्थानीय निवासी थे, रोज़ाना की तरह शुक्रवार की सुबह भी गांव के पास स्थित नहर के किनारे रोज़गार गारंटी योजना के काम में लगे हुए थे। बताया गया है कि काम के दौरान रंगैया अचानक बीमार पड़ गए। आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत मदद पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस घटना से गांव में गहरा शोक और दुख का माहौल फैल गया है। ग्रामीणों ने उनके लिए श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार के प्रति संवेदनाएँ जताई। नगर निगम चुनावों में शहरी क्षेत्रों ने रेवंत रेड्डी का समर्थन किया रोज़गार गारंटी योजना के तहत मजदूरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता इस घटना से सामने आई है। बुजुर्ग मजदूर की मौत ने यह सवाल भी उठाया है कि ग्रामीण विकास और रोजगार योजनाओं में काम करने वालों की सुरक्षा और चिकित्सकीय सहायता पर्याप्त है या नहीं। गांव और आसपास के लोग अब इस घटना से स्तब्ध हैं और प्रशासन से आग्रह कर रहे हैं कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए सुरक्षा उपायों को कड़ा किया जाए। पगीदोजू रंगैया की मौत ने पूरे समुदाय को शोक में डूबा दिया है और उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

किसानों ने यूरिया के बदले कीटनाशक के डिब्बे लेकर विरोध प्रदर्शन किया

अनंतगिरि,13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
किसानों को यूरिया की समस्या से छुटकारा मिलता नहीं दिख रहा है। सरकार, जो चाहती थी कि कोई भी किसान लाइन में न लगे, उसने ऐप उपलब्ध कराया है। किसानों को ऐप पर भी कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वे यूरिया बुक नहीं कर पा रहे हैं। अन्नदाता गुस्सा दिखा रहे हैं क्योंकि घंटों सेलफोन हाथ में लेकर इंतज़ार करने के बावजूद यूरिया का एक भी बंडल बुक नहीं हुआ है। उन्हें शक है कि पूरा स्टॉक कुछ ही सेकंड में गायब हो रहा है। सूर्यपेट जिले के अनंतगिरी मंडल के खानपुरम गांव के किसानों ने शुक्रवार को यूरिया ऑनलाइन बुक न हो पाने पर गुस्सा जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कोडाद-अनंतगिरी रोड पर पेस्टिसाइड के डिब्बे लेकर बैठकर विरोध किया। नगर निगम चुनावों में शहरी क्षेत्रों ने रेवंत रेड्डी का समर्थन किया बाद में, उन्होंने खानपुरम प्राइमरी कोऑपरेटिव सोसाइटी परिसर में खेती-बाड़ी के अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने चिंता जताई कि सोसाइटी के अधिकार क्षेत्र में 444 यूरिया बंडल ऑनलाइन मिलने के बावजूद, एक भी बंडल बुक नहीं हुआ।

किसानों ने सड़क जाम कर यूरिया सप्लाई की मांग की

पेंपहाड,13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
किसानों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया, उनका कहना था कि बॉर्डर पार करने के बावजूद किसानों को यूरिया नहीं दिया जा रहा है।

किसानों ने पेनपहाड़ मंडल सेंटर में कोऑपरेटिव सोसाइटी ऑफिस के सामने नेरेदुचेरला-सूर्यापेट मेन रोड पर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर बोलते हुए, कई किसानों ने कहा कि पिछले मॉनसून सीजन में भी यूरिया की कमी थी। उन्होंने दुख जताया कि यासांगी धान की खेती के लिए यूरिया मांगने के बावजूद, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के मौजूद होने के बावजूद किसानों का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पहले से यूरिया सप्लाई न करने का आरोप लगाया। उन्होंने शिकायत की कि कोई दूर की सोच नहीं थी और किसानों का ध्यान नहीं रखा जा रहा था।नगर निगम चुनावों में शहरी क्षेत्रों ने रेवंत रेड्डी का समर्थन किया उन्होंने कहा कि जब पेनपहाड़ कोऑपरेटिव सोसाइटी ऑफिस में लॉरी लोड आता है, तो किसान ऐप पर मिनटों में उसे बुक कर लेते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अनपढ़ किसानों और जिनके पास स्मार्टफोन नहीं हैं, उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वे इसलिए परेशान हैं क्योंकि ऐप की वजह से उन्हें बुकिंग करना नहीं आता। उन्होंने मांग की कि ऐप को हटा दिया जाए। उन्होंने शिकायत की कि जिन खेतों में दूसरी बार यूरिया डालना है, वहां सही समय पर यूरिया नहीं मिलने से पैदावार कम होने की संभावना है। उन्होंने यहां तक मांग की कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस पर ध्यान दें और ऐप हटाकर पहले की तरह यूरिया दें। नगर निगम चुनाव: कांग्रेस ने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में 75% निकायों पर कब्ज़ा किया किराए पर खेती करने वाले किसानों की हालत बयान नहीं की जा सकती। इन हालात में, किराए पर खेती करने वाले किसानों की मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं। चूंकि उनके पास जमीन नहीं है, इसलिए वे पहले इन्वेस्टमेंट के लिए साहूकारों के चक्कर लगाते थे, लेकिन अब उन्हें यूरिया के लिए ऐप्स के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई किराए पर खेती करने वाले किसानों के पास स्मार्टफोन भी नहीं हैं और उन्हें दूसरों की मदद लेनी पड़ रही है। उनकी कोशिशें कामयाब नहीं हो रही हैं क्योंकि स्टॉक पहले ही खत्म हो रहा है। कई लोग चिंता जता रहे हैं कि पट्टादार पासबुक के आधार पर ऐप बुकिंग के ज़रिए किराए पर खेती करने वाले किसानों की सही पहचान न होने से उनकी मुश्किलें दोगुनी हो रही हैं।

जन्म शताब्दी महोत्सव के लिए भूमिपूजन सम्पन्न

भव्य लोक डायरो में सहभागिता का आह्वान

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला के तत्वावधान में आयोजित पूज्य डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों से विशेष रूप से भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में गौशाला के प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि आगामी 15 फरवरी को आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव एवं विशाल लोक डायरो कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनेक गणमान्य व्यक्तियों और सामाजिक संगठनों को निमंत्रण दिया गया है।

महोत्सव में भाग लेने के लिए समाजसेवी गणपत धामीलीया (सूरत), हिंदू वाहिनी तेलंगाना के मानद मंत्री उप्पला रंजन्ना, संस्कार वाटिका के अमृत गुरुजी, अमित चंद्रावान, वर्धमान चौहान, कच्छी मित्र मंडल के कार्यकारिणी सदस्य दिनेश गोसर, भाणजी खेराज ब्लड बैंक के चेयरमैन निलेश छेड़ा, श्री हैदराबाद-सिकंदराबाद लोहाणा महाजन के मुकेश बदियानी, राजेश रामाणी, अशोक उदवानी, रमेश मझेठिया, महिला विभाग की मीना ठक्कर, भद्राबेन, जयश्रीबेन, बीना पौराणा, सालासर हनुमान मंदिर के ट्रस्टी संजय श्रोफ, रामदेव मित्र मंडल टीम, विश्व मंगल गौशाला टीम, समाजसेवी एवं गौभक्त गोपाल अग्रवाल, मारवाड़ी शिक्षा समिति के सहमंत्री एस.बी. काबरा, पतंजलि केंद्र तेलंगाना की प्रभारी मंजुश्री दीदी, शांतिनाथ ग्रेनाइट ग्रुप के रतिलाल छेड़ा सहित अनेक गणमान्यजनों को आमंत्रित किया गया।

डोंगरेजी गौशाला समिति की ओर से प्रधान संयोजक जसमत पटेल एवं अशोक पटेल के साथ प्रभु पटेल, वसंत पटेल, जयसुख पटेल, जसवंत सुराणी, जयंती पटेल, चमन पटेल, बलदेव पटेल, हसमुख पटेल, प्रवीण पटेल, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, तरुण मेहता एवं अन्य पदाधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में पाटीदार समाज के गणमान्य व्यक्तियों से भेंट कर लोक डायरो में भाग लेने का आग्रह किया।

मेडचल स्थित श्री उमिया माता मंदिर में कार्यक्रम स्थल पर पुजारी एवं पंडितगणों द्वारा विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मनसुख पटेल, वसंत पटेल, प्रधान संयोजक जसमत पटेल, अशोक पटेल, उमियाधाम के चेयरमैन कांतीलाल पटेल तथा श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज के अध्यक्ष अमृतभाई पटेल सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। गौशाला समिति के पदाधिकारियों ने सभी समाजों एवं संस्थाओं से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में जुड़ने तथा इसे सफल बनाने हेतु तन, मन और धन से सहयोग करने का निवेदन किया। साथ ही सभी सदस्यों, पदाधिकारियों एवं ट्रस्टियों से भारी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराने का आह्वान किया गया।

राधे-राधे ग्रुप में मिला सम्मान और सेवा का अवसर मेरे लिए अनमोल है : नंद गोपाल नंदू

हैदराबाद,13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा पिलर नंबर 1265 के पास आयोजित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम में आज विशेष आत्मीयता और उत्साह का वातावरण रहा। पिछले डेढ़ वर्ष से निरंतर ऑटो रिक्शा के माध्यम से अन्नप्रसाद को जरूरतमंदों तक पहुंचाने में सहयोग दे रहे नंद गोपाल नंदू ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप में जो सम्मान और सेवा का अवसर उन्हें मिला है, वह उनके लिए अनमोल है और उसके लिए शब्द कम पड़ जाते हैं।

नंद गोपाल नंदू ने कहा कि वे स्वयं को एक साधारण चालक मानते हैं, लेकिन राधे-राधे परिवार ने उन्हें हमेशा अपने सदस्य की तरह स्नेह और सम्मान दिया। यह मंच केवल सेवा का कार्य नहीं कर रहा, बल्कि हर व्यक्ति को परिवार जैसा अपनापन दे रहा है। यहां किसी के पद या परिचय का महत्व नहीं, बल्कि सेवा भावना का मूल्य है, उन्होंने भावुक होकर कहा।

उन्होंने बताया कि पिछले डेढ़ साल से वे नियमित रूप से अन्नप्रसाद को विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने का दायित्व निभा रहे हैं। उनके अनुसार, यह कार्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता, करुणा और सामाजिक समरसता का संदेश है। जब जरूरतमंदों के चेहरे पर संतोष की मुस्कान देखता हूं, तो मन को अपार शांति मिलती है, उन्होंने कहा।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख सदस्यों में सतीश कुमार गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई. जगन चंपापेट, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा सहित अन्य राधे-राधे परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने नंद गोपाल नंदू के समर्पण और निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि सेवा की यह भावना ही राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी पूंजी है। कार्यक्रम के अंत में सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक अन्नप्रसाद पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

नैक्स्टजेन होप फाउंडेशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

'इंटरनेशनल स्वीट्स फेस्टिवल' की सफलता पर चर्चा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नैक्स्टजेन होप फाउंडेशन द्वारा हाल ही में आयोजित 'इंटरनेशनल स्वीट्स फेस्टिवल' के सफल समापन तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से गनरॉक क्षेत्र स्थित तमाशा होटल में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता संस्था की संस्थापक एवं चेयरमैन सुश्री आरोही रावत ने की। इस अवसर पर फेस्टिवल में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए प्रमाण पत्र वितरण तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रमाण पत्र वितरण एवं प्रतिभाओं का सम्मान

बैठक के दौरान 'इंटरनेशनल स्वीट्स फेस्टिवल' में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के कौशल और रचनात्मकता की सराहना करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। संस्था की ओर से प्रतिभागियों के उत्साह और सहभागिता को कार्यक्रम की सफलता का प्रमुख आधार बताया गया।

आगामी सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा

समीक्षा बैठक में फाउंडेशन द्वारा आने वाले महीनों में आयोजित किए जाने वाले सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का खाका तैयार किया गया। विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए समाजहित में अधिक प्रभावी और व्यापक गतिविधियों के आयोजन पर बल दिया गया।

चेयरमैन सुश्री आरोही रावत ने 'इंटरनेशनल स्वीट्स फेस्टिवल' की सफलता के लिए पूरी टीम के समर्पण और सहयोग की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी ऊर्जा के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

वरिष्ठ सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति

बैठक में संस्था की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती दीप्ति रावत, श्रीमती गीता बिष्ट, श्रीमती पुष्पा धामी एवं श्रीमती प्रेमा नयाल ने गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई और भविष्य की रणनीतियों पर अपने विचार साझा किए।

बैठक के अंत में चेयरमैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए समाज कल्याण के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

श्रीखाटू श्याम मंदिर में विजया एकादशी पर बाबा का अद्भुत श्रृंगार, उमड़ा आस्था का सैलाब

बीकानेर, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विजया एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार अल सुबह से देर रात्रि तक जयपुर रोड स्थित श्रीखाटू श्याम मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अनुपम संगम देखने को मिला। इस शुभ दिन बाबा श्याम का अलौकिक एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। दिल्ली से विशेष रूप से मंगवाए गए फाग उत्सव के सतरंगी फूलों से जब बाबा का दरबार सजाया गया तो पूरा मंदिर परिसर दिव्य आभा से आलोकित हो उठा। रंग-बिरंगे पुष्पों की छटा और इत्र की सुगंध से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बन गया। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित चेतन शर्मा एवं किशन शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन एवं श्रृंगार संपन्न कराया। जैसे ही बाबा का पट खुला, हारे के सहारे, श्याम हमारे के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। भक्तजन हाथ जोड़कर, आंखों में श्रद्धा के आंसू लिए बाबा के दर्शनों में लीन दिखाई दिए। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष केके. शर्मा, सदस्य ओम जिंदल, महासचिव सुरेश भसीन, सुरेश अग्रवाल एवं बृजमोहन जिंदल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने आगामी फागोत्सव की तैयारियों को लेकर चर्चा की तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विचार-विमर्श किया। विजया एकादशी एवं फागोत्सव के संयुक्त प्रभाव से मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। दूर-दराज से आए अनेक भक्त पैदल यात्रा करते हुए बाबा के दरबार में धोक लगाने पहुंचे।श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा रविवार, 15 फरवरी 2026 को सायं 07:11 मिनट से श्री राम दरबार (पंचायती बाडा) स्थित शिवालय में भव्य महाशिवरात्रि महोत्सव आयोजित किया जाएगा। यह उत्सव भक्तों के लिए भगवान शिव के दर्शन और पूजन का विशेष अवसर होगा।कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 07:11 मिनट से रुद्राभिषेक से होगा। इसके बाद 08:11 मिनट से भगवान विजय शंकर महाराज का आलोकिक श्रृंगार किया जाएगा।

नगर एवं समाज के प्रमुख भजन गायकों द्वारा शिवलहरी भजनों का मधुर कीर्तन होगा, जिसका भक्तगण लाभ उठाएंगे। रात्रि 12:11 मिनट से महाआरती के तत्पश्चात फलाहारी प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। इसी संदर्भ में शुक्रवार को आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में रामदेव नागला, रामदेव व्यास, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा व लक्ष्मीनारायण व्यास उपस्थित थे। समाज के सभी धर्मप्रेमी एवं स्वजातीय बंधुओं से अनुरोध है कि निर्धारित समय पर पधारकर भगवान शिव का रुद्राभिषेक करवाएं तथा आलोकिक श्रृंगार के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करें। यह महोत्सव भक्ति, श्रृद्धा और एकता का प्रतीक होगा।

आधुनिकीकरण के बीच यात्री सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : अश्विनी वैष्णव

एक दशक में सुरक्षा व्यय तीन गुना, 39,200 करोड़ से बढ़कर 1,17,693 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारतीय रेल अपने परिचालन में यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में लागू किए गए विभिन्न सुरक्षा उपायों के कारण रेल दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा संबंधी व्यय में पिछले एक दशक में तीन गुना वृद्धि की गई है। वर्ष 2013-14 में जहां यह राशि 39,200 करोड़ रुपये थी, वहीं 2025-26 में इसे बढ़ाकर 1,17,693 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

'कवच' प्रणाली: स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा का सशक्त कदम

मंत्री ने बताया कि 'कवच' स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ATP) प्रणाली है, जो उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रमाणन के अनुरूप तैयार की गई है।

कवच की प्रमुख विशेषताएं

-यह प्रणाली लोको पायलट को निर्धारित गति सीमा के भीतर ट्रेन संचालन में सहायता करती है।

-निर्धारित गति से अधिक होने या त्रुटि की स्थिति में यह स्वचालित रूप से ब्रेक लगा देती है।

-खराब मौसम में भी ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में सहायक है।

-यात्री ट्रेन में इसका पहला परीक्षण फरवरी 2016 में किया गया।

-वर्ष 2018-19 में तीन फर्मों को इसके आपूर्ति हेतु अनुमोदन दिया गया।

-जुलाई 2020 में इसे राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया।

कार्यान्वयन की प्रमुख गतिविधियां

-प्रत्येक स्टेशन और खंड में स्टेशन कवच की स्थापना

-ट्रैक पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग लगाना

-दूरसंचार टावरों की स्थापना

-रेलवे ट्रैक के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना

-प्रत्येक लोकोमोटिव में लोको कवच की स्थापना

दक्षिण मध्य रेलवे में 1,465 किलोमीटर ट्रैक पर कवच संस्करण 3.2 लागू करने के अनुभव के आधार पर सुधार करते हुए संस्करण 4.0 को 16 जुलाई 2024 को रिसर्च डिज़ाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित किया गया।

कवच संस्करण 4.0 में स्थान सटीकता, बड़े यार्डों में सिग्नल सूचना, ऑप्टिकल फाइबर आधारित स्टेशन-टू-स्टेशन इंटरफेस तथा मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के साथ सीधा समन्वय जैसी उन्नत सुविधाएं शामिल हैं।

विस्तृत परीक्षण के बाद इसे 1,297 किलोमीटर मार्ग पर लागू किया जा चुका है, जिसमें उच्च यातायात वाले दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्ग शामिल हैं। साथ ही स्वर्णिम चतुर्भुज, स्वर्णिम विकर्ण और उच्च घनत्व नेटवर्क सहित 23,360 किलोमीटर ट्रैक पर कवच कार्यान्वयन प्रारंभ किया गया है।

6,300 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव को कवच 4.0 से लैस करने हेतु निविदा अंतिम रूप में है, जबकि 2,679 डीजल लोकोमोटिव के लिए प्रक्रिया जारी है।

अब तक 48,000 से अधिक तकनीशियनों, इंजीनियरों और ऑपरेटरों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें लगभग 45,000 लोको पायलट और सहायक लोको पायलट शामिल हैं। यह प्रशिक्षण इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ सिग्नल इंजीनियरिंग एंड टेलीकम्युनिकेशंस के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

कवच कार्यों पर दिसंबर 2025 तक 2,573.36 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं तथा वर्ष 2025-26 में 1,673.19 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

कोच और लोकोमोटिव में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना

यात्री सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए भारतीय रेल ने डिब्बों और इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य भी आरंभ कर दिया है। इससे असामाजिक तत्वों की गतिविधियों, तोड़फोड़ और चोरी पर नियंत्रण के साथ-साथ जांच प्रक्रिया में भी सहायता मिलेगी।

अब तक लगभग 12,300 कोच-' जिनमें वंदे भारत एक्सप्रेस और अमृत भारत एक्सप्रेस के सभी परिचालन रेक शामिल हैं तथा 460 लोकोमोटिव में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं।

मंत्री ने कहा कि आधुनिकीकरण और तकनीकी उन्नयन के साथ-साथ यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए भारतीय रेल निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, ANJALA W/o. Service No.2548432 Honorary Naib Subedar MICHAEL, Resident of H.No.3-16-758/7-05-033, Srinagar Colony, Trimulgherry, Secunderabad-500015, Telangana have changed my name and DOB from ANJALA, DOB:8-06-1952 to ANJILINA MICHAEL, DOB:09-06-1952 vide affidavit dt:13-02-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, SUMAN DEVI Mother of Service No. 15707928L Hav LOKESH CHANDRA TAK, R/o.Vill:Paroli, PO:Paroli, Teh:Koteri, Dist: Bhilwara, Rajasthan-311202 have changed my name and DOB from SUMAN DEVI, DOB:01-07-1963 to SUMAN DEVI TAK, DOB:05-08-1961 vide affidavit dt:13-2-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, BHERU LAL TAK Father of Service No. 15707928L Hav LOKESH CHANDRA TAK, R/o.Vill:Paroli, PO:Paroli, Teh:Koteri, Dist:Bhilwara, Rajasthan-311202 have changed my name and DOB from BHERU LAL TAK, DOB:01-07-1955 to BHAIRU LAL TAK, DOB:01-01-1948 vide affidavit dt:13-2-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, Service No JC 731691L Sub (Hony Lt) PARAMJIT SINGH of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad that my daughter name is to be changed from HAMANPREET KAUR to HARMANPREET KAUR

CHANGE OF NAME
I, K USHA Spouse of Wing Commander SHYAM SUNDER KHANDAVALLI (Retd), Residing at H.No.5-8-21/36, Pedso-II, Behind Meghadri Heights Apartment, Vill:Yapral, PO: J J Nagar, Teh: Alwal, Dist:Medchal Malkajgiri, Telangana-500087 have changed my name from K USHA to KHANDAVALLI USHA RANI vide affidavit dt:13-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Secunderabad.

जनता ने सरकार के शासन और विकास एजेंडे को दिया मजबूत समर्थन : महेश गौड़

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि प्रजा पालाना जनादेश ने तेलंगाना भर में नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस को व्यापक जीत दिलाई है।

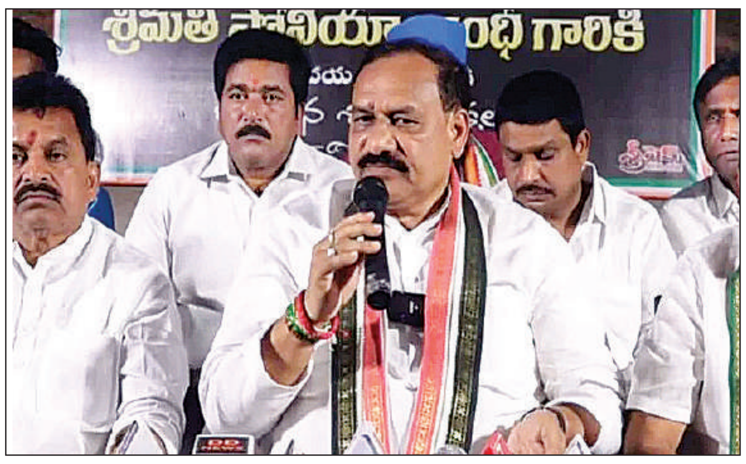

90 से अधिक नगर पालिकाओं और चार नगर निगमों पर कब्जा

पत्रकारों से बातचीत करते हुए, गौड़ ने दावा किया कि पार्टी ने 90 से अधिक नगर पालिकाओं और चार नगर निगमों में जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य भर में 1,300 से अधिक वार्ड और 154 से अधिक डिवीजन भी सुरक्षित किए। उनके अनुसार, इस परिणाम ने राज्य सरकार के शासन और विकास एजेंडे को जनता का मजबूत समर्थन दर्शाया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व को श्रेय

गौड़ ने इस सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पारदर्शी प्रशासन, कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी और सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित किया। इसके अलावा, उन्होंने महिला सशक्तिकरण, किसान समर्थन और युवा रोजगार पर पहल को प्रजा पालाना जनादेश के पीछे प्रमुख कारकों के रूप में उद्धृत किया।

तेलंगाना राइजिंग 2047 के लिए नवीनीकृत आशीर्वाद

उन्होंने इन परिणामों को सरकार की मतेलंगाना राइजिंग 2047फ दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए नवीनीकृत आशीर्वाद के रूप में वर्णित किया।

साथ ही, उन्होंने कहा कि इस जनादेश ने विकास को तेज करने और जन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए बड़ी जिम्मेदारी भी थोपी है।

विपक्षी दलों की आलोचना

टीपीसीसी प्रमुख ने चुनावों के दौरान विपक्षी दलों द्वारा कथित रूप से चलाए गए भ्रम फैलाने वाले अभियानों की आलोचना की। हालांकि, उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने नकारात्मक राजनीति को खारिज कर दिया और विकास को चुना।

शहरी प्राथमिकताओं पर जोर

शहरी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए, गौड़ ने कहा कि सरकार बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है। उन्होंने पेयजल आपूर्ति, सड़कें, स्वच्छता और बिजली सुविधाओं को फोकस क्षेत्रों के रूप में सूचीबद्ध किया। इसके अलावा, उन्होंने जन-केंद्रित शासन के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई

गौड़ ने पार्टी प्रत्याशियों, नेताओं और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के प्रयासों के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रजा पालाना जनादेश ने शासन के प्रति कांग्रेस सरकार के दृष्टिकोण में जनता के विश्वास को और मजबूत किया है।

मुनुगोडे विधायक ने फिर से पार्टी को परिणामों की चेतावनी दी!

नलगोंडा, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुनुगोडे से कांग्रेस विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने एक बार फिर पार्टी को चेतावनी दी है कि अगर उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं दी गई तो इसके परिणाम होंगे।

राजगोपाल रेड्डी ने शुक्रवार को चौटुप्पल में एक विजय रैली में कथित तौर पर कहा, अगर आप मुझे कैबिनेट में जगह नहीं देते, तो मैं मुख्यमंत्री बन जाऊंगा।

उन्होंने दावा किया कि वह जल्द ही मंत्री बनेंगे या फिर मुख्यमंत्री। रिपोर्ट्स के अनुसार, राजगोपाल रेड्डी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आप मुनुगोडे का ध्यान रखो, मैं तेलंगाना का ध्यान रखूंगा।

2023 विधानसभा चुनावों के वादे की याद दिलाई

मुनुगोडे विधायक ने पार्टी को 2023 विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादे की याद दिलाई।राजगोपाल रेड्डी ने चेतावनी देते हुए कहा, मैं एक बार फिर आपसे अपील करता हूं कि मुझे कैबिनेट में जगह दें और अपना वादा पूरा करें, अन्यथा मैं इसे छीन लूंगा।

पार्टी नेतृत्व से नाराजगी

राजगोपाल रेड्डी पिछले जून में तीन विधायकों को कैबिनेट में शामिल किए जाने के बाद से ही कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें कैबिनेट पद न दिए जाने से नाराज हैं और नेतृत्व की आलोचना करते रहे हैं।

गलवान शहीद संतोष बाबू की मां मंजूला को नगर पालिका चुनाव में मिली पराजय

नलगोंडा, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प में शहीद हुए कर्नल बिकुमल्ला संतोष बाबू की मां

बिकुमल्ला मंजूला को सूर्यापेट नगर पालिका के वार्ड नंबर 44 से चुनाव लड़ने पर पराजय का सामना करना पड़ा।मंजूला को कुल 398 मत प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार गुनगंटी हेमा ने 743 मत हासिल करके जीत दर्ज की। इस वार्ड से कुल पांच उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे, जिनमें मंजूला दूसरे स्थान पर रहीं।मंजूला ने पूर्व मंत्री और सूर्यापेट विधायक जी. जगदीश रेड्डी के आग्रह पर पहली बार चुनावी राजनीति में प्रवेश किया था। यह उनके या उनके परिवार के किसी सदस्य द्वारा पहली बार चुनाव लड़ने का प्रयास था।चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार की उपलब्धियों को उजागर किया और अपने बेटे की शहादत के बाद उनके परिवार को मिले समर्थन का संदर्भ दिया। हालांकि, नगर पालिका चुनावों में कांग्रेस की मजबूत प्रदर्शन के बीच उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा।

चौटुप्पल मंडल में निजी कारखाने के रिएक्टर ब्लास्ट से दहशत में घरों से बाहर भागे निवासी

नलगोंडा, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार शाम देर निजी रासायनिक कारखाने में रिएक्टर विस्फोट के कारण भूकंपीय झटकों से येल्लागिरी के निवासी दहशत में अपने घरों से बाहर भाग गए।

भूकंप समझकर घबराए लोग

शुरू में, कई निवासियों ने इसे भूकंप समझा।

विस्फोट का प्रभाव इतना तीव्र था कि निवासियों ने झटके महसूस किए। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा कि धरती कुछ सेकंड के लिए कांपी और उनके घरों में रखे घरेलू सामान गिर पड़े।

आधिकारिक पुष्टि का इंतजार

हालांकि इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन निवासियों ने कहा कि कारखाने में रिएक्टर विस्फोट के कारण धरती कांपी, रिपोर्ट्स में यह जानकारी जोड़ी गई है।

और अधिक विवरण का इंतजार है।

ट्रांसजेंडर उम्मीदवार अश्विनी ने चितयाल वार्ड सीट जीती

पूर्व नलगोंडा जिले में पहली ट्रांसजेंडर प्रतिनिधि का ऐतिहासिक चुनावी विजय

नलगोंडा, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ट्रांसजेंडर उम्मीदवार नलगिल्ला सुधाकर उर्फ अश्विनी को चितयाल नगर पालिका के वार्ड नंबर 1 (शिवनेनिगुडेम) से पार्षद के रूप में चुना गया है। वह पूर्व नलगोंडा जिले में स्थानीय निकाय चुनाव जीतने वाली पहली ट्रांसजेंडर प्रतिनिधि बन गई हैं।

अश्विनी ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और उन्हें रिंग (अंगूठी) चुनाव चिह्न आवंटित किया गया था। उन्होंने कांग्रेस के समर्थन से चुनाव लड़ रहे सीपीएम उम्मीदवार जित्ता नागेश को 101 मतों के अंतर से पराजित किया। वार्ड में कुल 1,070 मतदाताओं में से अश्विनी ने 429 मत प्राप्त करके जीत दर्ज की।

चुनाव से पहले अपने प्रचार अभियान के दौरान अश्विनी ने कई वादे किए, जिनमें-

लड़कियों की शादी के लिए परिवारों को 10,016 रुपये की आर्थिक सहायता। वार्ड से कचरा निस्तारण स्थल (डंपिंग यार्ड) को स्थानांतरित करना। बंदरों के आतंक से निपटना। उचित स्ट्रीट लाइटिंग की व्यवस्था करना आदि शामिल थे।

उनके समर्थन में ट्रांसजेंडर, महिलाएं और पुरुष सभी ने प्रचार अभियान में हिस्सा लिया। अश्विनी अपने माता-पिता के साथ इसी वार्ड में निवास करती हैं।नलगोंडा में एसआरटीएस कॉलेज में स्थापित मतगणना केंद्र पर परिणाम घोषित होने के बाद, अश्विनी ने कहा कि वह लोगों की सेवा करने और वार्ड में लंबित नागरिक मुद्दों को हल करने के लिए राजनीति में आई हैं। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर को राजनीति में प्रवेश करना चाहिए और लोकतांत्रिक मंचों पर अपने मुद्दों को उठाने के लिए चुनाव लड़ना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि उनका जीवन अन्य ट्रांसजेंडर के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने अभी तक यह निर्णय नहीं लिया है कि किसी राजनीतिक दल में शामिल हों या निर्दलीय के रूप में ही जारी रखें।

तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए समान विचारधारा वाली धर्मनिरपेक्ष ताकतों से गठबंधन को तैयार : केटीआर

हैदराबाद, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर पालिका चुनावों में सत्ताधारी कांग्रेस को कड़ी टक्कर देने के बाद, बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने घोषणा की कि पार्टी तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए समान विचारधारा वाली धर्मनिरपेक्ष ताकतों के साथ गठबंधन करने को तैयार है।

उन्होंने कांग्रेस की प्रचंड जीत की निर्मित कहानी को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव परिणाम सत्ताधारी कांग्रेस के खिलाफ बढ़ती जनता की नाराजगी को दर्शाता है।

शुक्रवार को तेलंगाना भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए, रामा राव ने कहा कि कांग्रेस ने केवल लगभग 60 प्रतिशत शहरी स्थानीय निकाय हासिल किए हैं, जो कुछ मीडिया खंडों द्वारा प्रस्तुत एकतरफा जीत या क्लीन स्वीप से बहुत दूर है।

नल्लाबेली गांव से आवारा कुत्तों को जंगल में फेंकने का ग्रामीण अधिकारियों पर आरोप

वरंगल में स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने दर्ज कराई शिकायत

वरंगल, 13 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एसएएफआई) ने वारंगल जिले के नल्लाबेली गांव से लगभग 100 आवारा कुत्तों के कथित अवैध पकड़ने और स्थानांतरण को लेकर ग्रामीण अधिकारियों के खिलाफ नल्लाबेली पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत में गांव के सरपंच, उप सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव को नामजद किया गया है। आरोप है कि इन पशुओं को 8 फरवरी को गांव से लगभग 10 किलोमीटर दूर एक जंगली क्षेत्र में ले जाकर छोड़ दिया गया।

एसएएफआई के क्रुएल्टी प्रिवेंशन मैनेजर अडुलापुरम गौतम ने कहा कि कुत्तों को धातु के तारों का उपयोग करके पकड़ा गया, जिससे स्थायी चोट लग सकती थी। 13 फरवरी को किए गए स्थलीय निरीक्षण के दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने पाया कि पशुओं को पास के जंगल में स्थानांतरित किया गया था।

फाउंडेशन ने पुलिस को रिकॉर्ड की गई फोन बातचीत भी सौंपी है। एसएएफआई के अनुसार, ग्राम पंचायत सचिव ने एक कॉल के दौरान स्वीकार किया कि 70 कुत्तों को स्थानांतरित किया गया, जबकि उप सरपंच ने भी इस कार्रवाई की पुष्टि की।

यह भी आरोप लगाया गया है कि मुलुगु जिले के एक निजी व्यक्ति को यह कार्य करने के लिए लगाया गया था।

शिकायत में पशुओं के प्रति क्रूरता रोकथाम अधिनियम, 1960 की धारा 11(1)(ए) और 38(3) तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की संबंधित धाराओं का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि आवारा पशुओं का इस तरह का स्थानांतरण और व्यवहार प्रतिबंधित है।

एसएएफआई के सदस्यों ने नल्लाबेली के स्टेशन हाउस ऑफिसर से शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया है। साथ ही इस मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.